10 कुलदीप यादव....

झारखण्ड का अपना दैनिक
झारखण्ड उजाला
सच आप तक

12 रश्मिका मंदाना...

रांची, सोमवार, 03 अगस्त 2026 | पृष्ठ - 12 | मूल्य - 2 रूपये | रांची संस्करण | वर्ष- 06 | अंक -48 | RNI No. JHAHIN/2021/82144 | www.jharkhandujala.com

पीएम मोदी ने नशे के खिलाफ अभियान की शुरूआत की, बोले- युवा नशे और लत के खतरों को समझें, सतर्क रहें

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए नशा मुक्त युवा, विकसित भारत अभियान की शुरूआत की. उन्होंने कहा कि यह अभियान अगले 100 हफ्तों तक चलेगा और हर रविवार देशभर में नशा मुक्ति से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी. इसका मकसद युवाओं को नशे से दूर रखना और उन्हें समाज में जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित करना है.

सरकार नशे के खिलाफ सख्ती से कर रही कार्रवाई

पीएम मोदी ने कहा कि सरकार मादक पदार्थों की तस्करी और नशे के कारोबार पर लगातार कड़ी कार्रवाई कर रही है. आज सरकार मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान में युवाओं के साथ मजबूती से खड़ी है. देश में मादक पदार्थों की तस्करी और दुरुपयोग के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है; पहले की तुलना में कई गुना अधिक गिरफ्तारियां हुई हैं और हजारों करोड़ रुपये की मादक वस्तुएं जब्त की गई हैं. यह दशार्ता है कि हमारी सरकार मादक पदार्थों के खिलाफ कितनी सख्त है.

बोले पीएम मोदी- हर रविवार होगा नशा मुक्त भारत की ओर एक कदम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा देशभर के लाखों युवाओं ने नशे से दूर रहने का संकल्प लिया है और यह अभियान इस संकल्प को और मजबूत करेगा. आने वाले 100 रविवार नशा मुक्त भारत की दिशा में 100 मजबूत कदम होंगे. पीएम मोदी ने युवाओं को देश की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए कहा कि 2047 तक विकसित भारत बनाने में उनकी सबसे अहम भूमिका होगी. देश को आपकी ऊर्जा, आपकी प्रतिभा और आपकी सोच की जरूरत है. इसलिए नशामुक्त रहना आपके भविष्य और देश दोनों के लिए जरूरी है.

अभियान की मुख्य बातें

- अगले 100 हफ्तों तक चलेगा नशा मुक्त युवा अभियान
- हर रविवार पूरे देश में जागरूकता कार्यक्रम होंगे
- नशे के खिलाफ सरकार की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी
- हजारों करोड़ रुपये के नशीले पदार्थ जब्त किए गए हैं
- युवाओं, परिवारों और शिक्षकों से नशा मुक्ति अभियान में भाग लेने की पीएम मोदी ने अपील की
- नशा मुक्त भारत और विकसित भारत के निर्माण का लक्ष्य

परिवारों से की खुलकर बात करने की अपील

प्रधानमंत्री ने कहा कि अगर परिवार का कोई सदस्य नशे की लत का शिकार हो जाए तो उसे सामाजिक बदनामी के डर से छिपाने की बजाय इलाज कराना चाहिए. उन्होंने माता-पिता से बच्चों के साथ खुलकर बातचीत करने की भी अपील की ताकि वे गलत रास्ते पर जाने से पहले ही संभल सकें. जब कोई युवा नशे की लत का शिकार हो जाता है, तो केवल उस व्यक्ति का ही नुकसान नहीं होता, एक सपना टूट जाता है. शत्रु राष्ट्र साजिश रचते हैं और हमारे युवाओं को नशे के जाल में घसीटने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ते. हमारे जैसे देश को तबाह करने के उद्देश्य से नशीले पदार्थों की आपूर्ति से मुनाफा कमाना उनकी आतंक-प्रेरित योजनाओं का हिस्सा है. हमें हमेशा यह याद रखना चाहिए, अगर हमारे घर का कोई बच्चा नशे का शिकार हो गया है, तो इसे सामाजिक प्रतिष्ठा की आड़ में न छिपाएं. जरूरत पड़ने पर मदद लें.

कॉलेजों और विश्वविद्यालयों से भी की अपील

प्रधानमंत्री ने शिक्षकों और प्रोफेसरों से कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ छात्रों को नशे के नुकसान के बारे में भी जागरूक करें और कैंपस में नशा मुक्ति अभियान चलाएं. पीएम मोदी ने बताया कि इस अभियान से देशभर के स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों, एनएसएस और माई भारत के स्वयंसेवकों सहित एक करोड़ से ज्यादा युवा जुड़े हैं. आज स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के हजारों छात्र इस कार्यक्रम से ऑनलाइन जुड़े हुए हैं. यहां तक कि 'माई भारत' के लाखों स्वयंसेवक भी जुड़े हुए हैं.

6 अगस्त से शुरू होगा विधानसभा का मॉनसून सत्र, जेपीएससी-जेएसएससी मुद्दे बहस करेगी विपक्ष

झारखण्ड उजाला संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा का मॉनसून सत्र छह अगस्त से शुरू होने जा रहा है. सात दिनों के इस संक्षिप्त सत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जोरदार राजनीतिक रस्साकशी देखने को मिलेगी. इस बार जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितता व नियोजन के मुद्दों को लेकर विपक्ष, सत्ता पक्ष को चौतरफा घेरने की रणनीति बना चुका है. युवाओं और रोजगार से जुड़े इन संवेदनशील विषयों पर विपक्ष सदन में बेहद मुखर रहेगा. दूसरी ओर, सत्ता पक्ष भी विपक्ष के हर वार का करारा जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है. जेपीएससी के मुद्दे पर सरकार नीट परीक्षा पेपर लीक मामले को अपना मुख्य हथियार बनाकर भाजपा पर पलटवार करने की तैयारी में है.

विधानसभा का प्रस्तावित कार्यक्रम

- **6 अगस्त**: नवनिर्वाचित सदस्यों का शपथ ग्रहण, अध्यादेश (यदि हो तो) और शोक प्रकाश.
- **7 अगस्त**: प्रश्नकाल एवं वित्तीय वर्ष 2026-27 के प्रथम अनुपूरक बजट का उपस्थापन.
- **8 और 9 अगस्त**: शनिवार एवं रविवार का साप्ताहिक अवकाश.
- **10 अगस्त**: प्रश्नकाल, प्रथम अनुपूरक बजट पर चर्चा और मतदान.
- **11 अगस्त**: प्रश्नकाल, राजकीय विधेयक एवं अन्य राजकीय कार्य.
- **12 अगस्त**: प्रश्नकाल, राजकीय विधेयक, अन्य राजकीय कार्य और गैर-सरकारी संकल्प.

5 अगस्त को सत्ता पक्ष-भाजपा विधायक दल की बैठक

सदन के भीतर अपनी-अपनी रणनीतियों को धार देने के लिए पांच अगस्त को सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ने अपने विधायक दल की महत्वपूर्ण बैठकें बुलायी हैं. प्रदेश भाजपा कार्यालय में होने वाली इस बैठक में प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी और संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह सहित पार्टी के सभी विधायक शामिल होंगे. इसमें सरकार को विभिन्न जनहित के मुद्दों पर घेरने का खाका तैयार किया जायेगा. वहीं सत्तारुढ़ दल के विधायकों की बैठक एटीआई सभागार में शाम चार बजे से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में होगी. इसमें झामुमो, कांग्रेस और राजद के विधायक शामिल होकर विपक्ष के आरोपों का ठोस और एकजुटता से जवाब देने की रणनीति बनायेंगे. इससे पहले कांग्रेस विधायक दल की बैठक अलग से होगी.

सात अगस्त को पेश होगा अनुपूरक बजट

छह से 12 अगस्त तक चलने वाले इस सत्र में शनिवार और रविवार के अवकाश के कारण वास्तविक रूप से केवल पांच कार्यदिवस ही उपलब्ध होंगे. इन्हीं पांच दिनों में जनता से जुड़े जरूरी मुद्दों पर चर्चा होगी. सत्र के दौरान राज्य सरकार द्वारा चालू वित्तीय वर्ष (2026-27) का पहला अनुपूरक बजट सात अगस्त को सदन के पटल पर रखा जायेगा.

शिबू सोरेन की पहली पुण्यतिथि पर लुकैयाटांड़ में होगा भव्य श्रद्धांजलि कार्यक्रम

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन कल करेंगे गुरुजी की आदमकद प्रतिमा का अनावरण

झारखण्ड उजाला संवाददाता

रामगढ़। झारखंड आंदोलन के पुरोधा और राज्य के निर्माण में अहम भूमिका निभाने वाले दिशोम गुरु दिवंगत शिबू सोरेन की पहली पुण्यतिथि 4 अगस्त को उनके पैतृक गांव रामगढ़ के नेमरा, लुकैयाटांड़ में मनाई जाएगी. इस अवसर पर भव्य श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित की जाएगी. कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, गांडेय विधायक कल्पना सोरेन के साथ कई मंत्री और नेता शामिल होंगे और लुकैयाटांड़ स्थित सोना सोबरन स्कूल के प्रांगण में स्थापित गुरुजी की आदमकद प्रतिमा का अनावरण करेंगे. शिबू सोरेन की पुण्यतिथि कार्यक्रम को लेकर नेमरा व लुकैयाटांड़ में तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं. कार्यक्रम स्थल पर भव्य पंडाल तैयार किया जा रहा है. बड़ी संख्या में झामुमो कार्यकताओं, समर्थकों और गुरुजी को अपना आदर्श मानने वाले लोगों के कार्यक्रम में पहुंचने की संभावना है. आयोजन को लेकर स्थानीय लोगों में भी उत्साह देखा जा रहा है.

गुरुजी की आदमकद प्रतिमा का होगा अनावरण

इस संबंध में जेएमएम संयोजक मंडली के सदस्य विनोद किस्कू ने बताया कि 4 अगस्त को गुरुजी की पुण्यतिथि पर विशेष श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित की जाएगी. उन्होंने कहा कि लुकैयाटांड़ में गुरुजी की आदमकद प्रतिमा का अनावरण होना है. इसके लिए भव्य पंडाल बनाया जा रहा है. उन्होंने कहा कि गुरुजी को चाहने और उन्हें अपना आदर्श मानने वाले बड़ी संख्या में लोग कार्यक्रम में शामिल होंगे.

गुरुजी के परिवार के सभी सदस्य मौजूद रहेंगे

वहीं जिला परिषद सदस्य रेखा सोरेन ने कहा कि लुकैयाटांड़ में गुरुजी की आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया जाएगा. पहली पुण्यतिथि को लेकर तैयारियां चल रही हैं. उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में गुरुजी के परिवार के सदस्य भी मौजूद रहेंगे. उनके अनुसार, परिवार के साथ बड़ी संख्या में समर्थक और स्थानीय लोग भी श्रद्धांजलि देने पहुंचेंगे.

कार्यक्रम की तैयारी जोर-शोर से जारी

कार्यक्रम को लेकर तैयारियों का दौर जारी है और आयोजन स्थल पर पंडाल, मंच सहित अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है. जिला प्रशासन और जेएमएम के नेता-कार्यकर्ता दिन-रात तैयारियों में जुटे हुए हैं. 4 अगस्त को लुकैयाटांड़ में गुरुजी की स्मृतियों को समर्पित भव्य श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित की जाएगी. गुरुजी को अपना आदर्श मानने वाले बम की श्रद्धा भी चर्चा भी जिलेभर में हो रही है. उन्होंने अपने शरीर पर दिशोम गुरु शिबू सोरेन और दुर्गा सोरेन का नाम गुदवा रखा है. बम का कहना है कि गुरुजी को सिर्फ वह ही नहीं, बल्कि झारखंड के लोग बड़ी संख्या में अपना आदर्श और प्रेरणास्त्रोत मानते हैं. गौरतलब है कि शिबू सोरेन झारखंड आंदोलन के प्रमुख नेताओं में रहे और अलग झारखंड राज्य के आंदोलन को मजबूत करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही. उनकी पहली पुण्यतिथि पर उनके पैतृक गांव नेमरा लुकैयाटांड़ में आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम राजनीतिक और सामाजिक दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है.

आज का विचार

झारखण्ड उजाला

श्री विजय हांसदा,
सांसद राजमहल लोकसभा, झारखंड

जन-जन की पीड़ा, जन-जन की आस, यही बने जनसेवा का विश्वास। सत्ता नहीं, सेवा हो पहचान, यही है लोकतंत्र की सच्ची शान। सड़क की आवाज जब संसद तक पहुँचती है, तभी जनता की उम्मीदें सच्चे मायनों में संवरती हैं। जो हर कदम पर लोगों के साथ खड़ा रहे, वही जनप्रतिनिधि जनता के दिलों में बसता रहे। लोगों की आवाज बनकर हमेशा सड़क से संसद तक अपनी आवाज बुलंद करेंगे।

सर्राफा

सोना (बिक्री) : **1,49,560**
चांदी (प्रति किलो) : **2,55,000**
(नोटः सोना 22 कैरेट कीमत प्रति 10 ग्राम)

शेयर बाजार

सेंसेक्स :- **78,094.64**
निफ्टी :- **24,383.60**

मौसम

अधिकतम तापमान : **29** °
न्यूनतम तापमान : **23** °

सूर्योदय/सूर्यास्त

प्रातः :- **05:20**
संध्या :- **18:30**

आज का इतिहास

आज ही के दिन सन 1936 को बर्लिन ओलंपिक में अमेरिकी धावक जेसी ओवेन्स ने 100 मीटर की दौड़ जीतकर अपना पहला स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

संक्षिप्त समाचार

दलमा में 15 इको-फ्रेंडली कॉटेज का भव्य उद्घाटन

सरायकेला। झारखंड में पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन को गति देने के उद्देश्य से सरायकेला-खरसावां जिले स्थित दलमा वन्यजीव अभ्यारण्य के माकुलाकोचा में 'दलमा इको रिट्रीट' का रविवार को विधिवत शुभारंभ हुआ. पर्यटन, कला-संस्कृति एवं खेल मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच इस महत्वाकांक्षी परियोजना का उद्घाटन किया. इस अवसर पर ईचागढ़ की विधायक सबिता महतो, घाटशिला विधायक सोमेश सोरेन सहित सरायकेला और पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक और वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे. अतिथियों ने नवनिर्मित कॉटेज का निरीक्षण कर इसे राज्य में इको-टूरिज्म और स्थानीय रोजगार बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण प्रयास करार दिया.

झारखंड में अगले 5 दिन झमाझम पानी, कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

रांची। झारखंड में मानसून फिर से सक्रिय हो गया है. भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के मौसम केंद्र रांची ने राज्य के कई जिलों में अगले पांच दिनों तक भारी बारिश, वज्रपात और तेज हवा चलने की चेतावनी जारी की है. मौसम विभाग ने लोगों से खराब मौसम के दौरान सावधानी बरतने की अपील की है. मौसम विभाग के अनुसार, 2 अगस्त को राज्य के लगभग सभी जिलों में मेघ गर्जन, वज्रपात और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चल सकती है. देवघर, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़ और साहेबगंज में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है. 3 अगस्त को भी पूरे राज्य में वज्रपात और तेज हवा का असर बना रहेगा. 4 अगस्त को पलामू, गढ़वा, चतरा, लातेहार, हजारीबाग, कोडरमा, रामगढ़ और बोकारो में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है. वहीं राज्य के बाकी हिस्सों में भी गरज के साथ बारिश और तेज हवा चल सकती है.

उपायुक्त के सख्त निर्देशों की फिर खुली अनदेखी

शिलान्यास बोर्ड पर जरूरी विवरण गायब; गुणवत्ता पर विधायक ममता देवी ने दी चेतावनी

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़/गोला। गोला प्रखंड अंतर्गत राजकीय प्राथमिक विद्यालय, हुप्पू में नए वर्ग कक्ष निर्माण कार्य का शुभ शिलान्यास रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र की विधायक ममता देवी के करकमलों द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि राजू जायसवाल, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। विधायक ममता देवी ने शिलापट्ट का अनावरण करते हुए स्पष्ट कहा कि विद्यालय निर्माण कार्य की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विद्यालयों के लिए बड़ी मुश्किल से सरकारी राशि स्वीकृत होती है, इसलिए निर्माण कार्य पूरी तरह स्वीकृत प्राक्कलन एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप कराया जाए। यदि प्राक्कलन में किसी प्रकार की हेराफेरी या घटिया सामग्री का उपयोग पाया गया तो संबंधित लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान शिलान्यास बोर्ड पर अनिवार्य जानकारियां अंकित नहीं होने को लेकर पत्रकारों एवं ग्रामीणों ने सवाल उठाए। गौरतलब है कि कुछ दिन पूर्व पत्रकारों द्वारा यही मुद्दा उठाए जाने के बाद उपायुक्त ऋतुराज ने स्वयं संज्ञान लेते हुए नेमरा सहित विभिन्न योजनाओं के निरीक्षण के दौरान सभी अभियंताओं एवं संवेदकों को स्पष्ट निर्देश दिया था कि प्रत्येक शिलान्यास बोर्ड पर योजना की प्राक्कलन राशि, स्वीकृत लागत, कार्य अवधि, कार्यकारी एजेंसी तथा अन्य सभी निर्धारित तकनीकी मानकों का उल्लेख अनिवार्य रूप से किया जाए। उन्होंने यह भी चेतावनी दी थी कि यदि किसी भी योजना में इन निदेशों की अवहेलना पाई गई तो संबंधित अभियंता एवं जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। इसके बावजूद हुप्पू विद्यालय के शिलान्यास बोर्ड पर आवश्यक विवरण अंकित नहीं मिला। ग्रामीणों का कहना है कि इससे ऐसा प्रतीत होता है कि उपायुक्त के स्पष्ट निदेशों का भी अपेक्षित अनुपालन नहीं हो रहा है। उनका कहना था कि जब शिलान्यास बोर्ड पर ही प्राक्कलन, लागत और अन्य तकनीकी जानकारी उपलब्ध नहीं होगी, तो ग्रामीण निर्माण कार्य की गुणवत्ता और सरकारी राशि के उपयोग की निगरानी कैसे करेंगे। विद्यालय के शिक्षकों ने भी बताया कि उन्हें निर्माण कार्य की स्वीकृत राशि एवं प्राक्कलन की जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई है। इस दौरान विधायक ममता देवी ने ग्रामीणों से निर्माण कार्य की निगरानी करने की अपील करते हुए कहा कि यह विद्यालय क्षेत्र के बच्चों के भविष्य से जुड़ा है। इसलिए किसी भी प्रकार की लापरवाही या गुणवत्ता में कमी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और यदि कहीं भी अनियमितता दिखाई दे तो तत्काल इसकी सूचना दें, ताकि दोषियों पर कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक जय किशोर शर्मा, नटवर मुंडा, सरिता कुमारी, सुनीता कुमारी, आनंद कुमार महतो, कांती चिंगारी, जीतन देवी, फूलो देवी, उषा देवी, गुलाम सरवर, मनीष चिंगारी, मुकेश महतो, मानसू महतो सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण महिला-पुरुष उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री के आगमन की तैयारियां अंतिम चरण में

डीसी-एसपी ने कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण

रामगढ़/गोला। बरलंगा थाना क्षेत्र के लुकैयाटांड़ में 4 अगस्त को प्रस्तावित विकास मेला सह परिसंपत्ति वितरण कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित आगमन को देखते हुए रविवार को उपायुक्त ऋतुराज, पुलिस अधीक्षक रामगढ़, अनुमंडल पदाधिकारी रामगढ़ सहित अन्य वरीय अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल का औचक निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मंच, बैठक व्यवस्था, सुरक्षा, यातायात, पार्किंग, पेयजल, विद्युत, बैरिकेडिंग तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। अधिकारियों ने संबंधित विभागों को समयबद्ध एवं समन्वित ढंग से सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। पूरे लुकैयाटांड़ मैदान को आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है तथा कार्यक्रम स्थल को अंतिम रूप देने का कार्य युद्धस्तर पर जारी है।विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री के हाथों विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों के बीच कई प्रकार की परिसंपत्तियों का वितरण किए जाने की तैयारी भी की जा रही है। हालांकि, जिला प्रशासन की ओर से परिसंपत्तियों की सूची या वितरण संबंधी आधिकारिक घोषणा अभी तक नहीं की गई है। प्रशासन का पूरा फोकस कार्यक्रम को शांतिपूर्ण, व्यवस्थित एवं सफल बनाने पर है। सुरक्षा व्यवस्था को भी व्यापक रूप से मजबूत किया जा रहा है, ताकि कार्यक्रम में आने वाले हजारों लोगों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

पतरातू में वर्जपात के चपेट में आने से तीन की मौत से पसरा मातम

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

पतरातू: पतरातू क्षेत्र में तेज बारिश के साथ कई स्थानों में गर्जना और वर्जपात की घटना हुई। इस दौरान खेत में काम करने वाली सांकूल निवासी रेखा देवी और रोशनी कुमारी वर्जपात के चपेट में आ गए। जिन्हें स्थानीय लोगो एवं जे एम एम के कार्यकताओं के द्वारा पतरातू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वही पलानी गांव में खेत में काम कर रही सुशांति देवी, सुनीता देवी, कंचन कुमारी भी वर्जपात के चपेट में आ गए। जिन्हें 108 एम्बुलेंस के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां डॉक्टर ने सुशांति देवी को मृत घोषित कर दिया। पूरे क्षेत्र में बाजारपट से तीन लोगों की मौत से पतरातू क्षेत्र में मातम पसर गया।

पीएससी एवं जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में 4 अगस्त को रामगढ़ में जेएलकेएम का एकदिवसीय शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन:- प्रयाग महतो

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (JLKM) ने झारखंड लोक सेवा आयोग (JPSC) एवं झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (JSSC) की विभिन्न परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष एवं न्यायोचित जांच की मांग को लेकर राज्यव्यापी आंदोलन की घोषणा पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष जयराम कुमार महतो के निदेर्शानुसार आंदोलन को सफल बनाने के उद्देश्य से आज पटेल छात्रावास, रामगढ़ में JLKM रामगढ़ जिला की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष जबकि संचालन रवि महतो द्वारा किया गया। बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने आगामी 04 अगस्त को जिला मुख्यालय रामगढ़ में आयोजित होने वाले एक दिवसीय शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन को सफल बनाने हेतु अपने-अपने सुझाव साझा किए। सभी प्रखंड अध्यक्षों ने अपने-अपने क्षेत्रों से अधिक से अधिक लोगों को जागरूक कर आंदोलन में शामिल कराने का संकल्प व्यक्त किया। इस आंदोलन में पार्टी के केंद्रीय, जिला, प्रखंड एवं पंचायत स्तर के सभी पदाधिकारियों तथा सक्रिय सदस्यों की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी। बैठक के दौरान आगामी आंदोलन की रूपरेखा, संगठनात्मक रणनीति तथा जनसंपर्क अभियान पर भी विस्तृत चर्चा की गई। JLKM ने राज्य के युवाओं, छात्रों एवं अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से इस आंदोलन में भाग लेकर निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया और पारदर्शी जांच की मांग को मजबूत करें। इस बैठक मे मुख्य रूप से रवि कुमार महतो, पानेश्वर महतो, राजेंद्र बेदिया, मीडिया प्रभारी रमेश कुमार महतो, मुस्लिम अंसारी, मनोरंजन महतो,प्रयाग महतो, भारती कुशवाहा, सीता देवी, लालू महतो, संजय महतो, त्रिभुवन महतो, एमडी नौशाद, रवि ठाकुर, नरेंद्र कुमार, राजू बेदिया, अबू शम्मा, तुलेश्वर महतो सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे ।

रोटरी क्लब के द्वारा प्रथम पुण्यतिथि पर जरूरतमंदों के बीच बांटा गया खाने का पैकेट

रामगढ़।रांची रोड रेलवे स्टेशन परिसर में रोटरी क्लब का रामगढ़ के सदस्यों ने रोटेरियन निलंजन दत्ता के माता-पिता स्वर्गीय मिनाती दत्त एवं स्वर्गीय रंजन कुमार दत्ता के प्रथम पुण्यतिथि को श्रद्धा सेवा और जनकल्याण की भाव के साथ मनाई इस अवसर पर कई रोटेरियनों के द्वारा आम जनमानस की सेवा हेतु फूड पैकेट का वितरण का विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ो लोगों ने भाग लिया खासकर आम राहगीरों असहाय लोगों फुटपाथ में रहने वाले लोगों एवं मजदूरों के बीच भोजन का पैकेट वितरण किया गया इस कार्यक्रम को रोटेरियन सुरेश पी अग्रवाल एवं रोटेरियन कांता सोबती ने अपने संबोधन में कहा कि स्वर्गीय मितानी दत्त एवं स्वर्गीय रंजन कुमार दत्ता अत्यंत धार्मिक धर्म परायण समाजसेवी एवं आध्यात्मिक प्रवृत्ति के महिला पुरुष थे उनका जीवन संदेश सेवा त्याग एवं परिश्रम पर आधारित था रोटेरियन प्रदीप कुमार सिंह एवं रोटेरियन अरुण कुमार राय ने स्वर्गीय मितानी दत्त एवं स्वर्गीय रंजन कुमार दत्ता के बारे में कहा कि इन दोनों का जीवन सदा धार्मिक कार्यों सत्संग और कीर्तन में लीन रहता था और समाज के हर वर्ग की सेवा को अपना धर्म मानते थे उनका जीवन सामाजिक योगदान को याद करते हुए हम सभी उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं ।वही रोटेरियन अमरेश गणक रोटेरियन राजेश कुमार एवं वर्तमान अध्यक्ष रोटेरियन राजेश कुमार मोदी ने स्वर्गीय मितानी दत्त एवं स्वर्गीय रंजन कुमार दत्ता के बारे में कहा कि वे हमेशा मानव सेवा परोपकार और जरूरतमंदों की सहायता को सबसे बड़ा धर्म मानते थे पुण्यतिथि पर रोटेरियन निलंजन दत्त के द्वारा रोटरी क्लब रामगढ़ के सहयोग से जरूरतमंदों को भोजन पैकेट वितरित करना एक बेहद पवित्र और सराहनीय कार्य है इस नेक काम से अपनों की यादें हमेशा जीवित रहती है और गरीबों को राहत मिलती है ।अंत में रोटरी क्लब ऑफ रामगढ़ के सचिव रोटेरियन आशीष दत्ता धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए कहा कि सभी सहयोगियों अतिथियों एवं उपस्थित जनसमूह के प्रति आभार प्रकट करता हू आज के कार्यक्रम में खास तौर पर राहगीरों मजदूरों की सेवा को प्राथमिकता दी गई जिससे कार्यक्रम की मानवीय संवेदना स्पष्ट रूप से दिखाई दी कार्यक्रम में मुख्य रूप से सुरेश पी अग्रवाल,अरुण कुमार राय,प्रदीप कुमार सिंह,डॉक्टर कांता सोबती, निलंजन दत्त,अमरेश गणक,राजेश कुमार,राजेश कुमार मोदी,आशीष दत्त,संजय चौधरी,राहुल जैन पाटनी, नरेश पासवान अतिथि शिवनंदन प्रसाद सिंह,जयता दास रांची रोड रेलवे कर्मी अवधेश राम,नीलम एक्का, शिवकुमार, मुबारक,नीतीश कुमार,संजय कुमार सहित इस भोजन वितरण अभियान में सक्रिय सहयोग दिया कार्यक्रम की समापन गोलोकवासी की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना तथा समाज में सेवा सहयोग और मानवता की भावना को आगे बढ़ाने के संकल्प के साथ हुआ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्चुअल संवाद से लोहरदगा के 250 से अधिक युवाओं ने लिया नशा मुक्त भारत का संकल्प

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

लोहरदगा: युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत माई भारत लोहरदगा द्वारा संचालित ₹नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान₹ के तहत रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्चुअल संवाद का सीधा प्रसारण किया गया। इस दौरान जिले के 250 से अधिक युवाओं ने नशा मुक्त विकसित भारत के निर्माण का संकल्प लिया।कार्यक्रम का आयोजन समाहरणालय स्थित एनआईसी कॉन्फ्रेंस हॉल तथा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, कुजरा में किया गया। दोनों स्थानों पर युवाओं, स्वयंसेवकों, छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समाहरणालय स्थित एनआईसी कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित कार्यक्रम की मुख्य अतिथि परियोजना निदेशक (आईटीडीए) श्रीमती सुषमा नीलम सोरेंग थीं। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। वहीं, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, कुजरा में आयोजित कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती सोनी स्मिता एक्का ने छात्राओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और नशामुक्त समाज के निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने वर्चुअल संबोधन में युवाओं से नशे के खिलाफ जनआंदोलन खड़ा करने, परिवार और समाज को जागरूक करने तथा विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। उपस्थित प्रतिभागियों ने उनके संदेश को गंभीरता से सुना और उसे अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों ने नशा मुक्ति शपथ ली तथा स्वयं नशामुक्त रहने और समाज को भी नशे से दूर रखने का संकल्प व्यक्त किया। साथ ही ध्यान सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें मानसिक स्वास्थ्य, आत्मनियंत्रण और सकारात्मक जीवनशैली के महत्व पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर प्रतिभागियों को नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान₹ के तहत चलाए जा रहे 100 सप्ताह के राष्ट्रव्यापी अभियान की जानकारी दी गई। बताया गया कि प्रत्येक रविवार को योग, ध्यान, खेल, फिटनेस, सांस्कृतिक कार्यक्रम, जन-जागरूकता अभियान और सामुदायिक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में दोनों स्थलों पर उपस्थित सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। माई भारत, लोहरदगा ने जिला प्रशासन, आईटीडीए, विद्यालय प्रशासन, एनएसएस, स्वयंसेवकों, शिक्षकों और सभी प्रतिभागियों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए जिले के युवाओं से इस जनआंदोलन से लगातार जुड़ने की अपील की।

विज्ञान सप्ताह के अवसर पर एसएसवीएम के भैया बहनों ने किया रांची साइंस सिटी का शैक्षणिक भ्रमण

पतरातू: पतरातू थर्मल स्थित पतरातू=पतरातू थर्मल स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में डॉ प्रफुल्ल चंद्र राय के स्मृति में विज्ञान सप्ताह मनाया जा रहा है। इस दौरान विद्यालय में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इन्हीं कार्यक्रमों के अंतर्गत भैया बहनों का रांची साइंस सिटी का शैक्षणिक भ्रमण भी रविवार को आयोजित किया गया। इस शैक्षणिक भ्रमण में कक्षा षष्ठ से कक्षा अष्टम के 88 भैया बहनों सहित 3 आचार्य एवं दो दीदीजी ने भाग लिया। रांची साइंस सिटी जाकर भैया बहनों ने आचार्यों के मार्गदर्शन में विभिन्न प्रकार के उपकरणों का सूक्ष्म अवलोकन किया तथा उनके कार्य करने के विधि को समझने का प्रयास किया। इस दौरान भैया बहन काफी उत्साहित थे एवं उत्सुकता से उपकरणों को देख रहे। सभी भैया बहन काफी खुश थे। सभी भैया बहनों ने 3डी चलचित्र के माध्यम से अंतरिक्ष यान प्रक्षेपण की विधि को समझा और भरपूर आनंद लिया। प्राचार्य सुरेंद्र कुमार पाठक ने कहा कि इस तरह के शैक्षणिक भ्रमण का उद्देश्य भैया बहनों के बीच पढ़ाई के प्रति रुचि एवं ज्ञानवर्धन करना है।

आदिवासी संस्कृति को हर कोने तक पहुंचाना हमारा दायित्व - सांसद सुखदेव भगत

आदिवासी संस्कृति और संगीत को समर्पित गीत हमीन आदिवासी रे का सफल प्रीमियर शो रांची के पॉपकॉर्न सिनेमा हॉल में संपन्न हुआ।कार्यक्रम में लोहरदगा लोकसभा के माननीय सांसद श्री सुखदेव भगत मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। हॉल पहुंचने पर आयोजन समिति के सदस्यों ने सांसद महोदय का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया।सांसद श्री भगत ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा, ₹आदिवासी संस्कृति, कला और संगीत देश के हर कोने तक पहुंचाना हम सबका दायित्व है। आदिवासी समाज की समृद्ध विरासत पर हमें गर्व है और इसे नई पीढ़ी तक ले जाना जरूरी हैउन्होंने गीत की पूरी टीम और आयोजन समिति को बधाई देते हुए कहा कि इस तरह के प्रयासों से आदिवासी कला को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच मिलेगा। प्रीमियर शो में बड़ी संख्या में कलाकार, सामाजिक कार्यकर्ता और आदिवासी समाज के लोग उपस्थित थे। गीत को दर्शकों ने खूब सराहा और तालियों से स्वागत किया। सांसद ने आदिवासी अस्मिता और संस्कृति को समर्पित इस गीत की पूरी टीम को बधाई दिए।

मै स्वयं इसी खेल मैदान से जीवन की सुरुवात कर सैनिक बना हुँ आप भी आगे बढे : अब्दुल कादिर (उपाध्यक्ष नगर परिषद)

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

जिला में छिपी खेल प्रतिभा को मंच देकर आगे बढ़ाना एसोसिएशन का कर्तव्य : किशोर कुमार वर्मा (कार्यकारी सचिव)

जिला एथलेटिक एसोसिएशन के तत्वाधान में जिला एथलेटिक प्रतियोगिता का हुआ सुभारम्भ

सीमा कुमारी (16 आयु वर्ग), प्रेरणा पन्ना (18आयु वर्ग), सुमत्ती उरांव (20आयु वर्ग) में तेज धाविका बनी

बालक में (28) और बालिका में (25) कुल 53 खिलाड़ियों का चयन किया गया

लोहरदगा : लोहरदगा जिला एथलेटिक एसोसिएशन के तत्वाधान में जिला एथलेटिक प्रतियोगिता का सुभारम्भ ललित नारायण स्टेडियम लोहरदगा में किया गया` सुभारम्भ के मुख्य अतिथि के रूप में लोहरदगा नगर परिषद उपाध्यक्ष अब्दुल कादिर ने खिलाड़ियों से परिचय करा कर सुभारम्भ किया, इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों से कहा की इसी ललित नारायण स्टेडियम से मैंने अपनी स्पोर्ट्स की सुरुवात किया था और यही खेल मैदान मुझे देशभक्त सैनिक बनाने में भरपूर सहयोग किया था आप सब भी ईमानदार मेहनत करें और रोज प्रैक्टिस करें सफलता निश्चित मिलेगी इस अवसर पर जिला कार्यकारी सचिव किशोर कुमार वर्मा ने कहा की लोहरदगा एथलेटिक एसोसिएशन का मुख्य उद्देश्य जिला के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को मंच देकर आगे बढ़ाना होता है जो लोहरदगा जिला एथलेटिक एसोसिएशन अपना फर्ज निभा रही है लेकिन दुःख होता है जब 1951 से खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन लोहरदगा में होता आया है लेकिन लोहरदगा एथलेटिक की दुनिया में लगातार पिछड़ती जा रही है इसका मुख्य कारण ललित नारायण स्टेडियम का जीर्णोद्धार नहीं होना है लगातार प्रयास के वावजूद विगत दशकों से स्टेडियम की हालत जर्जर है और स्पोर्ट्स खेलकूद के लिए आर्थिक सहयोग सरकार या विभाग से नहीं मिलना भी कारण है` इस अवसर पर जिला एथलेटिक एसोसिएशन के जिला कोच विकास कुमार महतो ने कहा की लोहरदगा जिला एथलेटिक प्रतियोगिता में अंडर 14,16,18 और 20आयु वर्ग के सैकड़ो की संख्या में बालक बालिकाओं ने रजिस्ट्रेशन कराया और अंडर 14,16,18,और 20 बालक बालिका वर्ग में 53खिलाड़ियों (बालक 28,बालिका 25) का चयन किया गया` उन्होंने कहा की सोमवार दिनांक 03 अगस्त से बी एस कॉलेज लोहरदगा ग्राउंड्स में 15दिवसीय कैंप का आयोजन होगा जहाँ अनुशासन में अभ्यास करेंगे वर्तमान में झारखण्ड स्टेट एथलेटिक एसोसिएशन के तत्वाधान में आयोजित दिनांक 21 और 22 अगस्त को धनबाद के मेगा स्पोर्ट्स कपम्प्लेक्स में राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में ये खिलाडी भाग लेंगे ।

अंजुमन इस्लामिया अदलिया कमिटी ने की दो मामलों की सुनवाई

समाज में शांति और आपसी भाईचारा बनाए रखना अदलिया कमिटी का उद्देश्य: रउफ अंसारी

लोहरदगा: अंजुमन इस्लामिया, लोहरदगा की अदलिया कमिटी ने रविवार को सामाजिक एवं पारिवारिक विवादों से जुड़े दो मामलों की सुनवाई की गई, जिसमें एक मामले का निष्पादन, एक मामले में सोशल बाइकाट का निर्णय लिया गया। पहला मामला मजहर कुरैशी नूर नगर लोहरदगा बनाम तरन्नुम परवीन वल्द गुलाम रब्बानी कुरैशी कुरैशी मुहल्ला लोहरदगा। आपसी नाइत्तेफी का था, जिसमें सुनवाई की गई। दोनों पक्षों के बीच आपसी सुलह के आधार पर मामले का निपटारा करते हुए सभी क्लीयरिंग के लिए 15 दिनों का वक्त दिया गया। दूसरा मामला खालीद अंसारी और युनूस अंसारी, वल्द लुकमान अंसारी राहत नगर लोहरदगा बनाम सेराजन बीबी, युसूफ अंसारी, कुद्दुश अंसारी के बीच जमीन जगह बंटवारे के बावत सुनवाई की गई। जिसमें अंजुमन की बातों का अवहेलना करने के लिए सेराजन बीबी, युसूफ अंसारी, कुद्दुश अंसारी को सामाजिक बहिष्कार करने का निर्णय लिया गया। इसके अलावे कई अन्य मामलों में भी गौरो-खौश की गई। बैठक में सदर अब्दुल रऊफ अंसारी, यासीन कुरैशी, सेराज अंसारी, ऑफिस सेक्रेटरी मौलवी अबुल कलाम तैगी एवं मोहम्मद असगर तैगी उपस्थित रहे। इस अवसर पर सदर रउफ अंसारी ने कहा कि अदलिया कमिटी का उद्देश्य समाज में शांति और आपसी भाईचारा बनाए रखना है। विवादों का समाधान अदालत से बाहर कराना समय और धन दोनों की बचत है, साथ ही इससे समाज में सौहार्द भी मजबूत होता है।

रांची में पहली सोमवारी आज, मंदिरों में प्रशासन की चाक-चौबंद व्यवस्था! पहाड़ी मंदिर समेत सभी शिवालयों में जलाभिषेक करेंगे शिवभक्त

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। श्रावण मास की पहली सोमवारी को लेकर राजधानी रांची पूरी तरह शिवमय होने जा रही है. लाखों श्रद्धालुओं के जलाभिषेक और दर्शन को देखते हुए प्रशासन और मंदिर समितियों ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं. रांची के ऐतिहासिक पहाड़ी मंदिर, चुटिया स्थित प्राचीन सुरेश्वर धाम, 21 महादेव धाम और अन्य प्रमुख शिवालयों में श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सुचारु दर्शन के लिए विशेष व्यवस्था की गई है.

बिना परेशानी के जल चढ़ाने की सुविधा

रांची के ऐतिहासिक पहाड़ी मंदिर के पट सोमवार तड़के सुबह 3:30 बजे मंगला आरती के साथ खुलेंगे. इसके बाद सुबह 4:00 बजे से श्रद्धालुओं के लिए दर्शन और जलाभिषेक शुरू हो जाएगा. भीड़ को नियंत्रित करने और श्रद्धालुओं को बिना किसी परेशानी के जल चढ़ाने की सुविधा देने के लिए इस बार मुख्य मंदिर के साथ-साथ विश्वनाथ मंदिर और महाकाल मंदिर में भी अरघा सिस्टम लगाया गया है.

बाबा का किया जाएगा विशेष श्रृंगार दर्शन

श्रद्धालु इसी व्यवस्था के माध्यम से बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक करेंगे. शाम को अरघा हटाए जाने के बाद रात 9:00 बजे तक बाबा का विशेष श्रृंगार दर्शन कराया जाएगा. पहली सोमवारी पर उमड़ने वाली भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के भी कड़े इंतजाम किए गए हैं.

संवेदनशील जगहों पर लगातार निगरानी

रांची पुलिस ने पूरे शहर में 500 अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की तैनाती की है जबकि केवल पहाड़ी मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में 125 पुलिस अधिकारी और जवान सुरक्षा व्यवस्था संभालेंगे. मंदिर परिसर, प्रवेश और निकास मार्गों के साथ-साथ संवेदनशील स्थानों पर लगातार निगरानी रखी जाएगी.

कांवर पथ और मेन मार्गों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती

जिला प्रशासन ने नामकुम स्थित स्वर्णरेखा नदी घाट से जल लेकर आने वाले कांवरियों की सुविधा और सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान दिया है. कांवर पथ और प्रमुख मार्गों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है. वही भीड़ प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए पहाड़ी मंदिर के आसपास कई मार्गों पर वाहनों के प्रवेश पर अस्थाई रोक रहेगी और ट्रैफिक डायवर्जन की व्यवस्था लागू रहेगी ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े.

जलाभिषेक के लिए विशेष इंतजाम

रांची के अन्य प्रमुख शिवालयों में भी तैयारियां अंतिम चरण में पूरी कर ली गई हैं. चुटिया स्थित सुरेश्वर धाम और 21 महादेव धाम में श्रद्धालुओं के जलाभिषेक के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं. स्वर्णरेखा नदी घाट की व्यापक साफ-सफाई कर उसे जल उठाव के लिए पूरी तरह तैयार कर दिया गया है. घाटों पर प्रकाश, बैरिकेडिंग, पेयजल और सफाई व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है.

डीसी ने खुद लिया व्यवस्थाओं का जायजा

रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने खुद पहाड़ी मंदिर का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया. उन्होंने अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करने का निर्देश दिया. डीसी ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं. उन्होंने भरोसा दिलाया कि पहली सोमवारी के दौरान दर्शन और जलाभिषेक को लेकर किसी प्रकार की असुविधा नहीं होने दी जाएगी. श्रावण मास की पहली सोमवारी पर राजधानी रांची के प्रमुख शिवालयों में भक्ति, आस्था और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा.

जेपीएससी आंदोलन के बीच हाई वोल्टेज ड्रामा, पत्नी को नौकरी नहीं मिलने पर मोबाइल टावर पर चढ़ा युवक

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

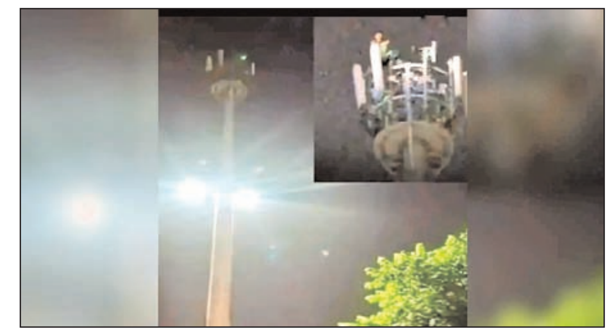

रांची। जेपीएससी की कथित अनियमितताओं को लेकर चल रहे अभ्यर्थियों के आंदोलन के बीच शनिवार देर रात राजधानी रांची में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक युवक धरनास्थल के समीप जयपाल सिंह स्टेडियम परिसर स्थित मोबाइल टावर पर चढ़ गया. घटना रात करीब एक बजे की है. युवक के टावर पर चढ़ने की सूचना मिलते ही आंदोलन स्थल पर मौजूद अभ्यर्थियों और स्थानीय लोगों में अफरा-तफरी मच गई. टावर पर चढ़े युवक की पहचान बालूमाथ निवासी हीरालाल के रूप में हुई है. युवक ने बताया कि उसकी पत्नी को नौकरी नहीं मिलने से वह लंबे समय से मानसिक रूप से परेशान है. इसी नाराजगी और हताशा में उसने मोबाइल टावर पर चढ़कर अपना विरोध दर्ज कराया. उसने सरकारी व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए अपनी बात सुने जाने की मांग की.

घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए. सूचना मिलने पर कोतवाली थाना की पुलिस भी तत्काल घटनास्थल पहुंची और पूरे इलाके की घेराबंदी कर बचाव अभियान शुरू किया. पुलिस अधिकारियों ने युवक से लगातार बातचीत कर उसे शांत करने और सुरक्षित नीचे उतरने की अपील की. देर रात तक पुलिस और स्थानीय लोग युवक को समझाने का प्रयास करते रहे, लेकिन वह अपनी मांगों पर अड़ा रहा. किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए मौके पर सुरक्षा के अतिरिक्त इंतजाम किए गए. पुलिस लगातार बातचीत के जरिए युवक को सुरक्षित नीचे उतारने की कोशिश करती रही. आखिरकार सुबह करीब पांच बजे युवक मोबाइल टावर से नीचे उतरा. इसके बाद पुलिस ने राहत की सांस ली. यह घटना ऐसे समय हुई है, जब जेपीएससी परीक्षा में कथित गड़बड़ी को लेकर अभ्यर्थियों का आंदोलन लगातार जारी है और राज्य सरकार से निष्पक्ष जांच तथा कार्रवाई की मांग की जा रही है. युवक के टावर पर चढ़ने की घटना ने आंदोलन के बीच तनाव का माहौल पैदा कर दिया.

शिव शिष्य परिवार के तत्त्वावधान में शिव शिष्यता की पृष्ठभूमि, व्याप्ति एवं प्रयोजन का हुआ समापन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। विषयक दो दिवसीय कार्यशाला अग्रसेन भवन राँची में आयोजित की गई। विगत दो दिनों से चल रही कार्यशाला का आज बहुत ही शांतिपूर्ण माहौल में समापन हुआ। भारत वर्ष के विभिन्न राज्यों से आये शिवशिष्य /शिष्याओं को संबोधित करते हुए साहब श्री हरीन्द्रानंद जी का संदेश आओ चलें शिव की ओर, श्रीमती बरखा आनंद ने कहा कि आज से 8 वर्ष पूर्व साहब लगभग चार सौ शिष्यों को संबोधित कर रहे थे।थोड़ी देर के बाद उन्होंने उपस्थित लोगों से पूछा कि किसी को कुछ पूछना है कोई उत्तर नहीं मिलने पर वो चलने को तैयार हुए तभी एक मर्मभेदी वाक्य उनके मन में कौंधा और उन्होंने कहा मुझे कुछ कहना है। और उन्होंने कहा ₹आओ चलें शिव की ओर₹ वे कहते थे कि यह मेरा कथन नहीं था अपितु सुदूर वन प्रांतरों से आती हुई एक आवाज थी एक दर्द था। यह सृष्टि के शून्याकाश से आती हुई एक मद्धिम ,मधुर ध्वनि तरंगें हैं। श्रीमती आनंद ने कहा कि देश, समाज परिवार की मयार्दाओं को सुदृढ़ करते हुए भगवान शिव की ओर चलना और चलते ही रहना है। गुरु ,सदगुरु एवं जगत गुरु विषय पर अर्चित आनन्द ने कहा कि गुरु का शाब्दिक अर्थ अंधकार को दूर करने वाला मना गया है। मनुष्य के अंदर छाए गहन अंधकार को मिटाने की जो जवाबदेही ले उसे गुरु कहते हैं। गुरु शिष्य के मन में साधना ,जप आदि विभिन्न विधियों द्वारा शिव भाव का आवेश जागते हैं। जबकि सदगुरु मात्र अपनी दया से ही शिष्य के मन में परमात्म प्रेम का अंकुरण कर देते हैं। सदगुरु की दया ही शिष्य को शिव बनाती है। जगत गुरु को तो सभी सदगुरुओं का गुरु कहा गया है। जगत गुरु के शाब्दिक अर्थ से ही स्पष्ट है कि इस संसार का कोई भी व्यक्ति उन्हें अपना गुरु मानेगा तो उन्हें उस व्यक्ति को शिव बनाने की जवाबदेही लेनी ही होगी। वहीं शिष्यानुभूति एक प्रकाश स्तंभ पर बोलते हुए शिव शिष्य परिवार के सचिव अभिनव आनन्द ने कहा कि जागतिक रौशनी लोगों को रास्ता दिखाने के लिए होती है जबकि आध्यात्मिक रौशनी लोगों को शिव तक पहुँचाती है। आभार एवं समापन गौतम कुमार ने किया।

एनजीटी की रोक के बाद भी धड़ल्ले से हो रही बालू ढुलाई, नेता प्रतिपक्ष ने सीएम से की हस्तक्षेप की मांग

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। झारखंड में कथित अवैध बालू कारोबार को लेकर नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है. उन्होंने सवाल उठाया है कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण यानी एनजीटी की रोक के बावजूद आखिर किसके संरक्षण में नदियों से बालू का उठाव और उसका परिवहन जारी है. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी टैग किया और पूरे मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की. उन्होंने कहा कि मॉनसून के दौरान बालू उठाव पर प्रतिबंध होने के बावजूद रांची समेत कई जिलों में बिना नंबर प्लेट और बिना वैध दस्तावेजों के बालू लदे ट्रक खुलेआम सड़कों पर दौड़ रहे हैं. बाबूलाल मरांडी ने सवाल किया कि जब ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर आम लोगों की बाइक और कार का कैमरों के जरिए चालान काटा जा सकता है, तो बिना नंबर प्लेट चल रहे बालू ढोने वाले ट्रकों पर कार्रवाई क्यों नहीं होती. उन्होंने पूछा कि क्या कानून सिर्फ आम नागरिकों के लिए ही लागू होता है. नेता प्रतिपक्ष ने यह भी कहा कि अवैध बालू खनन से नदियों की प्राकृतिक संरचना प्रभावित होती है, भूजल स्तर पर असर पड़ता है और पर्यावरण को लंबे समय तक नुकसान पहुंच सकता है. उन्होंने आरोप लगाया कि इस तरह की गतिविधियों से राज्य सरकार को राजस्व का भी नुकसान हो रहा है. बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से अवैध बालू खनन और परिवहन पर प्रभावी कार्रवाई करने की मांग करते हुए कहा कि इससे न केवल पर्यावरण और नदियों की सुरक्षा होगी, बल्कि सरकारी राजस्व की भी रक्षा हो सकेगी.

रांची रेल मंडल में बनेगा हाईटेक कंट्रोल सेंटर, एक क्लिक पर होगी ट्रेनों की निगरानी

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। रांची रेल मंडल जल्द ही अत्याधुनिक तकनीक से लैस केंद्रीकृत कंट्रोल सेंटर की सुविधा से जुड़ने जा रहा है. रेल परिचालन को अधिक सुरक्षित, तेज और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से मंडल मुख्यालय स्थित डीआरएम कार्यालय परिसर में करीब 6 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक सेंट्रलाइज कंट्रोल रूम का निर्माण किया जाएगा. यह कंट्रोल सेंटर शुरू होने के बाद मंडल में चलने वाली सभी ट्रेनों की गतिविधियों की निगरानी एक ही स्थान से की जा सकेगी. प्रस्तावित कंट्रोल रूम में विशाल वीडियो वॉल, डिजिटल मॉनिटर और आधुनिक संचार प्रणाली स्थापित की जाएगी. इन स्क्रीन पर ट्रेनों की वास्तविक समय (रियल टाइम) स्थिति, गति, समयपालन, सिग्नलिंग और परिचालन संबंधी सभी महत्वपूर्ण जानकारियां लगातार उपलब्ध रहेंगी। इससे किसी भी तकनीकी खराबी, परिचालन बाधा या ट्रेन के विलंब की स्थिति में अधिकारी तत्काल निर्णय लेकर आवश्यक कार्रवाई कर सकेंगे. नई प्रणाली को जीपीएस, सिग्नलिंग नेटवर्क और रेलवे कंट्रोल सिस्टम से जोड़ा जाएगा. इसके माध्यम से कंट्रोलर प्रत्येक ट्रेन की लोकेशन, गति और परिचालन की स्थिति पर लगातार नजर रखेंगे। आवश्यकता के अनुसार ट्रेनों की प्राथमिकता तय करने, क्रॉसिंग की योजना बनाने तथा परिचालन को सुचारु बनाए रखने का कार्य भी इसी केंद्र से किया जाएगा.

रेलवे के स्टेशन मास्टर, लोको पायलट, गार्ड, सिग्नल एवं इंजीनियरिंग शाखा सहित अन्य विभागों के बीच समन्वय भी इसी कंट्रोल सेंटर के माध्यम से होगा. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या या आपात सूचना तुरंत कंट्रोल रूम तक पहुंचेगी, जिसके बाद संबंधित टीम को तत्काल मौके पर भेजा जा सकेगा. इस परियोजना में ओवरहेड इलेक्ट्रिक लाइन, रेलवे ट्रैक और सिग्नलिंग व्यवस्था की निगरानी के लिए भी विशेष तकनीकी व्यवस्था की जाएगी. इसके अलावा एक आधुनिक डिजास्टर कंट्रोल सेंटर भी स्थापित होगा, जो रेल दुर्घटना, प्राकृतिक आपदा या अन्य आपातकालीन परिस्थितियों में राहत एवं बचाव कार्यों का मुख्य संचालन केंद्र बनेगा. यहां से मेडिकल, इंजीनियरिंग, रेलवे सुरक्षा बल और अन्य विभागों के बीच त्वरित समन्वय स्थापित किया जाएगा.

झारखंड हाईकोर्ट में 61 लॉ ऑफिसर्स की होगी नियुक्ति, 11 अगस्त तक ईमेल से करें आवेदन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। झारखंड सरकार के विधि विभाग ने झारखंड हाईकोर्ट में महाधिवक्ता कार्यालय के लिए 61 लॉ ऑफिसर्स की नियुक्ति का नोटिफिकेशन जारी किया है. यह भर्ती झारखंड लॉ ऑफिसर (एंगेजमेंट) रूल्स, 2026 के तहत की जाएगी. इच्छुक और योग्य उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन मांगे गए हैं. जारी अधिसूचना के अनुसार कुल 61 पदों पर नियुक्ति होगी. इनमें 1 सीनियर एडिशनल एडवोकेट जनरल, 3 एडिशनल एडवोकेट जनरल, 2 स्टैंडिंग काउंसिल, 5 गवर्नमेंट प्लीडर, 40 गवर्नमेंट एडवोकेट और 10 लॉ रिसर्च ऑफिसर के पद शामिल हैं. उम्मीदवारों को आवेदन निर्धारित प्रारूप में भरकर सभी जरूरी दस्तावेजों की सेल्फ अटेस्टेड पीडीएफ कॉपी के साथ केवल ईमेल के माध्यम से भेजना होगा. आवेदन भेजने की ईमेल आईडी lawofficerapt@jharkhandmail.gov.in है. विभाग ने साफ कहा है कि ऑफलाइन या डाक से भेजे गए आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे. आवेदन भेजने की अंतिम तिथि 11 अगस्त 2026 तय की गई है. इसके बाद मिलने वाले आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा. विभाग के अनुसार उम्मीदवार एक से अधिक पदों के लिए आवेदन कर सकते हैं. हालांकि चयन होने पर नियुक्ति केवल एक ही पद पर दी जाएगी. अधिसूचना में यह भी कहा गया है कि आवेदन में गलत जानकारी देने पर उम्मीदवार को अयोग्य घोषित किया जा सकता है. आवेदन के साथ पिछले पांच वर्षों के कार्य अनुभव और 25 नवीनतम मामलों में दिए गए निर्णयों से जुड़े दस्तावेज भी जमा करने होंगे.

जेपीएससी मामले में बीजेपी को सवाल उठाने का नैतिक अधिकार नहीं : जेएमएम

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। जेपीएससी में कथित गड़बड़ी को लेकर चल रहे विवाद के बीच झारखंड मुक्ति मोर्चा ने भाजपा पर पलटवार किया है. पार्टी के महासचिव और प्रवक्ता विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि भाजपा को हेमंत सरकार पर सवाल उठाने का नैतिक अधिकार नहीं है. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन राज्य के युवाओं के साथ न्याय करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं, और किसी भी छात्र के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा. विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि जेपीएससी मामले की शिकायत मिलते ही मुख्यमंत्री ने तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए. सरकार ने एफआईआर दर्ज कराई, जांच एजेंसी को जेपीएससी कार्यालय भेजा गया और चेयरमैन समेत कई अधिकारियों से पूछताछ की जा रही है. उन्होंने कहा कि अब तक कई लोगों की गिरफ्तारी भी हो चुकी है. इससे साफ है कि सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है. उन्होंने कहा कि सरकार केवल कार्रवाई ही नहीं कर रही, बल्कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच भी करा रही है. जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई होगी. विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि हेमंत सरकार युवा, किसान, मजदूर, महिला, दलित, आदिवासी, मूलवासी और अल्पसंख्यक सभी वर्गों के साथ न्याय करने वाली सरकार है. सरकार की कोशिश है कि हर भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष हो. उन्होंने दावा किया कि हाल की भर्तियों में गरीब और जरूरतमंद परिवारों के युवाओं को भी सरकारी नौकरी का अवसर मिला है. उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि उसके शासनकाल में भी जेपीएससी परीक्षाएं लगातार विवादों में रही हैं. उन्होंने कहा कि राज्य गठन के बाद पहली संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा से लेकर बाद की कई परीक्षाओं में मूल्यांकन, उत्तर पुस्तिकाओं में कथित गड़बड़ी और चयन प्रक्रिया को लेकर सवाल उठे थे. कई मामलों की जांच केंद्रीय एजेंसियों तक पहुंची और लंबी कानूनी प्रक्रिया चली.

उन्होंने कहा कि अर्जुन मुंडा सरकार के समय भी जेपीएससी परीक्षाओं में कॉपियों में कथित हेरफेर, नंबर बढ़ाने, भाई-भतीजावाद और चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठे थे. वहीं रघुवर दास सरकार के दौरान नियमित परीक्षा कैलेंडर लागू नहीं हो सका. भर्तियों में देरी, नियमों को लेकर विवाद और परिणाम जारी होने में विलंब के कारण हजारों युवाओं को लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा. विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि भाजपा आज युवाओं की हितैषी बनने का दिखावा कर रही है, जबकि उसके शासनकाल में भी भर्ती प्रक्रियाओं को लेकर कई विवाद हुए थे. उन्होंने कहा कि जो पार्टी अपने कार्यकाल का जवाब नहीं दे सकी, वह आज पारदर्शिता पर सवाल नहीं उठा सकती. उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार का संकल्प है कि राज्य के युवाओं का भविष्य सुरक्षित रहे, सभी भर्ती प्रक्रियाएं निष्पक्ष और मेरिट के आधार पर हों तथा किसी भी दोषी को कानून से बचने का मौका नहीं मिले.

रांची के टांगरा बसली सड़क पर 63.77 करोड़ होंगे खर्च, 11.5 किमी सड़क का होगा कायाकल्प

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। झारखंड सरकार ने रांची जिले में सड़क सुविधा बेहतर करने के लिए बड़ा फैसला लिया है. टांगरा बसली मोड़ से बोबरो मोड़ तक 11.576 किलोमीटर लंबी सड़क के चौड़ीकरण, मजबूतीकरण और पुनर्निर्माण के लिए 63.77 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है. यह सड़क टांगरा बसली मोड़ से परयागो, बिसहाखटंगा और डुमरी होते हुए बोबरो मोड़ तक जाएगी. यह सड़क पहले ग्रामीण कार्य विभाग के अधीन थी, जिसे अब पथ निर्माण विभाग को सौंप दिया गया है. सरकार ने इस परियोजना के लिए 63 करोड़ 77 लाख 13 हजार 300 रुपये मंजूर किए हैं. इस राशि से सड़क निर्माण के साथ भू-अर्जन, यूटिलिटी शिफ्टिंग, पुनर्वास और वृक्षारोपण का काम भी किया जाएगा. इस योजना को राज्य कैबिनेट से भी मंजूरी मिल चुकी है. निर्माण कार्य दो चरणों में पूरा होगा. वित्तीय वर्ष 2026-27 में 44.50 करोड़ रुपये खर्च कर 70 प्रतिशत काम पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है. इसके बाद वित्तीय वर्ष 2027-28 में 19.27 करोड़ रुपये खर्च कर बाकी 30 प्रतिशत काम पूरा किया जाएगा. पथ निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता हर महीने इस परियोजना की प्रगति की समीक्षा करेंगे, ताकि काम तय समय पर और अच्छी गुणवत्ता के साथ पूरा हो सके. सरकार का मानना है कि सड़क बनने के बाद इस इलाके में लोगों की आवाजाही आसान होगी और आसपास के गांवों की कनेक्टिविटी भी बेहतर होगी.

30 अगस्त को रांची में होगी आदिवासी एकता महाजुटान रैली! प्रस्तावित परिसीमन से आदिवासी आरक्षित सीटें घटने की आशंका : बंधु तिर्की

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। आदिवासी समाज झारखंड के बैनर तले 30 अगस्त को रांची के मोरहाबादी मैदान में 'आदिवासी एकता महाजुटान रैली' आयोजित होगी. दरअसल, लोकसभा और विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के प्रस्तावित परिसीमन से आदिवासी आरक्षित सीट घटने की आशंका है, साथ ही आदिवासियों की समस्याओं के समाधान के लिए भी रैली का आयोजन किया जा रहा है. रैली की तैयारी को लेकर रविवार को झारखंड के पूर्व मंत्री बंधु तिर्की के आवास पर समीक्षा बैठक की. मीटिंग में बंधु तिर्की के अलावा पूर्व मेयर रमा खलखो, सामाजिक कार्यकर्ता दयामनी बारला समेत 10 जिलों के जनजातीय संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया.

रैली को लेकर बांटी गई जिम्मेदारियां

मीटिंग के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए बंधु तिर्की ने बताया कि 30 अगस्त को प्रस्तावित 'आदिवासी एकता महजुटान रैली' की तैयारियों को लेकर जिम्मेदारियां बांट दी गई है. हर जिले में 'महाजुटान रैली' के प्रचार प्रसार के लिए संयोजक, उप संयोजक की नियुक्ति की गई है और खुद भी जल्द सभी जिलों का दौरा करेंगे.

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से करेंगे मुलाकात: बंधु तिर्की

संवाददाता सम्मेलन के दौरान बंधु तिर्की ने कहा कि पिछली बार भी परिसीमन के समय झारखंड में आदिवासी आरक्षित सीट घटाए जाने की योजना थीं लेकिन तब झारखंड की ओर से जोरदार विरोध के बाद डॉ. मनमोहन सिंह सरकार ने विशेष परिस्थिति का हवाला देकर झारखंड में परिसीमन टाल दिया था. बंधु तिर्की ने बताया कि एक बार फिर परिसीमन होने जा रहा है, ऐसे में हमें सजग रहना होगा ताकि अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित लोकसभा और विधानसभा की सीटें नहीं घटे.

राहुल गांधी से मिलेंगे झारखंड कांग्रेस के नेता

पूर्व मंत्री शिक्षा मंत्री ने कहा कि झारखंड का जनजातीय समुदाय, लोकसभा और विधानसभा में अपनी राजनीतिक हिस्सेदारी कम होने नहीं देगा. यदि इसकी कोशिश हुई तो जोरदार आंदोलन किया जाएगा. परिसीमन से जुड़ी राज्य की आदिवासी जनता की तमाम आशंकाओं से अवगत कराने के लिए वह जल्द लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात भी करेंगे.

परीक्षाओं में गड़बड़ी न हो, इसलिए सीएम से मिलेगा कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल: पूर्व मंत्री

वहीं जेपीएससी गड़बड़ी मामले में आंदोलित छात्र-छात्राओं से अपना आंदोलन समाप्त करने का आग्रह करते हुए बंधु तिर्की ने कहा कि इस तरह की घटनाओं से राज्य की 'बदनामी' होती है. दरअसल, बीती रात ही एक युवक टॉवर पर चढ़ गया था, उन्होंने कहा कि छात्रों के आंदोलन में कोई अप्रिय घटना न हो, इसका ख्याल रखा जाना चाहिए.

बुंडू में बनेगा राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, चारदीवारी निर्माण कार्य का हुआ शिलान्यास

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बुंडू। रांची जिले के बुंडू प्रखंड के जामटोली में प्रस्तावित राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज के परिसर की चारदीवारी, मुख्य प्रवेश द्वार एवं गार्ड रूम निर्माण कार्य का शिलान्यास रविवार को स्थानीय विधायक विकास कुमार मुंडा ने किया। यह परियोजना उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित की जा रही है। शिलान्यास के अवसर पर विधायक ने कहा कि बुंडू में अब तक कोई राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज नहीं था। पहली बार इस महत्वपूर्ण संस्थान की स्थापना की दिशा में कार्य शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि कॉलेज भवन निर्माण से पहले परिसर की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चारदीवारी, मुख्य प्रवेश द्वार और गार्ड रूम का निर्माण कराया जा रहा है। यह परियोजना क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए तकनीकी शिक्षा के नए अवसर उपलब्ध कराएगी और बुंडू को शिक्षा के क्षेत्र में नई पहचान दिलाएगी। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के कार्यपालक अभियंता सुनील कुमार ने बताया कि लगभग 13 एकड़ भूमि पर विकसित होने वाली इस परियोजना के तहत 1500 मीटर लंबी चारदीवारी, मुख्य प्रवेश द्वार एवं गार्ड रूम का निर्माण किया जाएगा। योजना की प्रशासनिक एवं तकनीकी स्वीकृति 2 करोड़ 16 लाख 54 हजार 100 रुपये की है, जबकि एग्रीमेंट वैल्यू 1 करोड़ 54 लाख 1 हजार 926 रुपये निर्धारित की गई है। निर्माण कार्य की अवधि छह माह तय की गई है। उन्होंने बताया कि परियोजना की कार्यान्वयन एजेंसी झारखंड स्टेट बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कॉरपोरेशन लिमिटेड है, जबकि निर्माण कार्य एम/एस इंडियाज कंस्ट्रक्शन एंड कंसल्टेंट द्वारा किया जाएगा। बुंडू में पहली बार राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज की स्थापना की पहल से क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। विद्यार्थियों और अभिभावकों का कहना है कि कॉलेज शुरू होने के बाद बुंडू एवं आसपास के छात्रों को तकनीकी शिक्षा के लिए दूर-दराज के शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा.

राजमहल के सूर्य देव घाट पर श्रद्धा का संगम, हजारों कांवरियों ने भरा गंगाजल

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

त्तरवाहिनी गंगा तट पर उमड़ा आस्था का सैलाब, शिवगादी धाम के लिए रवाना हुए हजारों कांवरिये

राजमहल/साहिबगंज ।बांग्ला पंचांग के अनुसार तीसरे और हिंदी पंचांग के अनुसार प्रथम सोमवारी को लेकर राजमहल के उत्तरवाहिनी गंगा तट स्थित सूर्य देव घाट परिसर में रविवार को आस्था और भक्ति के रंग में डूबा नजर आया ।शनिवार देर रात से ही यहां श्रद्धालु और कांवरियों की भीड़ उमड़ने लगी थी। पश्चिम बंगाल के मालदा जिला सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पहुंचे महिला-पुरुष कांवरिया शिव भक्ति में लीन नजर आए। भगवा वस्त्रों में सजे कांवरियों की कतार, गूंजते शिव जयकारे और सेवा में जुटे समिति के कार्यकताओं के कारण उत्तरवाहिनी गंगा तट का पूरा क्षेत्र भक्तिमय बना रहा। आस्था, भक्ति और सेवा के इस संगम ने राजमहल में श्रावणी उत्सव की भव्यता को और बढ़ा दिया। भक्ति गीतों और शिव भजनों की मधुर धुन पर कांवरिया देर रात तक झूमते रहे। पूरा घाट परिसर बोल बम और हर-हर महादेव के जयघोष से भक्तिमय बना रहा। रविवार की अहले सुबह श्रद्धालुओं ने पवित्र उत्तरवाहिनी गंगा में स्नान कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इसके बाद भगवान शिव को जल अर्पित करने का संकल्प लेकर कांवरियों ने कांवर में गंगाजल भरा और पैदल यात्रा पर निकल पड़े। हजारों श्रद्धालु राजमहल से गंगाजल लेकर बरहेट के पहाड़ों की तलहटी में स्थित शिवगादी धाम (शिव गढ़ी) जिसे झारखंड का 'मिनी बाबाधाम' कहा जाता है।

शिवगादी धाम का महत्व

यहां पीताम्बरी शिवलिंग श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। मान्यता है कि शिवलिंग के ऊपर स्थित चट्टानों से सालों भर प्राकृतिक रूप से जल की बूंदें गिरती रहती हैं, जिससे शिवलिंग का निरंतर जलाभिषेक होता रहता है। कांवरियो की सेवा के उद्देश्य से सूर्य देव घाट परिसर में छठ पूजा समिति की ओर से खिचड़ी महाभोग का भव्य आयोजन किया गया। हजारों कांवरियों एवं श्रद्धालुओं ने प्रसाद स्वरूप महाभोग ग्रहण किया। समिति के पदाधिकारी और कार्यकर्ता पूरे आयोजन के दौरान कांवरियों की सेवा, महाभोग वितरण, पेयजल और अन्य व्यवस्थाओं में जुटे रहे।

कोटालपोखर - तिलभिट्ठा रेलखंड पर ट्रेन की चपेट में आने से अज्ञात व्यक्ति की मौत, पहचान की पुष्टि में जुटी पुलिस

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बरहरवा/साहिबगंज ।हावड़ा रेल मंडल के कोटालपोखर - तिलभिट्ठा रेलवे ट्रैक पर रविवार को एक दर्दनाक हादसे में ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। घटना पोल संख्या 161/30 के समीप हुई, जिससे क्षेत्र में कुछ समय के लिए अफरा - तफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची तथा शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पाकुड़ आरपीएफ इंस्पेक्टर कुलदीप यादव ने बताया कि सूचना मिलते ही आरपीएफ टीम को घटनास्थल पर भेजा गया। शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है और मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान पश्चिम बंगाल के बगदाबरा निवासी अशोक कुमार के रूप में बताई जा रही है। हालांकि, आरपीएफ और स्थानीय प्रशासन की ओर से अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। पुलिस मृतक की शिनाख्त सुनिश्चित करने और परिजनों से संपर्क स्थापित करने का प्रयास कर रही है। पुलिस ने बताया कि पहचान की औपचारिक पुष्टि और जांच पूरी होने के बाद ही घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

तीनपहाड़ पुलिस ने गैर जमानती वारंटी को किया गिरफ्तार, भेजा न्यायिक हिरासत में

तीनपहाड़/साहिबगंज। तीनपहाड़ थाना पुलिस ने समकालीन अभियान के तहत एक गैर जमानती वारंटी को गिरफ्तार किया है ।थाना प्रभारी ने बताया कि माननीय न्यायालय, राजमहल द्वारा निर्गत जी.आर. संख्या 752/15 के गैर जमानती वारंट के आधार पर कार्रवाई की गई। इस दौरान पुलिस ने बड़ा दुगार्पुर निवासी मोतीलाल ठाकुर उर्फ मोतिया को विधिवत गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है ।पुलिस ने कहा कि जिले में लंबे समय से लंबित वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए समकालीन अभियान लगातार चलाया जा रहा है।

राधानगर पुलिस ने तीन अलग-अलग जगहों में छापेमारी कर 3 आरोपी को भेजा जेल

उधवा/साहिबगंज। राधानगर थाना पुलिस ने अलग-अलग मामलों में तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर रविवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने बताया कि थाना क्षेत्र के खसपुरा गांव में छापेमारी अभियान चलाया गया। जहां कांड संख्या 275/26 के प्राथमिकी अभियुक्त इसराइल शेख को विधिवत गिरफ्तार किया गया। उसके विरुद्ध बीएनएस की धारा 126(2), 115(2), 109(1) एवं 85 के तहत मामला दर्ज है। इसके अलावा जीआर-473/22 के तहत निर्गत गैर-जमानती वारंट के आलोक में पुलिस ने दो वारंटियों निमाई मंडल, तथा प्रतिमा देवी दोनों को मनिहारी टोला कटहलबाड़ी से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए तीनों अभियुक्त को न्यायालय में प्रस्तुत करने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

एक महिला कांवड़िया रहस्यमय ढंग से अचानक लापता, खोजबीन जारी

उधवा/साहिबगंज ।राधानगर थाना क्षेत्र के एक महिला कांवड़िया रहस्यमय ढंग से अचानक लापता हो गई है। जानकारी के अनुसार राधानगर थाना क्षेत्र के चांदशहर गांव निवासी सुबोल रविदास की पत्नी प्रमिला रविदास बीते बुधवार को गांव के करीब नौ अन्य श्रद्धालुओं के साथ देवघर में बाबा बैद्यनाथ पर जलार्पण करने के लिए घर से रवाना हुई थीं। सभी श्रद्धालु पहले ऑटो से तीनपहाड़ पहुंचे, जहां से ट्रेन के माध्यम से बिहार के सुल्तानगंज पहुंचे। सुल्तानगंज में उत्तरवाहिनी गंगा से पवित्र जल भरने के बाद पूरा जत्था पैदल देवघर के लिए रवाना हुआ। बताया गया कि बाबा बैद्यनाथ मंदिर में सफलतापूर्वक जलार्पण करने के बाद अचानक प्रमिला रविदास अपने साथियों से बिछड़ गईं। काफी देर तक उनके वापस नहीं आने पर साथियों ने मंदिर परिसर एवं आसपास के इलाकों में काफी खोजबीन की, लेकिन उनका कहीं कोई पता नहीं चल सका। महिला का कोई सुराग नहीं मिलने पर साथ गए श्रद्धालुओं ने तत्काल देवघर स्थित सहायता केंद्र में पहुंचकर उनके लापता होने की सूचना दर्ज कराई। इसके बाद घटना की जानकारी परिजनों को भी दी गई। सूचना मिलते ही परिवार के सदस्यों की चिंता बढ़ गई है और वे लगातार महिला की तलाश में जुटे हुए हैं। परिजनों ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी को प्रमिला रविदास के संबंध में कोई भी जानकारी मिले या वे सुरक्षित मिलें, तो तत्काल मोबाइल नंबर 9693515843 अथवा 7542922781 पर सूचना दें। परिजनों ने बताया कि सही सूचना देकर महिला को सुरक्षित घर पहुंचाने वाले व्यक्ति को उचित इनाम दिया जाएगा।

बाबूपुर फाटक के पास मिट्टी लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली टूटी, बड़ा हादसा टला

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

तीनपहाड़/साहिबगंज। मालदा रेल मंडल अंतर्गत तीनपहाड़ जंक्शन के बाबूपुर फाटक के समीप रविवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब मिट्टी से लदी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली अचानक बीच रास्ते में टूट गई। गनीमत रही कि समय रहते स्थानीय लोगों की सतर्कता से एक बड़ा हादसा टल गया ।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रॉली में क्षमता से अधिक मिट्टी लदी हुई थी। इसी वजह से ट्रॉली टूट गई और कुछ देर के लिए सड़क पर आवागमन बाधित हो गया ।घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। लोगों ने जेसीबी मशीन की मदद से टूटी हुई ट्रॉली को सड़क से हटाया। इसके बाद यातायात सामान्य हो सका ।स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि उस समय फाटक के आसपास अधिक भीड़ या अन्य वाहन गुजर रहे होते, तो बड़ा हादसा हो सकता था। उन्होंने प्रशासन से ओवरलोड वाहनों पर कार्रवाई और फाटक के पास सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने की मांग की है।

4 अगस्त की श्रद्धांजलि सभा को लेकर झामुमो नगर कमेटी की बैठक, बस से साहेबगंज जाएंगे सैकड़ों कार्यकर्ता

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बरहरवा/साहिबगंज। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नगर कमेटी की बैठक रविवार को पूर्व केंद्रीय समिति सदस्य शक्तिनाथ अमन के आवासीय कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष धर्मवीर कुमार महतो ने की। बैठक में मुख्य रूप से 4 अगस्त को दिशोम गुरु स्वर्गीय शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि पर साहेबगंज के सिदो - कान्हू स्टेडियम में आयोजित होने वाली श्रद्धांजलि सभा में अधिक से अधिक कार्यकताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने पर चर्चा हुई। इस दौरान निर्णय लिया गया कि नगर कमेटी के सैकड़ों कार्यकर्ता बस से सड़क मार्ग के जरिए झंडा - बैनर तथा ढोल - नगाड़ों के साथ साहेबगंज पहुंचेंगे। बैठक में संगठन को और अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाने पर भी विचार - विमर्श किया गया। निर्णय लिया गया कि लंबे समय से निष्क्रिय चल रहे पदाधिकारियों और कार्यकताओं को पदमुक्त कर नए एवं सक्रिय लोगों को नगर समिति में शामिल किया जाएगा। साथ ही नगर अध्यक्ष एवं सचिव को शीघ्र झामुमो नगर कार्यालय खोलने की दिशा में आवश्यक पहल करने की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में मोहम्मद इकबाल हुसैन, दिनेश सेन, शकील परवेज, बम-बम महतो, धर्मेंद्र शाह, नीलकंठ शाह, शुभाशीष कुमार, नीरज महतो, वरुण मंडल, विकास रजक, छोटू कुमार शाह, मंगल शर्मा, सूरज सिंह, सुशील कुमार, मुन्ना साव, उज्ज्वल दास, हरेंद्र शाह, विक्रम मंडल, मुकेश कुमार, सोनू कुमार, परिवर्तन साह सहित बड़ी संख्या में झामुमो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

तीनपहाड़ थाना में चहल्लुम को लेकर शांति समिति की बैठक, अफवाहों से बचने की अपील

तीनपहाड़/साहिबगंज। तीनपहाड़ में चहल्लुम पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने को लेकर रविवार को तीनपहाड़ थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता राजमहल इंस्पेक्टर राजीव रंजन ने की। बैठक में जुलूस, ताजिया और अखाड़ा निकाले जाने के समय और रूट की जानकारी ली गई ।इंस्पेक्टर राजीव रंजन ने कहा कि तीनपहाड़ में 6 अगस्त को चहल्लुम मनाया जाएगा। उन्होंने लोगों से आपसी भाईचारे और सभी धर्मों का सम्मान करते हुए पर्व मनाने की अपील की। साथ ही प्रशासन के निदेशों का पालन करने को कहा पुलिस प्रशासन ने लोगों से अफवाहों से बचने और सोशल मीडिया पर किसी भी तरह की आपत्तिजनक पोस्ट या गतिविधि से दूर रहने की भी अपील की ।बैठक में थाना प्रभारी मृत्युंजय कुमार पांडेय समेत पुलिस पदाधिकारी और शांति समिति के दर्जनों सदस्य मौजूद रहे।

राधानगर पुलिस की बड़ी कार्रवाई 1.90 ग्राम एमडीएमए के साथ एक युवक गिरफ्तार,भेजा जेल

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

उधवा/साहिबगंज ।राधानगर थाना पुलिस को नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। राधानगर थाना पुलिस ने बड़ा अकुनबन्ना ओवरब्रिज के समीप छापेमारी अभियान चलाकर एक युवक को मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक 1.90 ग्राम एमडीएमए के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान थाना क्षेत्र के दक्षिण पलाशगाछी पंचायत अंतर्गत निमाई टोला निवासी अबु समा उर्फ गणेश शेख के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है। थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि अकुनबन्ना गांव के समीप एक युवक प्रतिबंधित मादक पदार्थ एमडीएमए की खरीद-बिक्री कर रहा है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने मौके पर छापेमारी कर संदिग्ध युवक को हिरासत में लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से 1.90 ग्राम एमडीएमए बरामद किया गया। इसके बाद आरोपी को थाना लाकर मादक पदार्थ के स्रोत से जुड़े गहन पूछताछ की गई। थाना प्रभारी के लिखित बयान पर राधानगर थाना कांड संख्या 277/26 के तहत एनडीपीएस अधिनियम, 1985 की धारा 21 एवं 27 में प्राथमिकी दर्ज की गई। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। गौरतलब है कि राधानगर थाना पुलिस इससे पूर्व भी एमडीएमए तस्करी से जुड़े कई मामलों का खुलासा करते हुए अनेक आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि थाना क्षेत्रों में एमडीएमए सहित कई नशीले पदार्थों का अवैध कारोबार युवाओं के भविष्य को बर्बाद कर रही है। हालांकि पुलिस का कहना है मादक पदार्थों के कारोबार में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा तथा आगे भी अभियान लगातार जारी रहेगा। छापेमारी अभियान में अंचलाधिकारी आशीष कुमार मंडल,थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज,सब इंस्पेक्टर संग्राम सिंह सोय के साथ राधानगर थाना के अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं जवान शामिल थे।

तीनपहाड़ में रेल समस्याओं को लेकर संघर्ष समिति की हुई बैठक, मांगें नहीं मानीं तो होगा उग्र आंदोलन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

तीनपहाड़/साहिबगंज। तीनपहाड़ क्षेत्रीय विकास संघर्ष समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को बाबूपाड़ा स्थित विवाह भवन में आयोजित की गई। बैठक में तीनपहाड़ क्षेत्र की लंबित रेल समस्याओं पर चर्चा की गई और मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी गई। समिति के सदस्यों ने रेलवे अधिकारियों पर रोष जताते हुए कहा कि बीते माह तीनपहाड़ में धरना प्रदर्शन के बाद स्थानीय विधायक के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल मालदा मंडल के डीआरएम एवं अन्य अधिकारियों से उनके कार्यालय में मिला था। उस दौरान तीनपहाड़ अंडरपास का जल्द निरीक्षण कराने और कई ट्रेनों के ठहराव सहित विभिन्न मांगों को लेकर अधिकारियों ने सकारात्मक भरोसा दिया था ।लेकिन एक महीने से अधिक समय बीत जाने के बाद भी एक भी मांग पूरी नहीं की गई है ।बैठक में आगे की रणनीति तय की गई। तय हुआ कि अब स्थानीय विधायक के नेतृत्व में रेलवे अधिकारियों से अब तक मांगों की प्रगति की जानकारी ली जाएगी। समिति ने कहा कि यदि मांगे शीघ्र पूरी नहीं की जाती हैं, तो संघर्ष समिति भूख हड़ताल से लेकर उग्र आंदोलन करेगी ।बैठक में जिप सदस्य रणधीर सिंह, अनिल सरकार, नाजिम लड्डू, मुर्शिद राजा, अमरेंद्र सिंह, रामजन्म सिंह, आफताब, उत्तम महतो, मो. वकार, संजय महतो, अभय सिंह, आकाश टींकू, संजय चौधरी, हरि मंडल सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

छाई डैम विस्थापित ग्रामीणों ने लिया बड़ा फैसला

05 अगस्त को एश माउंट निर्माण कार्य बंद और डैम का गेट जाम करेंगे

पतरातू: छाई डैम से विस्थापित/प्रभावित चारों गाँवों (रसदा, बलकुदरा जयनगर और गेगदा)के ग्रामीणों ने रविवार को एक बैठक कर बड़ा निर्णय लिया। बैठक की अध्यक्षता मुखिया विजय मुंडा ने की एवं संचालन हरि प्रसाद सिंह ने किया ।बैठक में उपस्थित ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि पी वी यू एन एल द्वारा छाई डैम में किए जा रहे एश माउंट निर्माण कार्य को 05-08-2026 दिन बुधवार से बंद किया जाएगा। रोजगार विस्थापन, पुनर्वास और मुआवजा की मांगों को लेकर प्रबंधन द्वारा कोई ठोस पहल नहीं किए जाने के कारण ग्रामीणों ने छाई डैम के मुख्य गेट को भी जाम करने का निर्णय लिया है। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक उनकी जायज मांगें पूरी नहीं होती तब तक परियोजना का कोई भी काम नहीं होने दिया जाएगा। बैठक में मुख्य रूप से खिरोधर कुमार, अंकित कुमार साव, अमित कुमार, दूधेश्वर उरांव, अभिषेक कुमार, खुर्शीद अंसारी, मोहम्मद मुसद्दीक, मोहम्मद शाहबाज, संदीप मुंडा, अखिलेश कुमार, सुनील ठाकुर, प्रेमनाथ यादव, शंकर प्रजापति, नरेश कुमार यादव, मेधा प्रजापति, परवेज अंसारी, आफताब अंसारी, रामप्रसाद प्रजापति एवं आदित्य कुमार सहित दर्जनों ग्रामीण उपस्थित रहे।

मिजाचौकी में अधूरा नाला बना हादसे का कारण, संवेदक की लापरवाही से लोगों में आक्रोश

जाने से स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी है।

स्थानीय लोगों की शिकायतें

ग्रामीण मुनिन्द्र जायसवाल एवं चंदन पंडित ने बताया कि संवेदक द्वारा नाला की खुदाई तो कर दी गई, लेकिन उसके बाद निर्माण कार्य बंद कर दिया गया। नाले में सरिया खुले रूप में खड़ा है और गड्ढे में गंदा व सड़ा हुआ पानी जमा होने से आसपास दुर्गंध फैल रही है, जिससे लोगों का रहना मुश्किल हो गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अधूरे नाले के कारण अब तक एक-दो लोग गिरकर घायल भी हो चुके हैं।

बड़ी दुर्घटना की आशंका

यह नाला मुख्य सड़क के किनारे स्थित होने के कारण यहां से प्रतिदिन बड़ी संख्या में राहगीरों और वाहनों का आवागमन होता है। ऐसे में किसी भी समय बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि संवेदक द्वारा कार्य शुरू कर उसे अधूरा छोड़ दिया गया है, जिससे आम जनता को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सरकारी कार्रवाई की मांग

लोगों ने संबंधित विभाग से अविलंब निर्माण कार्य पूरा कराने,

इलाज कराने पटना गया युवक रहस्यमय ढंग से लापता, परिजनों ने पुलिस से लगाई गुहार

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

उधवा/साहिबगंज। राधानगर थाना अंतर्गत बाघपींजरा मोहनपुर निवासी 21 वर्षीय इसमाईल शेख इलाज कराने पटना गया था, जहां से वह संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया है। इस संबंध में युवक के बड़े भाई जाबीर शेख ने पटना के शास्त्रीनगर थाने में लिखित आवेदन देकर भाई की सकुशल बरामदगी और खोजबीन की गुहार लगाई है। आवेदन के अनुसार, इसमाईल विगत 30 जुलाई को इलाज कराने के लिए आईजीआईएमएस पटना गया था। अगले दिन 31 जुलाई को करीब दोपहर 1 बजे वह प्राइवेट में इलाज कराने की बात कहकर अस्पताल से निकला था। इस क्रम में युवक ने अपने बड़े भाई से फोनपे पर 2 हजार रुपए भी मंगवाए थे।

शाम लगभग 4:00 बजे भाई से हुई बातचीत में उसने रात 10:00 बजे ट्रेन पकड़कर घर लौटने की बात कही थी। लेकिन इसके बाद से उसका मोबाइल फोन बंद आ रहा है। जब वह घर नहीं पहुंचा तो चिंतित परिजनों ने पटना आकर अपने स्तर पर काफी खोजबीन की। परंतु उसका कोई सुराग नहीं मिल सका। आवेदन पत्र में लापता युवक की पहचान - रंग गोरा, लंबाई 5.1 फीट, बंगाली/हिन्दी भाषा, नीला फुल पैंट और हल्दी (पीले) रंग की टी-शर्ट बताई गई है। परिजनों ने पुलिस प्रशासन से युवक को जल्द से जल्द ढूंढने की अपील की है।

बिना सूचना गठित हुई विद्यालय प्रबंधन समिति पर बवाल, अभिभावकों ने डीसी से की जांच व पुनर्गठन की मांग

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

हुसैनाबाद,पलामू: अनुमंडल मुख्यालय स्थित राजकीय उर्दू मध्य विद्यालय, हुसैनाबाद में विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) के गठन को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। विद्यालय के कई अभिभावकों ने आरोप लगाया है कि समिति का गठन बिना पर्याप्त सूचना और प्रचार-प्रसार के जल्दबाजी में कर दिया गया। इसे लेकर उन्होंने उपायुक्त पलामू को लिखित शिकायत सौंपते हुए पूरे मामले की जांच कराने और समिति को भंग कर नए सिरे से गठन कराने की मांग की है।अभिभावकों के अनुसार विद्यालय की ओर से 25 जुलाई 2026 को समिति गठन संबंधी आदेश जारी किया गया, जबकि अगले ही दिन 26 जुलाई को समिति का गठन भी कर लिया गया। उनका कहना है कि सरकारी प्रावधानों के अनुसार विद्यालय प्रबंधन समिति के गठन से पहले व्यापक प्रचार-प्रसार कर सभी अभिभावकों को इसकी सूचना देना आवश्यक होता है, ताकि इच्छुक अभिभावक प्रक्रिया में भाग ले सकें। लेकिन इस मामले में ऐसा नहीं किया गया। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि समिति गठन की प्रक्रिया गुप्त तरीके से पूरी की गई, जिससे अधिकांश अभिभावकों को इसकी जानकारी तक नहीं मिल सकी। अभिभावकों का कहना है कि उन्हें चुनाव में भाग लेने का अवसर नहीं दिया गया और पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता का अभाव रहा। उपायुक्त को दिए गए आवेदन में अभिभावकों ने मांग की है कि वर्तमान में गठित विद्यालय प्रबंधन समिति को तत्काल निरस्त किया जाए तथा सभी अभिभावकों को पूर्व सूचना एवं व्यापक प्रचार-प्रसार के माध्यम से शामिल करते हुए निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से नई समिति का गठन कराया जाए।शिकायत आवेदन पर मोहिउद्दीन अंसारी, खालिद हुसैन, हिना कौसर, मुसर्रत प्रवीण, अफसाना खातून, नूरेशा परवीन समेत कई अभिभावकों के हस्ताक्षर हैं। आवेदन की प्रतिलिपि जिला शिक्षा पदाधिकारी पलामू, जिला शिक्षक संघ पलामू, अनुमंडल पदाधिकारी हुसैनाबाद तथा प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी (बीईओ) हुसैनाबाद को भी भेजी गई है।हालांकि, इस संबंध में विद्यालय प्रशासन का पक्ष प्राप्त नहीं हो सका है।

नारी सेवा संघ संस्था ने मनाया सावन उत्सव, गीत -संगीत और नृत्य से सराबोर हुई शाम

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

सिंदरी/ धनबाद। नारी सेवा संघ संस्था की ओर से रविवार 2 अगस्त की संध्या को आई एम टाइप क्वार्टर संख्या 61 -62 स्थित उमा शर्मा के आवास पर सावन उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। सभी महिलाओं ने पारंपरिक हरे परिधान पहनकर सावन के पवन माह का स्वागत किया। झमाझम बारिश और सुहावने मौसम के बीच महिलाओं ने सावन के लोकगीतों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किए ,जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय और उत्साह पूर्ण हो उठा। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने सावन की परंपराओं, आपसी प्रेम और सामाजिक एकता का संदेश दिया। हंसी -खुशी और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से शाम यादगार बन गई। अंत में सभी ने विभिन्न स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लिया और एक दूसरे को सावन की शुभकामनाएं दी। आयोजकों को ने कहा कि इस तरह के आयोजन सामाजिक सौहार्द, महिला सशक्तीकरण और सांस्कृतिक परंपराओं को बढ़ावा देने का माध्यम है। मौके पर अध्यक्ष रंजना शर्मा,उपाध्यक्ष अनीता श्रीवास्तव, सोनी गुप्ता, चिंता दास,सम्पा सील ,मीनू सिंह, प्रतिमा गोप, बबीता गोप, सोनी सिंह , अल्पी तिवारी ,सुप्रिया ,उषा सिंह ,किरण देवी ,पूनम सिन्हा ,सरस्वती देवी सहित कई महिलाओं ने सावन उत्सव में भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन उमा शर्मा ने किया।

मां अस्पताल में निशुल्क नेत्र जांच शिविर,32 लोगों ने उठाया स्वास्थ्य सेवा का लाभ

बलियापुर /धनबाद। बलियापुर हवाई पट्टी के समीप स्थित मां अस्पताल में रविवार को निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 32 लोगों ने अपनी आंखों की जांच कराई। नेत्र विशेषज्ञ डॉक्टर आर साहा ने सभी मरीजों की बारीकी से जांच की। उन्होंने मरीजों को आंखों की देखभाल एवं उपचार संबंधी आवश्यक परामर्श दिए। जांच के दौरान मोतियाबिंद ,कमजोर दृष्टि एवं अन्य नेत्र संबंधी समस्याओं की जांच की गई। डॉक्टर साहा ने समय-समय पर नेत्र परीक्षण कराने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि नियमित जांच से आंखों की कई गंभीर बीमारियों का समय रहते पता लगाया जा सकता है। शिविर में मरीजों को उचित उपचार एवं आवश्यक सावधानियां की जानकारियां भी दी गई। अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि भविष्य में भी ऐसे स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे जनहित में उपयोगी बताया।

रामकृपाल कंस्ट्रक्शन के ठिकानों पर आईटी सर्वे में मिला 350 करोड़ की अघोषित आय

रांची। रामकृपाल कंस्ट्रक्शन और उससे जुड़ी कंपनियों के ठिकानों पर सर्वे के दौरान 350 करोड़ रुपये की अघोषित आय का पता चला है। साथ ही अस्तित्वहीन कंपनियों से सामान खरीद के सबूत भी मिले। इसके अलावा अन्य प्रकार की वित्तीय गड़बड़ियां पायी गयीं।रामकृपाल कंस्ट्रक्शन के ठिकानों पर आयकर का सर्वे चौथे दिन रविवार को समाप्त हो गया।उल्लेखनीय है कि आयकर विभाग की अनुसंधान शाखा ने रामकृपाल कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड और उससे जुड़ी कंपनियों के रांची, बेगुसराय और गुड़गांव के ठिकानों पर 31 जुलाई को सर्वे शुरू किया था। कंपनी की व्यापारिक गतिविधियों से जुड़े दस्तावेज की जांच पड़ताल और संबंधित लोगों का बयान दर्ज करने के बाद रविवार की दोपहर को सर्वे समाप्त हो गया।सर्वे में आयकर के 150 अधिकारी लगाए गये थे। सर्वे के दौरान 350 करोड़ रुपये की अघोषित आयकर पता चला। कंपनी की ओर से दिखाये गये 200 करोड़ रुपये के नकद खर्च का विस्तृत ब्योरा कंपनी से जुड़े लोग देने में असमर्थ रहे।हवाला के सहारे 50 करोड़ रुपये के कैश जेनरेट किया गया था। जांच के दौरान कंपनियों की दिखाई गई सामग्रियों की खरीद से संबंधित कुछ मामलों की जांच की गयी। लेकिन जिन कंपनियों से खरीद दिखाई गयी थी, उनका कहीं अस्तित्व नहीं पाया गया। यानी वित्तीय गड़बड़ी करने के लिए अस्तित्वहीन कंपनियों के सामग्रियों की खरीद दिखाई गई थी। सर्वे के दौरान मिले तथ्यों और सूचनाओं के सिलसिले में आगे की जांच की जा रही है।

विषैले सांप के डसने से 45 वर्षीय शख्स की मौत, पूरे गांव में शोक की लहर

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

लिट्टीपाड़ा (पाकुड़): लिट्टीपाड़ा प्रखंड के पतरापाड़ा गांव में विषैले सांप के डसने से 45 वर्षीय चांसलर केवट की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार, शनिवार रात चांसलर केवट भोजन करने के बाद अपने घर में सो रहे थे। इसी दौरान एक विषैले सांप ने उन्हें डस लिया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन पहले उन्हें झाड़-फूंक के लिए शहबगाड़ी ले गए, लेकिन हालत में सुधार नहीं होने पर तत्काल इलाज के लिए रेफर किया गया।इसके बाद परिजन उन्हें पाकुड़ के सोनाजोड़ी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए दुमका मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। हालांकि, दुमका ले जाने के दौरान रास्ते में ही चांसलर केवट ने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि ग्रामीण क्षेत्रों में सर्पदंश से बचाव को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाए तथा समय पर एंटी-स्नेक वेनम और बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं में लोगों की जान बचाई जा सके।

एसपी के निर्देश पर गठित विशेष एसआईटी की त्वरित कार्रवाई, पीड़िता को सकुशल बरामद कर आरोपियों को भेजा गया न्यायिक हिरासत

अमर भगत@ झारखंड उजाला संवाददाता

पाकुड़: अमड़ापाड़ा थाना क्षेत्र से नाबालिग लड़की के अपहरण मामले का पाकुड़ पुलिस ने सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने अपहृत नाबालिग को सकुशल बरामद कर लिया है तथा सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 27 जुलाई 2026 को डायल-112 के माध्यम से सूचना मिली थी कि अमड़ापाड़ा थाना क्षेत्र के जमरी गांव की एक नाबालिग लड़की का तीन अज्ञात युवकों ने मोटरसाइकिल पर बैठाकर अपहरण कर लिया है। पीड़िता के परिजन लड्डू मरांडी के फर्दबयान के आधार पर अमड़ापाड़ा थाना कांड संख्या 59/2026, दिनांक 28 जुलाई 2026 को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 140(1)/3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह के निर्देश पर महेशपुर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में विशेष एसआईटी का गठन किया गया। एसआईटी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नाबालिग पीड़िता को बरामद कर लिया तथा मामले में संलिप्त तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में हिरालाल टुडू (21 वर्ष), सुरेश हेम्ब्रम (28 वर्ष) तथा राजेश मरांडी (27 वर्ष) शामिल हैं। तीनों आरोपी गोड्डा जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों के निवासी हैं।इस कार्रवाई में अमड़ापाड़ा थाना पुलिस, तकनीकी सेल एवं अन्य पुलिसकर्मियों की संयुक्त टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है तथा मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

सड़क हादसे में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

पश्चिमी सिंहभूम। जिले के कुमारडूंगी थाना क्षेत्र में कुछ दिन पहले हुए सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही उसके गांव बैदा में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक की पहचान 25 वर्षीय अर्जुन तमसोय के रूप में हुई है। वह विवाहित था और अपने पीछे पत्नी और दो वर्षीय पुत्र को छोड़ गया है। मिली जानकारी के अनुसार, 30 जुलाई की दोपहर करीब दो बजे अर्जुन तमसोय अपनी बाइक से खरीदारी करने कुमारडूंगी बाजार आया था। बाजार से सामान लेकर जब वह अपने गांव लौट रहा था, तभी कुमारडूंगी बाजार स्थित भाजपा कार्यालय के समीप उसकी बाइक की एक पिकअप वाहन से जोरदार टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि अर्जून सड़क पर गिर पड़ा और उसके सिर में गंभीर चोट आई। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही कुमारडूंगी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, कुमारडूंगी पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल, चाईबासा रेफर कर दिया। परिजन उसी रात अर्जून को सदर अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उसका उपचार शुरू किया गया। सिर में गंभीर चोट होने के कारण उसकी स्थिति लगातार नाजुक बनी रही। कई दिनों तक चले इलाज के बावजूद चिकित्सक उसे बचा नहीं सके और शनिवार देर रात उसने अस्पताल में अंतिम सांस ली। युवक की मौत की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए शव का पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम के बाद रविवार को शव परिजनों को सौंप दिया गया।अर्जुन की असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है, वहीं पूरे गांव में शोक का माहौल बना हुआ है।

गौरवपूर्ण सेवाकाल के बाद बदाम शेख को भावभीनी विदाई, रेल परिवार ने दी शुभकामनाएं

झारखंड उजाला प्रतिनिधि

पाकुड़: पूर्व रेलवे मेंस कांग्रेस शाखा, पाकुड़ एवं रेल परिवार की ओर से वरिष्ठ रेलकर्मी एवं संगठन के सक्रिय सदस्य बदाम शेख के सेवानिवृत्त होने पर भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर सहकर्मियों ने उनके लंबे सेवाकाल, संगठन के प्रति समर्पण और कर्मचारियों के हित में किए गए योगदान को याद करते हुए उन्हें सम्मानित किया तथा उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। बताया गया कि बदाम शेख ने अपने रेल सेवा-जीवन के दौरान न केवल अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन किया, बल्कि कर्मचारियों के हितों की रक्षा और संगठन को मजबूत बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पूर्व रेलवे मेंस कांग्रेस शाखा, पाकुड़ के वरिष्ठतम सदस्यों में शामिल रहे बदाम शेख ने हमेशा संगठनात्मक एकता, आपसी सहयोग और कर्मचारी हितों को प्राथमिकता दी।

सहकर्मियों ने बताया कि वर्ष 2012 से शुरू हुई लगभग 14 वर्षों की साझा यात्रा केवल नौकरी तक सीमित नहीं रही, बल्कि विश्वास, संघर्ष, आत्मीयता और पारिवारिक रिश्तों की मजबूत नींव बनी। यांत्रिक विभाग, पाकुड़ में संगठन की ऐतिहासिक जीत के दौरान भी उनका मार्गदर्शन और सहयोग उल्लेखनीय रहा। चुनाव में जीत के बाद संगठन की भूमिका पर चर्चा करते हुए उन्होंने विश्वास जताया था कि पूर्व रेलवे मेंस कांग्रेस पहले भी कर्मचारियों के हित में कार्य करती रही है और आगे भी पूरी निष्ठा के साथ यह कार्य जारी रखेगी।विदाई समारोह में उपस्थित साथियों ने कहा कि बदाम शेख का सरल स्वभाव, नेतृत्व क्षमता और कर्मचारियों के प्रति समर्पण हमेशा प्रेरणा देता रहेगा। उनके अनुभव और मार्गदर्शन का लाभ संगठन को भविष्य में भी मिलता रहेगा।पूर्व रेलवे मेंस कांग्रेस एवं समस्त रेल परिवार ने बदाम शेख के उत्कृष्ट सेवाकाल को नमन करते हुए उनके स्वस्थ, सुखी एवं सम्मानपूर्ण जीवन की कामना की। सभी ने ईश्वर से प्रार्थना की कि उन्हें उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु, सुख-समृद्धि एवं निरंतर सम्मान प्राप्त हो तथा उनका स्नेह और मार्गदर्शन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बना रहे।

गैंगरेप मामले में एक तथा अवैध माइनिंग मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

झारखंड उजाला प्रतिनिधि

पाकुड़: जिले में फरार अभियुक्तों के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी है। इसी कड़ी में पाकुड़ मुफ्फसिल थाना पुलिस ने अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए गैंगरेप कांड के तीसरे आरोपी और अवैध खनन (माइनिंग) मामले में लंबे समय से फरार चल रहे वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया।पुलिस के अनुसार, मुफ्फसिल थाना कांड संख्या 99/26 में दर्ज गैंगरेप मामले के तीसरे आरोपी मिमसार शेख (पिता- कयूम शेख), निवासी रनडंगा को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के बाद उसे न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।वहीं, अवैध खनन से जुड़े मामले में न्यायालय द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट के आधार पर जमीर शेख (पिता- मजीद शेख), निवासी चंद्रपाड़ा को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक आरोपी काफी समय से फरार चल रहा था। गिरफ्तारी के बाद उसे भी न्यायालय में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में फरार आरोपियों और वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों पर शिकंजा कसने के उद्देश्य से ऐसी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

पारस एचईसी हॉस्पिटल में पेन मैनेजमेंट क्लिनिक शुरू

रांची। पारस एचईसी हॉस्पिटल, रांची ने लंबे समय से दर्द की समस्या से जूझ रहे मरीजों को विशेषज्ञ उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रविवार को अत्याधुनिक पेन मैनेजमेंट क्लिनिक की शुरूआत की गई।इस क्लिनिक में नसों के दर्द, जोड़ों के दर्द, फ्रैक्चर के बाद होने वाले दर्द, बार-बार होने वाले सिरदर्द और रीढ़ से जुड़ी दर्द संबंधी समस्याओं का आधुनिक तकनीकों के माध्यम से इलाज किया जाएगा।हॉस्पिटल के फैसिलिटी डायरेक्टर डॉ नीतेश कुमार ने कहा कि लंबे समय तक दर्द को नजरअंदाज करना गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। इसका असर व्यक्ति की कार्यक्षमता और मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। उन्होंने कहा कि समय पर विशेषज्ञ से परामर्श और उचित उपचार से मरीज दर्दमुक्त एवं बेहतर जीवन जी सकते हैं।हॉस्पिटल में कंसल्टेंट (एनेस्थीसिया और पेन मैनेजमेंट) डॉ कुमार दुश्यंत मरीजों का उपचार करेंगे। ओपीडी का समय प्रतिदिन सुबह 11 बजे से शाम चार बजे तक निर्धारित किया गया है। क्लिनिक में नर्व ब्लॉक एवं ट्रिगर प्वाइंट इंजेक्शन, पीआरपी और अल्ट्रासाउंड गाइडेड जॉइंट इंजेक्शन, स्पाइन पेन इंटरवेंशन तथा कैंसर पेन मैनेजमेंट एवं पेलिएटिव केयर जैसी उन्नत सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी।

नशीले पदार्थ के खिलाफ पाकुड़ पुलिस की कार्रवाई तेज, मनीरामपुर में पुलिस ने की छापामारी एक व्यक्ति गिरफ्तार

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

पाकुड़ : रविवार को पाकुड़ मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मनीरामपुर गांव में उसे वक्त अफरा तफरी मच गई जब पाकुड़ पुलिस की ताबिश नशीले पदार्थ के खरीद बिक्री करने वालों के ऊपर पड़ी। पुलिस के मुताबिक रविवार को पुलिस को जिला के मुफसिल थानान्तर्गत ग्राम मनिरामपुर स्थित सत्तार शेख द्वारा अपने घर में अवैध रूप से ब्राउन शुगर एवं अन्य मादक पदार्थ की खरीद-बिक्री किये जाने की सूचना प्राप्त हुई। प्राप्त सूचना के त्वरित सत्यापन एवं संलिप्त व्यक्तियों के गिरफ्तारी हेतु अनुदीप सिंह (भा०पु० से०), पुलिस अधीक्षक, पाकुड़ द्वारा कुमार गौरव, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पाकुड़ के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल / SIT का गठन किया गया। उक्त गठित विशेष छापेमारी दल / SIT द्वारा दण्डाधिकारी के साथ ग्राम-मनिरामपुर स्थित सत्तार शेख के घर पहुंचने पर पाया गया कि कुछ लोग वहाँ बैठकर नशीले पदार्थ का सेवन कर रहें थे जो पुलिस को देखकर इधर-उधर भागने लगे। तत्पश्चात गठित विशेष छापेमारी दल / SIT द्वारा एक व्यक्ति सत्तार शेख, पिता स्व० शमशेर शेख, ग्राम मनिरामपुर, थाना-पाकुड़ (मु०), जिला पाकुड़ को पकड़ा गया। दण्डाधिकारी के उपस्थिति में उक्त पकड़े गये व्यक्ति एवं घर की विधिवत तलाशी लेने पर सत्तार शेख के घर से 06.00 ग्राम ब्राउन शुगर (30 पुड़िया), प्लास्टिक पाउच में रखा मिला ब्राउन शुगर 24 ग्राम, नगद 2200/- रूपया, ब्राउन शुगर पीने के लिए काटकर बनाया गया पात्र, इलेक्ट्रोनिक मशीन, प्लास्टिक पाउच 06 बंडल, VIVO कंपनी का स्मार्टफोन, एक बंडल एल्युमिनियम फॉयल बरामद किया गया। इस संबंध में मुफसिल थाना कांड सं0-104/2026, दिनांक 01. 08.2026, धारा - 111 BNS & 21 (a)/22 (a) NDPS Act. 1985 दर्ज किया गया। उक्त गिरफ्तार व्यक्ति को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है एवं अन्य संलिप्त 02 अभियुक्त बेलाल शेख एवं अब्दुल रौफ, दोनों ग्राम चाँदपुर, थाना शमेशरगंज, जिला-मुर्शिदाबाद की गिरफ्तारी हेतु छापेमारी जारी है।

गिरफ्तार अभियुक्त का संख्या (नाम पता सहित):–

1. सत्तार शेख, पिता स्व० शमशेर शेख, ग्राम-मनिरामपुर, थाना पाकुड़ (मु०), जिला पाकुड़।

बरामद किये गये सामानों की विवरणीः-

1. ब्राउन शुगर - 06.00 ग्राम (30 पुड़िया)
2. गिला ब्राउन शुगर -24 ग्राम
3. नगद 2200/- रूपया
4. ब्राउन शुगर पीने के लिये काटकर बनाया गया पात्र
5. इलेक्ट्रोनिक मशीन
6. पलास्टीक पाउच 06 बंडल
7. VIVO कंपनी का स्मार्टफोन
8. 01 बंडल एल्यूमिनियम फॉयल

छापामारी टीम / SIT में शामिल पुलिस पदाधिकारी / कर्मी का पदनाम एवं नामः-

1. कुमार गौरव, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पाकुड़ ।
2. पु०अ०नि० गौरव कुमार, थाना प्रभारी, पाकुड़ (मु०)।
3. पु०अ० नि० अंशु उपाध्याय, मुफसिल थाना।
4. पु०अ० नि० रामदुलर सिंह, मुफसिल थाना।
5. पु०अ० नि० गौरीशंकर प्रसाद, मुफसिल थाना।
6. स0अ0नि0 यशवंत कुशवाहा, मुफसिल थाना।
7. स०अ०नि० शांति देवी, मुफसिल थाना।
8. स०अ० नि० सुदामा साहा, मुफसिल थाना।
9. मुफसिल थाना सशस्त्र बल ।

गोड्डा के सुंदरपहाड़ी दरोगा विधानचंद्र ने ट्रैक्टर चोर को वाहन के साथ दबोचा

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

गोड्डा:जिले में गोड्डा पुलिस द्वारा वाहन चोरी की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण हेतु लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सुंदरपहाड़ी थाना क्षेत्र में दर्ज ट्रैक्टर चोरी के एक मामले में पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है।दिनांक-21.07.2026 की रात्रि में ग्राम महुआटीड, थाना सुंदरपहाड़ी निवासी परमानन्द साह का महिंद्रा 475 DI MKM DLX ट्रैक्टर (पंजीकरण संख्या JH17V-4613) एवं ट्रेलर (पंजीकरण संख्या JH17V-4514) अज्ञात अपराधियों द्वारा चालक के घर के समीप से चोरी कर लिया गया था। इस संबंध में सुंदरपहाड़ी थाना कांड संख्या-20/2026 दिनांक-21.07.2026 धारा-305 BNS के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक, गोड्डा के निदेर्शानुसार अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी आकाश भारद्वाज के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। प्राथमिकी दर्ज होने के तुरंत बाद पुलिस टीम ने घटनास्थल का वैज्ञानिक निरीक्षण किया तथा तकनीकी साक्ष्यों, सी०सी०टी०वी० फुटेज, मानव आसूचना (Human Intelligence) एवं अन्य उपलब्ध तथ्यों के आधार पर लगातार अनुसंधान किया। इसी क्रम में प्राप्त गुप्त सूचना एवं तकनीकी विश्लेषण के आधार पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चोरी गए महिंद्रा ट्रैक्टर एवं ट्रेलर को सकुशल बरामद कर लिया। साथ ही, इस घटना में संलिप्त अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है। उससे पूछताछ के आधार पर इस मामले से जुड़े अन्य व्यक्तियों एवं संभावित वाहन चोरी गिरोह के संबंध में अनुसंधान जारी है। यह सफलता पुलिस टीम के सतत प्रयास, तकनीकी अनुसंधान, वैज्ञानिक साक्ष्य संग्रहण तथा प्रभावी सूचना तंत्र का परिणाम है। गोड्डा पुलिस संपत्ति संबंधी अपराधों, विशेषकर वाहन चोरी के मामलों में Zero Tolerance Policy के तहत कार्य कर रही है। ऐसे अपराधों में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को किसी भी परिस्थिति में बख्शा नहीं जाएगा।जिले के नागरिकों से गोड्डा पुलिस ने अपील कि है कि अपने ट्रैक्टर एवं अन्य वाहनों को सुरक्षित स्थान पर रखें।आवश्यक सुरक्षा उपाय अपनाएँ तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल निकटतम थाना अथवा डायल-112 पर दें। जनता का सहयोग अपराध नियंत्रण में अत्यंत महत्वपूर्ण है।बरामदगी अभि० प्रहल्लाद गौरांय के घर के दरवाजा से महिन्द्रा 475 DI MKM DLX ट्रैक्टर निबंधन संख्या-JH17V-4513 इंजन नं0-8LF2KBA2409 चेचिस नं0-MBNABAJAKURF07538 एवं ट्रेलर निबंधन संख्या-JH17V-4514 गिरफ्तार व्यक्ति का नाम-पता संचित कुमार उर्फ भोला, उम्र करीब 18 वर्ष, पिता कृष्णा पाल, ग्राम उपर मंझियारा, थाना दुमका मुफस्सिल, जिला दुमका नवनीत कुमार राणा, उम्र करीब 20 वर्ष, पिता विष्णु राणा, ग्राम पुराना दुमका केवट पाड़ा, थाना दुमका नगर, जिला दुमका जगेश पाल उम्र करीब 23 वर्ष, पिता राम पाल, ग्राम कठलिया, थाना मसलिया, जिला दुमका आलोक कुमार पाल उम्र करीब 26 वर्ष, पिता कमल कुनार पाल ग्राम हिजला रोड दुमका, थाना दुमका नगर, जिला दुमका प्रहल्लाद गोरांय उम्र करीब 30 वर्ष पिता सष्टिपद गोरांय, ग्राम डारंर, थाना नाला, जिला जामताड़ा।अभियुक्तों का आपराधिक इतिहास नवनीत कुमार राणा, उम्र करीब 20 वर्ष पिता विष्णु राणा, ग्राम पुराना दुमका केवट पाड़ा, थाना दुमका नगर, जिला दुमका का आपराधिक इतिहास रहा है।छापामारी दल में शामिल पुलिस पदाधिकारी/कर्मी शामिल थे।गोड्डा एसडीपीओ आकाश भारद्वाज व गोड्डा नगर पु०नि० मधुसूदन मोदक व थाना प्रभारी विधानचन्द्र पटेल व गोड्डा मुफस्सिल थाना प्रभारी आनन्द साहा व स०अ०नि० रंजीत कुमार सिंह सुन्दरपहाड़ी थाना व स०अ०नि कामेश्वर यादव व स०अ०नि० तेलोस्फर भेंगरा व सुन्दरपहाड़ी थाना के सशस्त्र पुलिस बल शामिल थे।

पतंजलि योग समिति द्वारा किया गया पौधारोपण

4 अगस्त को सभी प्रखंडों में चलेगा अभियान

लोहरदगा: पतंजलि योग समिति भारत स्वाभिमान, लोहरदगा जिला के तत्वावधान में गुरुकुल शांति आश्रम परिसर में रविवार को वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान आम एवं महोगनी के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला प्रभारी एवं मुख्य योग प्रशिक्षक प्रवीण कुमार भारती ने कहा कि आगामी 4 अगस्त को आचार्य बालकृष्ण के जन्मदिवस के अवसर पर जिले के सभी प्रखंडों में वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसकी देखभाल का संकल्प भी ले। उन्होंने कहा कि पर्यावरण को स्वच्छ एवं संतुलित बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर वनवासी कल्याण आश्रम के कृपा प्रसाद सिंह, पतंजलि के राज्य कार्यकारिणी सदस्य शिवशंकर सिंह, गुरुकुल शांति आश्रम के आचार्य शरतचंद्र जी, आचार्य गणेश शास्त्री, आशीष आचार्य, देवेंद्र कुमार, दीपक कुमार, मनोज दास, राम कुमार तिवारी, पतंजलि योग समिति के अभय भारती सहित अन्य उपस्थित लोगों ने भी अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरण चलाने पर जोर दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

गैंगस्टर सुजीत सिन्हा जेल शिफ्टिंग के दौरान एनकाउंटर में ढेर

रांची। झारखंड के कुख्यात गैंगस्टर सुजीत सिन्हा की रविवार देर रात जामताड़ा जिला में पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में मौत हो गई है। सुजीत सिन्हा को साहिबगंज मंडल कारा से धनबाद जेल शिफ्ट किया जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में पुलिस वाहन खराब होने के बाद उसे दूसरी गाड़ी में स्थानांतरित किया जा रहा था। पुलिस के अनुसार, इसी दौरान सुजीत सिन्हा ने मौके का फायदा उठाते हुए एक पुलिसकर्मी का हथियार छीन लिया और पुलिस पर फायरिंग करने की कोशिश की। इसके बाद आत्मरक्षा में पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमे सुजीत मारा गया। साहिबगंज एसपी अमित सिंह और जामताड़ा एसपी शंभु सिंह ने गैंगस्टर सुजीत सिन्हा के मारे जाने की पुस्टि की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, अपराधी सुजीत सिन्हा की जेल शिफ्टिंग का आदेश जारी होने के बाद उसे कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच साहिबगंज जेल से धनबाद जेल ले जाया जा रहा था। जामताड़ा के रास्ते में पुलिस वाहन का टायर पंचर हो गया। इसके बाद सुरक्षा बल उसे दूसरी गाड़ी में बैठाने की प्रक्रिया में जुटे थे। इसी बीच सुजीत सिन्हा ने एक जवान की सर्विस राइफल छीनने में सफलता हासिल कर ली और पुलिस पर गोली चलाने का प्रयास किया। इसके बाद पुलिस ने तत्काल जवाबी फायरिंग की, जिसमें वह मारा गया। सुजीत सिन्हा झारखंड के सबसे कुख्यात अपराधियों में गिना जाता था। उसके खिलाफ हत्या, रंगदारी, फायरिंग, आर्म्स एक्ट और संगठित अपराध से जुड़े कई मामले दर्ज थे। जेल में बंद रहने के बावजूद वह अपने गैंग का संचालन कर रहा था और रंगदारी व आपराधिक गतिविधियों को जेल के भीतर से ही निर्देशित कर रहा था। सुजीत सिन्हा के नेटवर्क का प्रभाव धनबाद, बोकारो, रामगढ़, रांची और आसपास के कई जिलों तक फैला हुआ था।

बी आई टी सिंदरी में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर, 109 मरीजों ने कराई स्वास्थ्य जांच

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

सिंदरी /धनबाद। बी आई टी सिंदरी परिसर में रविवार, 2 अगस्त को निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना एवं समय पर जांच की सुविधा उपलब्ध कराना था। जोड़ा फाटक रोड स्थित पाटलिपुत्र अस्पताल के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। शिविर में कुल 109 मरीज ने स्वास्थ्य जांच कराई। मरीजों की ब्लड प्रेशर,ब्लड शुगर ,कोलेस्ट्रॉल, पल्स एवं डेंटल स्कैनिंग की गई। विशेषज्ञ डॉक्टरों ने मरीजों को आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श भी दिया। शिविर में डॉक्टर प्रकाश झा (डी एम गैस्ट्रोएंटरोलॉजी)ने पाचन संबंधी समस्याओं पर परामर्श किया। डॉ प्रतीक शरण (एम सी एच यूरोलॉजी),डॉक्टर मृणाल झा (डीएम मनोरोग), डॉ अरुण अग्रवाल (एमएस जनरल सर्जरी), डॉ विकास कुमार (बी .डी.एस डेंटल) तथा डॉक्टर एस चौधरी जनरल फिजिशियन ने विभागीय जांच की।शिविर में बड़ी संख्या में बी आई टी के शिक्षकों, छात्रों एवं कर्मियों ने स्वास्थ्य जांच कराई। कार्यक्रम के सफल आयोजन में बी आई टी सिंदरी के निदेशक डॉक्टर पंकज राय का महत्वपूर्ण योगदान रहा।प्रशासन विभाग के डॉक्टर बी यादव ने आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई। डिस्पेंसरी प्रभारी प्रो चैतन्य शर्मा ने शिविर के संचालन में सहयोग दिया तथा फार्मासिस्ट बुद्धदेव त्यागी सहित बी आई टी की टीम ने व्यवस्थाओं को सुचारू बनाया। प्रतिभागियों ने शिविर की सराहना करते हुए ऐसे आयोजन नियमित रूप से कराने की मांग की।स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कहा कि समय पर जांच और जागरूकता से कई गंभीर बीमारियों की रोकथाम संभव है।

पाकुड़ में दिशोम गुरु शिबू सोरेन की आदमकद प्रतिमा स्थापित, 4 अगस्त को होगा अनावरण

पाकुड़ : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की ओर से पुराना डीसी चौक पर दिशोम गुरु स्व. शिबू सोरेन की आदमकद प्रतिमा स्थापित की जा रही है। प्रतिमा स्थापना का कार्य झामुमो जिलाध्यक्ष अजीजुल इस्लाम की देखरेख में चल रहा है। आगामी 4 अगस्त को दिशोम गुरु की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर प्रतिमा का विधिवत अनावरण किया जाएगा।अनावरण समारोह को लेकर पार्टी कार्यकताओं में उत्साह का माहौल है। कार्यक्रम में राज्य सरकार के कई मंत्री, राजमहल सांसद विजय हांसदा, झामुमो के केंद्रीय सचिव सह प्रवक्ता पंकज मिश्रा, महेशपुर विधायक प्रो. स्टीफन मरांडी, लिट्टीपाड़ा विधायक हेमलाल मुर्मू समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। प्रतिमा स्थल पर तैयारियों का जायजा लेने के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी साइमन मरांडी भी मौजूद रहे। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि श्याम यादव, केंद्रीय समिति सदस्य उमर फारूक, बुद्धिजीवी मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष प्रकाश सिंह, पाकुड़ प्रखंड अध्यक्ष मुसलोद्दीन शेख सहित झामुमो के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। झामुमो नेताओं ने बताया कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन के संघर्ष, विचार और झारखंड आंदोलन में उनके योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से यह प्रतिमा स्थापित की जा रही है। 4 अगस्त को आयोजित होने वाले श्रद्धांजलि एवं अनावरण समारोह को लेकर सभी तैयारियां अंतिम चरण में हैं।

शिव मंदिरों में सेवा शिविर लगाकर नि:शुल्क बेलपत्र, गंगाजल, कच्चा दूध एवं अन्य पूजन सामग्री का वितरण करेगी सत्य सनातन संस्था : रजित चौबे

झारखंड उजाला प्रतिनिधि

पाकुड़ : सावन माह की चारों सोमवारी पर श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सेवा के उद्देश्य से सत्य सनातन संस्था द्वारा विशेष सेवा अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत भगतपाड़ा शिव मंदिर, दूधनाथ मंदिर एवं रेलवे कॉलोनी शिव मंदिर में प्रत्येक सोमवार को प्रातः 6:00 बजे से 11:00 बजे तक श्रद्धालुओं के बीच निःशुल्क बेलपत्र, गंगाजल, कच्चा दूध तथा अन्य पूजन सामग्री का वितरण किया जाएगा।सत्य सनातन संस्था के अध्यक्ष रजित चौबे ने बताया कि सावन भगवान शिव की आराधना का सबसे पवित्र माह माना जाता है। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु विभिन्न शिव मंदिरों में जलाभिषेक एवं पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना के लिए आवश्यक सामग्री सहज रूप से उपलब्ध कराने तथा सेवा की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संस्था ने यह सेवा अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि सत्य सनातन संस्था पिछले छह वर्षों से लगातार इस प्रकार का निःस्वार्थ सेवा कार्य करती आ रही है और प्रत्येक वर्ष हजारों शिवभक्त इस सेवा का लाभ उठाते हैं। रजित चौबे ने यह भी कहा कि सेवा ही सच्ची शिव आराधना है। समाज के प्रत्येक सनातन प्रेमी को इस पुण्य कार्य में अपनी सहभागिता निभानी चाहिए। उन्होंने सभी युवाओं, महिलाओं एवं समाज के लोगों से अपील की कि वे इस सेवा अभियान में सहयोग करें तथा अधिक से अधिक शिवभक्तों तक इसकी जानकारी पहुंचाएं। साथ ही सभी श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे चारों सोमवारी को प्रातः 6:00 बजे से 11:00 बजे के बीच अपनी सुविधानुसार भगतपाड़ा शिव मंदिर, दूधनाथ मंदिर अथवा रेलवे कॉलोनी शिव मंदिर स्थित सेवा शिविर में पहुंचकर निःशुल्क बेलपत्र, गंगाजल, कच्चा दूध एवं अन्य पूजन सामग्री प्राप्त कर भगवान शिव की पूजा-अर्चना करें।

उन्होंने कहा कि संस्था का उद्देश्य केवल पूजन सामग्री का निःशुल्क वितरण करना नहीं, बल्कि समाज में सेवा, समर्पण, सहयोग और सनातन संस्कृति के प्रति जागरूकता की भावना को सशक्त बनाना भी है। उन्होंने विश्वास जताया कि समाज के लोगों के सहयोग से यह सेवा अभियान सफल होगा और अधिक से अधिक श्रद्धालु इसका लाभ प्राप्त करेंगे।

पूर्व विधायक इंद्रजीत महतो का हाल जानने अस्पताल पहुंचे विधायक चंद्रदेव महतो व सचेतक मथुरा महतो

बलियापुर /धनबाद। सिंदरी के पूर्व विधायक इंद्रजीत महतो के स्वास्थ्य का हाल-चाल जानने के लिए रविवार को सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो एवं झारखंड विधानसभा के सत्तारूढ़ दल के सचेतक मथुरा प्रसाद महतो बोकारो स्थित एसजेएस अस्पताल पहुंचे। दोनों जनप्रतिनिधियों ने अस्पताल में भर्ती इंद्रजीत महतो के स्वास्थ्य की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने चिकित्सकों से भी इलाज के प्रगति के संबंध में जानकारी प्राप्त की। विधायक चंद्रदेव महतो ने इंद्रजीत महतो के शीघ्र एवं पूर्ण स्वस्थ होने की कामना करते हुए कहा कि जल्द स्वस्थ होकर पुनः जन सेवा के कार्यों में सक्रिय हो। सत्तारूढ़ दल के सचेतक मथुरा प्रसाद महतो ने भी उनके उत्तम स्वास्थ्य दीघार्यु एवं शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने इंद्रजीत महतो का उत्साहवर्धन किया तथा उनके परिवार जनों को हर संभव सहयोग का भरोसा दिया।

मुस्लिम बस्ती में फायरिंग, युवक गंभीर

पूर्वी सिंहभूम। बमार्माइंस थाना क्षेत्र स्थित मुस्लिम बस्ती रविवार रात गोलियों की तड़तड़ाहट से दहल उठी। इलाके में हुई फायरिंग की घटना में आफताब नामक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तत्काल टाटा मेन हॉस्पिटल (टीएमएच) में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उसका इलाज चल रहा है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।स्थानीय लोगों के अनुसार मुस्लिम बस्ती निवासी बंधु नामक व्यक्ति ने किसी बात को लेकर आफताब पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। हमले में आफताब को कुल तीन गोलियां लगीं, जिनमें एक गोली उसकी पीठ में और दो गोलियां पेट में लगीं। गोली लगते ही वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने बिना देर किए घायल को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर उसे बचाने का प्रयास कर रहे हैं।घटना की सूचना मिलते ही बमार्माइंस थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं तथा आसपास के लोगों से पूछताछ भी की है। साथ ही आरोपित की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है।फिलहाल गोलीबारी के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस का कहना है कि आपसी रंजिश समेत सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच की जा रही है। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद ही घटना के वास्तविक कारणों का खुलासा होने की संभावना है।घटना के बाद मुस्लिम बस्ती और आसपास के क्षेत्र में दहशत का माहौल है। एहतियात के तौर पर पुलिस क्षेत्र में निगरानी बनाए हुए है और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की गई है।

बड़ी संख्या में भक्तों ने बाबा आम्रेश्वर धाम में किया भोलेनाथ का जलाभिषेक

खूंटी । पवित्र सावन महीने की प्रथम सोमवारी से पूर्व रविवार को छुट्टी के दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने बाबा आम्रेश्वर धाम अंगराबारी में बाबा का जलाभिषेक व पूजा अर्चना की।रविवार को पूरे दिन यहां जलार्पण व पूजन करने वाले श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। देर शाम बाबा आम्रेश्वर धाम के पवित्र स्वयंभू शिवलिंग का श्रृंगार पूजन विधिवत संपन्न हुआ।बाबा आम्रेश्वर धाम प्रबंध समिति द्वारा आयोजित इस परंपरागत श्रृंगार पूजन कार्यक्रम में प्रबंध समिति के अलावा कई श्रद्धालु शामिल हुए। विधि विधान से संपन्न श्रृंगार पूजन के दौरान पवित्र शिवलिंग सहित बाबा के दरबार को रंग बिरंगे फूलों से सुंदर ढंग से सजा दिया गया है। दूसरी ओर सावन के प्रथम सोमवारी को बाबा का जलाभिषेक करने के लिए रविवार देर रात से दूर दराज के लोग बाबा आम्रेश्वर धाम पहुंचने लगे हैं। सावन की प्रथम सोमवारी को भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां जलार्पण करेंगे।

मेरा युवा भारत अंतर्गत ₹नशा युवा - विकसित भारत संकल्प अभियान के तहत आईआईटी (आईएसएम), धनबाद में माननीय प्रधानमंत्री के वर्चुअल संबोधन का सफल आयोजन, 500 से अधिक युवाओं ने लिया नशा मुक्ति का संकल्प

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

धनबाद। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में मेरा युवा भारत (माई भारत), धनबाद द्वारा संचालित ₹नशा मुक्त युवा झ विकसित भारत संकल्प अभियान₹ के अंतर्गत आज दिनांक 02 अगस्त 2026 को आईआईटी (आईएसएम), धनबाद के ऑडिटोरियम में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के वर्चुअल संबोधन का सफलतापूर्वक सीधा प्रसारण आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आईआईटी (आईएसएम) के छात्र-छात्राओं, माई भारत स्वयंसेवकों, युवा क्लबों के सदस्यों सहित 500 से अधिक युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

अपने प्रेरणादायी संबोधन में माननीय प्रधानमंत्री ने युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य एवं भविष्य को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि परिवार, समाज तथा राष्ट्र की प्रगति में भी गंभीर बाधा उत्पन्न करता है। उन्होंने युवाओं से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, सकारात्मक गतिविधियों से जुड़ने तथा नशे से दूर रहने का आह्वान किया। इस अवसर पर उन्होंने मेरा युवा भारत (माई भारत) तथा उससे जुड़े स्वयंसेवकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि युवाओं को नशे के चंगुल से बाहर निकालने में परिवार, शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों तथा पूरे समाज की सामूहिक भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी के समन्वित प्रयासों से वर्ष 2047 तक एक विकसित एवं नशा मुक्त भारत का निर्माण संभव है।इस अवसर पर उपस्थित सभी युवाओं ने माई भारत पोर्टल (mybharat.gov.in) के माध्यम से ₹नशा मुक्त युवा झ विकसित भारत₹ डिजिटल संकल्प लिया तथा नशा मुक्त भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान युवाओं में विशेष उत्साह एवं ऊर्जा देखने को मिली। माननीय प्रधानमंत्री के प्रेरणादायी संदेश ने उपस्थित युवाओं, विशेषकर जेन जेड, को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा नशा मुक्त भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुँचाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागियों ने नशा उन्मूलन हेतु निरंतर जन-जागरूकता अभियान चलाने तथा समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का संकल्प भी दोहराया। इस अवसर पर मेरा युवा भारत, धनबाद के उप निदेशक श्री सूर्यकांत कुमार ने कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों, प्राध्यापकों एवं अधिकारियों के साथ संयुक्त रूप से सभी छात्र-छात्राओं तथा माई भारत स्वयंसेवकों को ₹नशा मुक्ति शपथ₹ दिलाई। सभी प्रतिभागियों ने स्वयं नशे से दूर रहने, अपने परिवार एवं समाज को नशा मुक्त बनाने तथा जन-जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।कार्यक्रम में मेरा युवा भारत, धनबाद के उप निदेशक श्री सूर्यकांत कुमार सहित आईआईटी (आईएसएम), धनबाद के प्रो. शरत कुमार दास (उप निदेशक), प्रो. धीरज कुमार (पूर्व उप निदेशक एवं हेड, नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन सेंटर), प्रो. संजय मंडल (डीन, स्टूडेंट वेलफेयर), प्रो. रजनी सिंह (डीन, इंटरनेशनल रिलेशंस), प्रो. एस. के. साहू (एसोसिएट डीन, स्टूडेंट वेलफेयर), प्रो. एल. ए. कुमारस्वामीधास (एसोसिएट डीन, हॉस्टल मैनेजमेंट), प्रो. उमाकांत त्रिपाठी (एसोसिएट डीन, स्टूडेंट वेलफेयर एवं स्टूडेंट्स एक्टिविटीज), प्रो. जयसिंह थंगराज (एसोसिएट डीन, इन्फ्रास्ट्रक्चर) तथा श्री शुभीश शाह (अकाउंट्स एवं प्रोग्राम असिस्टेंट, माई भारत, धनबाद) प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। आईआईटी (आईएसएम), धनबाद एवं मेरा युवा भारत, धनबाद के संयुक्त प्रयासों से आयोजित यह कार्यक्रम अत्यंत सफल एवं प्रेरणादायी रहा। यह आयोजन ₹नशा मुक्त युवा झ विकसित भारत संकल्प अभियान₹ के उद्देश्यों को व्यापक स्तर पर जन-जन तक पहुँचाने तथा युवाओं को नशा मुक्त भारत के निर्माण हेतु प्रेरित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ।

क्या हम विकास और विनाश के बीच संतुलन साध पाएंगे?

स्मिता सिंह, स्वतंत्र पत्रकार

भा वेनेजुएला की त्रासदी ने एक सकारात्मक पक्ष भी सामने रखा। आधुनिक तकनीक ने कुछ क्षेत्रों में लोगों को भूकम्प के झटके महसूस होने से कुछ सेकंड पहले चेतावनी दी। सुनने में यह समय बहुत कम प्रतीत होता है, लेकिन आपदा की घड़ी में यही कुछ सेकंड जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी तय कर सकते हैं। वेनेजुएला में हाल में आए भीषण भूकम्प ने केवल एक देश को नहीं, बल्कि पूरी मानवता को झकझोर दिया है। मृतकों और लापता लोगों की संख्या समय के साथ बदलती रही हो, लेकिन त्रासदी की भयावहता निर्विवाद है। हजारों परिवार अपने प्रियजनों को खोने की असहनीय पीड़ा से गुजर रहे हैं। ऐसे प्रत्येक अवसर पर पूरी दुनिया संवेदना व्यक्त करती है, राहत सामग्री भेजती है, सहायता अभियान चलाती है, लेकिन एक प्रश्न बार-बार हमारे सामने खड़ा हो जाता है-क्या हम हर बड़ी आपदा से कोई स्थायी सबक सीखते हैं या फिर कुछ दिनों की चर्चा और शोक के बाद सब कुछ भुलाकर पुनः उसी लापरवाह विकास-यात्रा एवं प्रकृति की घोर उपेक्षा पर निकल पड़ते हैं? प्राकृतिक आपदाएं कभी कैलेंडर देखकर नहीं आतीं। वे न देश चुनती हैं, न मौसम और न समय। जब धरती कांपती है, नदियां उफान पर आती हैं, पहाड़ दरकते हैं या समुद्र विकराल रूप धारण कर लेता है, तब विकास के बड़े-बड़े दावे, ऊंची-ऊंची इमारतें और तकनीकी उपलब्धियों का अहंकार कुछ ही क्षणों में धराशायी हो जाता है। ऐसे समय में किसी देश की वास्तविक शक्ति उसकी आर्थिक समृद्धि नहीं, बल्कि उसकी पूर्व तैयारी, संवेदनशील शासन व्यवस्था और जागरूक नागरिक होते हैं।

वेनेजुएला की त्रासदी ने एक सकारात्मक पक्ष भी सामने रखा। आधुनिक तकनीक ने कुछ क्षेत्रों में लोगों को भूकम्प के झटके महसूस होने से कुछ सेकंड पहले चेतावनी दी। सुनने में यह समय बहुत कम प्रतीत होता है, लेकिन आपदा की घड़ी में यही कुछ सेकंड जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी तय कर सकते हैं। विज्ञान इस दिशा में निरंतर प्रगति कर रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि ऐसे प्रारंभिक चेतावनी तंत्र अधिक सटीक, अधिक तेज और अधिक व्यापक बनाए जाएं, ताकि अधिक से अधिक

लोगों का जीवन सुरक्षित रह सके। भारत के लिए यह विषय केवल एक अंतरराष्ट्रीय समाचार नहीं है। हमारा देश स्वयं भूकम्प, बाढ़, भूस्खलन, बादल फटने, चक्रवात और सुनामी जैसी अनेक प्राकृतिक आपदाओं का दंश झेलता रहा है। 1993 का लातूर भूकम्प, 2001 का भुज भूकम्प, 2004 की सुनामी, 2013 की केदारनाथ त्रासदी, 2023 की जोशीमठ भू-धंसाव की घटनाएं तथा हिमालयी क्षेत्रों में लगातार बढ़ती बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं आज भी हमारी स्मृतियों में जीवित हैं। इन सभी घटनाओं का एक ही संदेश है-प्रकृति को कभी हल्के में नहीं लिया जा सकता। भौगोलिकसंदर्भ

वैज्ञानिक आज भी यह निश्चित रूप से नहीं बता सकते कि किस दिन, किस समय और किस स्थान पर भूकम्प आएगा, लेकिन वे वर्षों से यह चेतावनी अवश्य देते रहे हैं कि भारत का लगभग साठ प्रतिशत भूभाग किसी न किसी स्तर के भूकम्पीय जोखिम वाले क्षेत्र में आता है। हिमालयी क्षेत्र, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर-पूर्व, गुजरात और अनेक अन्य क्षेत्र विशेष रूप से संवेदनशील माने जाते हैं। इसका अर्थ स्पष्ट है कि यदि भूकम्प की सटीक भविष्यवाणी संभव नहीं है, तो भी पूर्व तैयारी पूरी तरह संभव है। दुर्भाग्य यह है कि हम तैयारी की अपेक्षा आपदा के बाद राहत और पुनर्वास पर अधिक ध्यान देते हैं। आज देश के लगभग हर शहर में कंक्रीट के विशाल जंगल तेजी से खड़े हो रहे हैं। बहुमंजिला आवासीय परिसर, व्यावसायिक भवन, गगनचुंबी टावर और स्मार्ट सिटी विकास की नई पहचान बन चुके हैं। मुंबई, गुरुग्राम, नोएडा, दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद और अब जयपुर जैसे शहर भी ऊंची-ऊंची इमारतों की दौड़ में शामिल हो चुके हैं। लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या इन भवनों की मजबूती केवल सामान्य परिस्थितियों के लिए है या किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा का सामना करने के लिए भी?

किसी भी भवन की वास्तविक परीक्षा तब होती है जब धरती कांपती है, जब अचानक बाढ़ आती है, जब तेज हवाएं चलती हैं या जब प्रकृति अपना रौद्र रूप दिखाती है। यदि उस समय भवन लोगों की जान बचा सके, तभी उसे वास्तविक विकास का प्रतीक माना जाना चाहिए। केवल ऊंचाई, चमक-दमक और आधुनिक सुविधाएं किसी भवन को सुरक्षित नहीं बनातीं। भारत में भूकम्परोधी निर्माण के लिए मानक और नियम मौजूद हैं। भारतीय मानक ब्यूरो ने स्पष्ट दिशानिर्देश निर्धारित किए हैं। समस्या नियमों की कमी नहीं, बल्कि उनके अनुपालन की है। क्या प्रत्येक बहुमंजिला इमारत वास्तव में उन्हीं मानकों के अनुरूप निर्मित हो रही है? क्या निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच होती है? क्या निर्माण के बाद संरचनात्मक सुरक्षा का स्वतंत्र परीक्षण किया जाता है? यदि इन प्रश्नों का उत्तर पूरी तरह संतोषजनक नहीं है, तो चिंता स्वाभाविक है।

निर्माण क्षेत्र में बढ़ती अनियमितताओं और भ्रष्टाचार ने स्थिति को और गंभीर बनाया है। अनेक बार भू-माफिया, बिल्डर लॉबी और लाभ-लोलुप तत्व पर्यावरणीय नियमों की अवहेलना करते हुए हरित क्षेत्रों, जलाशयों, नदी तटों और भू-संवेदनशील क्षेत्रों तक में निर्माण कर देते हैं। बाद में यही निर्माण किसी त्रासदी का कारण बनते हैं। नोएडा में अवैध रूप से निर्मित सुपरटेक ट्विन टावरों को सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर ध्वस्त किया जाना इस बात का प्रतीक है कि किस प्रकार नियमों की अनदेखी कर निर्माण कार्य किए जाते रहे हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि यदि कोई निर्माण अवैध था, तो उसे बनने की अनुमति किसने दी? निर्माण पूरा होने तक प्रशासन मौन क्यों रहा? क्या विकास के नाम पर कुछ लोगों के आर्थिक लाभ के लिए लाखों नागरिकों के जीवन को जोखिम में डाला जा सकता है? यह केवल कानूनी प्रश्न नहीं, बल्कि नैतिक प्रश्न भी है। शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर निगमों, नगर विकास न्यासों तथा भवन निर्माण की अनुमति देने वाली एजेंसियों की जिम्मेदारी केवल नक्शों पर हस्ताक्षर करने तक सीमित नहीं हो सकती। प्रत्येक निर्माण की तकनीकी, पर्यावरणीय और संरचनात्मक जांच अत्यंत कठोरता से की जानी चाहिए। सुरक्षा मानकों का पालन केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन की रक्षा का दायित्व है। एक अन्य गंभीर विषय जलवायु परिवर्तन और प्रकृति के साथ बढ़ती छेड़छाड़ की है। पहाड़ों को काटकर सड़कें बनाना, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बाधित करना, जंगलों का अंधाधुंध विनाश, अतिक्रमण, खनन और अनियोजित शहरीकरण ने प्रकृति के संतुलन को गहराई से प्रभावित किया है। परिणामस्वरूप भूस्खलन, अचानक बाढ़, शहरी जलभराव और जंगलों में आग की घटनाएं बढ़ रही हैं।

मेष राशि :- शारीरिक बीमारी के सही होनी की काफी संभावनाएँ हैं और इसके चलते आप शीघ्र ही खेल-कूद में हिस्सा ले सकते हैं. आज घर से बाहर बड़ों का आशीर्वाद लेकर निकलें इससे आपको धन लाभ हो सकता है. आपके जीवन-साथी की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उसे चिकित्सकीय देखरेख की जरूरत है. आप साथ में कहीं घूमने-फिरने जाकर अपने प्रेम-जीवन में नयी ऊर्जा का संचार कर सकते हैं.

वृषभ राशि :- आपमें आज चुस्ती-फुर्ती देखी जा सकती है. आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा. विदेशों में पड़ी आपकी जमीन आज अच्छे दामों में बिक सकती है जिससे आपको मुनाफा होगा. आपके जीवन-साथी की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उसे चिकित्सकीय देखरेख की जरूरत है. रोमांस के लिहाज से रोमांचक दिन है. शाम के लिए कोई खास योजना बनाएँ और जितना हो सके, इसे उतना रुमानी बनाने की कोशिश करें.

मिथुन राशि :- आप जल्द ही लम्बे समय से चली आ रही बीमारी से उबरकर पूरी तरह सेहतमंद हो सकते हैं. लेकिन ऐसे खुदगर्ज और गुस्सैल इंसान से बचें, जो आपको तनाव दे सकता है और आपकी परेशानियों में इजाफा कर सकता है. जो लोग शेयर बाजार में पैसा लगाते हैं आज उनका पैसा डूब सकता है. वक्त रहते सचेत हो जाएं तो आपके लिए बेहतर रहेगा. जिन्हें भावनात्मक संबल की जरूरत है, वे पाएंगे कि बड़े मदद के लिए आगे आ रहे हैं.

कर्क राशि :- स्वयं को शांत बनाए रखें क्योंकि आज आपको ऐसी कई बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है, जिनके चलते आप काफी मुश्किल में पड़ सकते हैं. खास तौर पर अपने गुस्से पर काबू रखें, क्योंकि यह और कुछ नहीं बल्कि थोड़ी देर पागलपन है. धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे.

सिंह राशि :- आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा. कई लोग आपकी खासी तारीफ कर सकते हैं. धन की आवश्यकता कभी भी पड़ सकती है इसलिए आज जितना हो अपने पैसे की बचत करने का विचार बनाएं. परिवार के सदस्यों की जरूरतों को तरजीह दें. उनके सुख-दुःख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाकई उनका खयाल रखते हैं. आज आप अपने दोस्त की महक उसकी अनुपस्थिति में महसूस करेंगे.

कन्या राशि :- अपनी शारीरिक चुस्ती-फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं. जिन लोगों ने कहीं निवेश किया था आज के दिन आपको आर्थिक हानि होने की संभावना है. अपनी महत्वाकांक्षाओं को ऐसे बड़ों के साथ बांटें, जो आपकी सहायता कर सकते हैं. रोमांस के नजरिए से आज जिन्दगी बहुत जटिल रहेगी. आज किए गए निवेश काफी फायदेमन्द साबित होंगे, लेकिन आपको भागीदारों से विरोध का सामना करना पड़ सकता है.

तुला राशि :- दूसरों की इच्छाएँ आपकी अपना खयाल रखने की इच्छा से टकराएगी- अपने जज्बात को बांधे नहीं और वे काम करें जिससे आपको सुकून मिले. जमीन या किसी प्रॉपर्टी में निवेश करना आज आपके लिए घातक हो सकता है जितना हो सके इन चीजों में निवेश करने से बचें. आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान खरीद सकते हैं. सावधान रहें, क्योंकि कोई आपकी छवि धूमिल करने की कोशिश कर सकता है.

वृश्चिक राशि :- मित्रों या परिवार के सदस्यों के साथ मौज-मस्ती भरी यात्रा आपको सुकून देगी. आपने बीते समय में बहुत पैसा खर्च किया है जिसका खामियाजा आज आपको भुगतना पड़ सकता है. आज आपको पैसों की जरुरत होगी लेकिन वो आपको मिल नहीं पाएगा. दोस्तों का साथ राहत देगा. अपने प्रिय की गैर-जरूरी भावनात्मक मांगों के सामने घुटने न टेकें. नयी साझीदारी आज के दिन फलदायी रहेगी.

धनु राशि :- खयाली पुलाव पकाने में वक़्त जाया न करें. सार्थक कामों में लगाने के लिए अपनी ऊर्जा बचाकर रखें. आज किया गया निवेश आपकी समृद्धि और आर्थिक सुरक्षा में इजाफा करेगा. किसी नजदीकी रिश्तेदार या मित्र की तरफ से मिली अच्छी खबर के साथ दिन की शुरूआत होगी. प्यार का भरपूर लुत्फ मिल सकता है. आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौके होंगे. अगर आप शादीशुदा हैं और आपके बच्चे भी हैं तो वो आज आपसे शिकायत कर सकते हैं।

मकर राशि :- स्वास्थ्य के लिहाज से बहुत अच्छा दिन है. आपकी खुशमिजाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी. कोई पुराना मित्र आज आपसे आर्थिक मदद मांग सकता है और यदि आप उसकी आर्थिक मदद करते हैं तो आपके आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं. अपना क़ीमती वक़्त अपने बच्चों के साथ गुजारें. यह सबसे बेहतर मरहम है. वे कभी न खत्म होने वाली खुशियों का स्रोत साबित होंगे.

कुम्भ राशि :- नियमित व्यायाम के माध्यम से वजन को नियन्त्रित रखें. खर्चों में हुई अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी आपके मन की शांति को भंग करेगी. कुछ लोगों के लिए- परिवार में किसी नए का आना जश्न और उल्लास के पल लेकर आएगा. अनपेक्षित रोमांटिक आकर्षण की संभावना है. मशहूर लोगों से मेलजोल आपको नई योजनाएँ और आइडिया सुझाएगा. दिन को कैसे अच्छा बनाया जाए इसके लिए आपको अपने लिए भी समय निकालना सीखना होगा.

मीन राशि :- आपका सकारात्मक रुख आपके आसपास के लोगों को प्रभावित करेगा. अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है. शाम को रसोई के लिए जरूरी चीजों की खरीदारी आपको व्यस्त रखेगी. कई लोगों के लिए आज की रोमांटिक शाम खूबसूरत तोहफों और फूलों से भरपूर रहेगी. कार्यक्षेत्र के नजरिए से आज का दिन आपका है. इसका भरपूर फायदा उठाएँ. आज आप खुद को लोगों के ध्यान के केंद्र में पाएंगे, जब कोई आपके सहयोग की वजह से पुरस्कृत होगा।

नागरिकता के दस्तावेजों पर इतना भ्रम ठीक नहीं..

आ धुनिक विश्व व्यवस्था की एक खामी यह है कि यहां कानून की भाषा अलग होती है। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि कानूनी भाषा जटिल होती है और उसके शब्द जाल को आम आदमी नहीं समझ पाता। इसी आधार पर उसकी अवधारणाएं विकसित होती हैं और फिर वह किसी विषय का व्यवस्था को लेकर अपनी राय बनाता है। पिछले कुछ वर्षों में पासपोर्ट हासिल करना आसान हो गया है। इसकी वजह तकनीकी क्रांति तो है ही, लेकिन सरकारी नीतियों ने भी आम आदमी के लिए पासपोर्ट बनवाने की प्रक्रिया को आसान किया है। पासपोर्ट हासिल करने के कठिन दौर से लेकर आसानी से प्राप्त होने के मौजूदा दौर में, आम नागरिक इसे अपनी नागरिकता का एक वैध दस्तावेज मानता रहा है। लेकिन पासपोर्ट सेवा दिवस के मौके पर भारतीय विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के पासपोर्ट को लेकर दिए बयान ने विवाद खड़ा कर दिया है। इस अधिकारी के मुताबिक, भारतीय पासपोर्ट सिर्फ विदेश यात्रा के लिए एक दस्तावेज है, भारतीय नागरिकता का सबूत नहीं। जहां पासपोर्ट हासिल करने को चार धाम यात्रा जैसी उपलब्धि माना जाता रहा हो, जहां किसी व्यक्ति की पहचान के लिए मजबूत सरकारी दस्तावेज माना जाता रहा हो, वहां ऐसा बयान आएगा तो विवाद होगा ही। तो विवाद हो रहा है। विशेष रूप से सोशल मीडिया पर लोग पूछ रहे हैं कि अगर आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, पैन कार्ड और पासपोर्ट नागरिकता का वैध दस्तावेज नही है तो फिर कोई भारतीय नागरिक अपनी नागरिकता के लिए क्या सबूत पेश करे। व्यवसायऔर उत्पादकता सॉफ़्टवेयर

भारतीय पासपोर्ट अधिनियम के शब्दों से गुजरें तो विदेश मंत्रालय के अधिकारी का कहना गलत भी नहीं है, लेकिन हाल के दिनों में मतदाता सूचियों के विशेष और गहन परीक्षण के दौरान जब घोषित कर दिया गया कि किसी व्यक्ति के पास आधार कार्ड, पैन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र होना उसकी नागरिकता के सबूत नहीं है और अब पासपोर्ट भी नहीं रहा, तो फिर भारतीय नागरिक क्या करे। जरूरत पड़ने पर वह कैसे साबित करे कि वह भारतीय नागरिक है। इस आधार पर तो देश के ज्यादातर लोग अपनी नागरिकता को तो साबित ही नहीं कर पाएंगे। यही वजह है कि लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। आज के दौर की तमाम लड़ाइयों का बुनियादी और मजबूत आधार चूंकि नैरेटिव बन गया है तो यह भी साबित करने की कोशिश होगी कि मोदी सरकार ने जानबूझकर ऐसा किया है। इसके लपेटे में मोदी समर्थक ताकतें भी आएंगी, भारतीय जनता पार्टी पर तो खैर सवाल उठेगा ही। इस नैरेटिव को खड़ा होने से पहले ही जरूरी है कि नागरिकता के वैध दस्तावेज को लेकर जारी भ्रम को जल्द से जल्द दूर किया जाए। अन्यथा भ्रम का यह कुहासा जितना फैलेगा, वह आम नागरिक के मन में व्यवस्था के प्रति गुस्सा और क्षोभ भरेगा। इससे तनाव बढ़ाने वाली ताकतों को भी मौका मिलेगा।

पासपोर्ट को लेकर विदेश मंत्रालय के अधिकारी ने जो कहा है, वह गलत भी नहीं है। अपने देश में भारतीय पासपोर्ट अधिनियम 1967 के तहत जारी किया जाता है। जबकि भारत में नागरिकता की व्याख्या और प्रमाणिकता के लिए भारतीय नागरिकता कानून 1955 है। पासपोर्ट एक्ट की धारा 20 के मुताबिक, अगर केंद्र सरकार चाहे तो किसी ऐसे व्यक्ति को भी पासपोर्ट या यात्रा दस्तावेज जारी कर सकती है जो भारत का नागरिक नहीं है। बस शर्त यह होगी कि सरकार को ऐसा लगे कि उसके लिए पासपोर्ट जारी करना व्यापक जनहित में जरूरी है। इस कानून से साफ है कि पासपोर्ट और नागरिकता दो अलग अलग चीजें हैं। बेशक भारतीय पासपोर्ट सिर्फ भारतीयों को ही मिलता है, लेकिन यह पत्थर की लकीर जैसा नियम नहीं है। पासपोर्ट अधिनियम की धारा 20 भारत सरकार को छूट देती है कि व्यापक जनहित में वह भारतीय नागरिक ना होने के बावजूद किसी व्यक्ति को पासपोर्ट जारी कर सकती है। कानूनी

विदेश मंत्रालय के अधिकारी के बयान पर भले ही विवाद खड़ा हुआ हो, लेकिन पासपोर्ट के जरिए नागरिकता प्रमाणित करने के तीन अभियुक्तों समेत चार लोगों के दावे को बांबे हाईकोर्ट 2013 में ही खारिज कर चुका है। उन्होंने अपनी नागरिकता के लिए पासपोर्ट पेश किया था। बांबे हाईकोर्ट ने दो सितंबर 2013 के अपने फैसले में साफ कर दिया था कि अगर आपका जन्म 1987 के बाद हुआ है तो पासपोर्ट को अपनी नागरिकता के प्रमाण पत्र के रूप में नहीं पेश कर सकते। वैसे आधार कार्ड का कानून भी मानता है कि आधार कार्ड सिर्फ निवास और पहचान का प्रमाण है, नागरिकता का नहीं। आधार कानून 2016 की धारा में साफ लिखा है कि आधार कार्ड से नागरिकता की बजाय सिर्फ निवास स्थान और पहचान प्रमाणित होता है। इसकी वजह यह है कि आधार कानून के तहत 182 दिनों तक भारत में लगातार रहने वाले व्यक्ति को सरकार चाहे तो आधार कार्ड जारी कर सकती है। इसी आधार पर सर्वोच्च न्यायालय भी इसे नागरिकता का प्रमाण मानने से इनकार कर चुका है। इसी तरह पैन कार्ड के लिए भी व्यवस्था दी गई है। पैन कार्ड का कानूनी आधार है कि व्यक्ति अर्जन कर रहा है और टैक्स दे रहा है। आधुनिक विश्व व्यवस्था की एक खामी यह है कि यहां कानून की भाषा अलग होती है। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि कानूनी भाषा जटिल होती है और उसके शब्द जाल को आम आदमी नहीं समझ पाता।

घटती महंगाई

य ह सुखद है कि 19 महीने के बाद थोक महंगाई दर में गिरावट दर्ज की गई है और यह अक्तूबर महीने में घटकर 8.39 पर आ गई है। खुदरा महंगाई दर में भी कमी का रुख उत्साहवर्द्धक है। गौर करने की बात है, लगभग पिछले साल से ही महंगाई बढ़ती चली आ रही थी, बार-बार चिंता जताई जा रही थी और भारतीय रिजर्व बैंक ने भी मौद्रिक नीति में समय-समय पर बदलाव किए हैं, अब परिणाम सामने हैं। इससे पहले मार्च, 2021 में महंगाई दर 7.89 प्रतिशत पर थी, आगामी महीनों में महंगाई दर के और घटने का अनुमान है। भारतीय अर्थव्यवस्था और अधिकतर लोगों के हित में यह जरूरी है कि महंगाई न केवल कम हो, बल्कि छह प्रतिशत के आसपास रहे। आमतौर पर दो प्रतिशत से छह प्रतिशत की महंगाई दर होनी चाहिए, उससे ऊपर जब दर चढ़ती है, तो न केवल आम लोगों, बल्कि उद्योग-धंधों को भी मुश्किल में डालती है। अब चूंकि थोक महंगाई दर दो अंकों से नीचे आई है, तो यह आशा बलवती हुई है कि आने वाले महीनों में राहत महसूस होगी।

वैसे थोक मुद्रास्फीति दर में लगभग पांच अंकों का अंतर एक महीने के समय में ही आया है, तो आश्चर्य भी होता है। खनिज तेल, धातु, फ्रैबिकेटेडेट धातु उत्पाद, अन्य गैर-धातु खनिज उत्पाद के दाम घटने से अक्तूबर, 2022 में थोक मुर्द्रास्फीति घटी बताई जा रही है। अक्तूबर महीने में सब्जियों की मुद्रास्फीति 17.61 प्रतिशत रही है, जबकि उसके पिछले महीने यह 39.66 प्रतिशत पर थी। ईंधन और बिजली में भी महंगाई दर 23.17 प्रतिशत रही है। मैन्युफैक्चरिंग उत्पादों की महंगाई दर ही कुछ कम 4.42 प्रतिशत दर्ज हुई है। विशेष रूप से सब्जियों के भाव आम लोगों को ज्यादा चुभ रहे हैं और इसलिए थोक महंगाई के आंकड़े देखकर कोई आम आदमी सवाल उठा सकता है। आम आदमी के बजट को बिगाड़ने के लिए रसोई और ईंधन पर्याप्त हैं। हाल ही में रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने यह उम्मीद जताई थी कि अक्तूबर में मुद्रास्फीति की दर सात प्रतिशत से कम रहेगी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका, क्योंकि मोटे तौर पर सब्जियों और ईंधन के भाव साथ नहीं दे रहे हैं। बताया जाता है, पिछले छह या सात महीनों में भारतीय रिजर्व बैंक व सरकार, दोनों ने ही मुद्रास्फीति को कम करने के लिए कई कदम उठाए हैं। आरबीआई गवर्नर के मुताबिक, केंद्रीय बैंक ने अपनी ओर से ब्याज दरों में वृद्धि की है, जबकि सरकार की तरफ से आपूर्ति पक्ष से जुड़े कई कदम उठाए गए हैं। फिर भी कसर रह ही जा रही है।

भारत की खुदरा मुद्रास्फीति, जिसे उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) द्वारा मापा जाता है, अक्तूबर महीने में तीन महीने के निचले स्तर 6.77 प्रतिशत पर आ गई है। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी आंकडे.उत्साहजनक हैं। सितंबर महीने में खुदरा महंगाई दर 7.41 फीसदी थी। तीन महीने के सबसे निचले स्तर पर पहुंचने के बावजूद खुदरा महंगाई लगातार 10वें महीने में भी रिजर्व बैंक के छह प्रतिशत की ऊपरी सीमा के पार बना हुआ है। सरकार ने रिजर्व बैंक को कह रखा है कि 2026 तक खत्म होने वाली पांच वर्षीय अवधि में महंगाई दर को दो से चार प्रतिशत तक रखना है। हालांकि, यह लक्ष्य पाना आसान नहीं है। महंगाई घटाने के लिए अनेक मोर्चों पर कदम उठाने व कड़े फैसले लेने की जरूरत पड़ेगी। उत्पादन पर ध्यान देना जितना जरूरी है, उससे कहीं ज्यादा जरूरी है आपूर्ति को आसान बनाना, ताकि कीमतों को आबादी के अनुरूप घटाया जा सके।

भारत सहित विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंक बढ़ा रहे है अपने स्वर्ण भंडार

भा रत को इस स्वर्ण भंडार को सुरक्षित रखने के लिए प्रतिवर्ष फी के रूप में कुछ राशि बैंक आफ इंग्लैंड को अदा करनी होती थी अतः अब भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 100 टन स्वर्ण भंडार को भारत लाने के बाद इस फी की राशि को अदा करने से भी भारत बच जाएगा। हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विदेशी बैंकों में रखे भारत के 100 टन सोने को ब्रिटेन से वापिस भारत में ले आया गया है। यह सोना भारत ने ब्रिटेन के बैंक में रिजर्व के तौर पर रखा था और इस पर भारत प्रतिवर्ष कुछ फीस भी ब्रिटेन के बैंक को अदा करता रहा है। समस्त देशों के केंद्रीय बैंक अपने यहां सोने के भंडार रखते हैं ताकि इस भंडार के विरुद्ध उस देश में मुद्रा जारी की जा सके (भारत में 308 टन सोने के विरुद्ध रुपए के रूप में मुद्रा जारी की गई है, यह सोने के भंडार भारतीय रिजर्व बैंक के पास जमा हैं) और यदि उस देश की अर्थव्यवस्था में कभी परेशानी खड़ी हो एवं उस देश की मुद्रा का तेजी से अवमूल्यन होने लगे तो इस प्रकार की परेशानियों से बचने के लिए उस देश को अपने स्वर्ण भंडार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेचना पड़ सकता है। इस कारण से विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंक अपने पास स्वर्ण के भंडार रखते हैं। पूरे विश्व में उपलब्ध स्वर्ण भंडार का 17 प्रतिशत हिस्सा विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंकों के पास जमा है। भारतीय रिजर्व बैंक के पास भी 822 टन के स्वर्ण भंडार हैं। सुरक्षा की दृष्टि से इसका 50 प्रतिशत से अधिक भाग, अर्थात लगभग 413.8 टन, भारत के बाहर अन्य केंद्रीय बैंकों विशेष रूप से बैंक आफ इंग्लैंड एवं बैंक आफ इंटर्नैशनल सेटल्मेंट के पास रखा गया है। उक्त वर्णित 308 टन के अतिरिक्त 100.3 टन स्वर्ण भंडार भी भारतीय रिजर्व बैंक के पास जमा है। वर्ष 1947 में भारत के राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्ति के पूर्व ही भारत ने अपने स्वर्ण के भंडार बैंक आफ इंग्लैड में रखे हुए हैं। इसके बाद 1990 के दशक में भी भारत ने अपनी आर्थिक परेशानियों के बीच अपने स्वर्ण भंडार को बैक आफ इंग्लैंड में गिरवी रखकर अमेरिकी डॉलर उधार लिए थे। विभिन्न देशों द्वारा लंदन में स्वर्ण भंडार इसलिए रखे जाते हैं क्योंकि लंदन पूरे विश्व का सबसे बड़ा स्वर्ण बाजार है और यहां स्वर्ण को सुरक्षित रखा जा सकता है। यहां के बैकों द्वारा विभिन्न देशों को स्वर्ण भंडार के विरुद्ध अमेरिकी डॉलर एवं ब्रिटिश पाउंड में आसानी से ऋण प्रदान किया जाता है बल्कि यहां पर स्वर्ण भंडार को आसानी से बेचा भी जा सकता है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण के कई खरीदार यहां आसानी से उपलब्ध रहते हैं। कुल मिलाकर इंग्लैंड स्वर्ण का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत बड़ा बाजार हैं। लंदन के बाद न्यूयॉर्क को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण का एक बड़ा बाजार माना जाता है। भारत को इस स्वर्ण भंडार को सुरक्षित रखने के लिए प्रतिवर्ष फी के रूप में कुछ राशि बैंक आफ इंग्लैंड को अदा करनी होती थी अतः अब भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 100 टन स्वर्ण भंडार को भारत लाने के बाद इस फी की राशि को अदा करने से भी भारत बच जाएगा। दूसरे अपने यहां स्वर्ण भंडार रखने से भारत के पास सदैव तरलता बनी रहेगी। जब चाहे भारत इस स्वर्ण भंडार का इस्तेमाल स्थानीय अथवा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने हित के लिए कर सकता है। वर्ष 2009 में भारत ने 200 टन का स्वर्ण भंडार अंतरराष्ट्रीय बाजार में 670 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि अदा कर खरीदा था।

अररिया में बवंडर से उड़ी घरों की छतें, पूरे बिहार में बारिश का अलर्ट

एजेंसी

पटना/अररिया: बिहार में मानसून की सक्रियता के कारण मौसम के कई हैरान करने वाले रंग एक साथ देखने को मिल रहे हैं. मौसम विज्ञान केंद्र, पटना द्वारा जारी ताजा आंकड़ों और मैप के अनुसार, राज्य में एक तरफ जहां कई जिलों के अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई है, वहीं दूसरी तरफ उत्तर, पूर्वी और दक्षिणी बिहार के बड़े हिस्से में तात्कालिक मौसम चेतावनी जारी की गई है.

बवंडर से जोकीहाट में दहशत: इसी बीच अररिया जिले से आए एक बेहद चौंकाने वाले वीडियो ने लोगों के बीच दहशत पैदा कर दी है. जोकीहाट प्रखंड की सिसोना पंचायत से एक वीडियो सामने आया है, जिसमें तेज गति से घूमती

हुई हवा का विशाल गुबार दिखाई दे रहा है, जिसे देखकर ग्रामीणों में दहशत फैल गई. लोगों ने बताया कि अचानक उठी तेज घूमती हवा ने कुछ ही मिनटों में कई घरों की टीन की छतें उखाड़कर हवा में उड़ा दीं. इस दौरान लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागते नजर आए.

ऐसा मंजर कभी नहीं देखा: घटना के बाद पूरे इलाके में भय का माहौल है. ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने पहले कभी इस तरह का नजारा नहीं देखा था. वीडियो को लोग ₹चक्रवात₹ बताकर साझा कर रहे हैं. स्थानीय ग्रामीण शमशाद आलम ने बताया कि वो मंजर काफी भयानक था. उस समय बहुत अधिक हवा होने के कारण काफी डर लग रहा था. ऐसा मंजर हम लोगों ने पहले नहीं देखा था, क्योंकि वो अचानक हुआ और किसी को कुछ समझ में आता उससे पहले ही ये सब शुरू हो गया. अन्य लोग इस घटना से डर गए.

बवंडर क्या होता है?: मौसम विज्ञान के अनुसार, चक्रवात कम वायुदाब वाले क्षेत्र में बनने वाला एक विशाल मौसमी तंत्र होता है, जिसमें हवाएं तेज गति से गोल-गोल घूमती हैं. यह सामान्यतः समुद्र के गर्म पानी से ऊर्जा लेकर विकसित होता है और तटीय क्षेत्रों में भारी बारिश, तेज हवाएं तथा भारी तबाही का कारण बनता है.

तीन घंटे के भीतर भारी बारिश: मौसम विभाग ने रविवार को राज्य के 90 से अधिक प्रखंडों में अगले एक से तीन घंटे के भीतर मौसम खराब होने की आशंका जताई है. मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, बिहार के भागलपुर, मुजफ्फरपुर, पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, शिवहर, सीतामढ़ी, कटिहार, पूर्णिया, औरंगाबाद और गया जिलों के कई प्रखंडों में हल्के से मध्यम दर्जे की मेघ गर्जन, तेज बारिश और वज्रपात होने की पूरी संभावना है. हवा की रफ्तार 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे तक रह सकती है.

तापमान में बढ़ोतरी: पिछले 24 घंटों के दौरान सूबे के अधिकांश हिस्सों में उमस और गर्मी का असर बढ़ा है. मौसम विभाग के आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, इस दौरान पूरा बिहार लाल रंग के सूचकांक से प्रभावित दिखा है, जो तापमान में वृद्धि को दशार्ता है. पूरे सूबे में कैमूर जिला सबसे गर्म रिकॉर्ड किया गया है, जहां का अधिकतम तापमान 39.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है. इसके अलावा शेखपुरा में सबसे तेज 3.9 डिग्री की वृद्धि के साथ तापमान 38.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है.राजधानी पटना का अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस और गया का 35.6 डिग्री सेल्सियस रहा.

केंद्र सरकार ने बिहार को दिए 10,845 करोड़ रुपये, आम लोगों को क्या मिलेगा फायदा

एजेंसी

बिहार: बिहार समेत कई राज्यों के लिए केंद्र सरकार ने खजाना खोल दिया है. केंद्र सरकार ने राज्यों के विकास कार्यों और पूंजीगत खर्च को गति देने के उद्देश्य से एक बड़ा वित्तीय पैकेज जारी किया है. इसके तहत राज्यों को करों में उनकी हिस्सेदारी के रूप में 1 लाख 9 हजार 19 करोड़ रुपये की अग्रिम किस्त जारी की गई है. खास बात यह है कि यह राशि 10 अगस्त को मिलने वाली नियमित मासिक कर हिस्सेदारी से अलग है.

किस राज्य को कितने रुपये मिले?

जानकारी के मुताबिक, उत्तर प्रदेश को सबसे ज्यादा 19,208 करोड़ रुपये मिले हैं, जबकि बिहार को

10,845 करोड़ रुपये की बड़ी राशि आवंटित की गई है. बिहार के अन्य आस-पास के राज्यों की बात करें तो, पश्चिम बंगाल को 7,866 करोड़, झारखंड को 3660 करोड़ रुपये, मध्य प्रदेश को 8,010 करोड़, महाराष्ट्र को 7,022 करोड़, सिक्किम को 365 करोड़ रुपये और राजस्थान को 6,460 करोड़ रुपये दिए गए हैं.

कहां खर्च की जाएगी राशि?

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि बिहार को मिले इन 10,845 करोड़ रुपये का फायदा आम लोगों तक कैसे पहुंचेगा? वित्त मंत्रालय का कहना है कि इस अतिरिक्त फंड से सड़क, पुल, अस्पताल, स्कूल और अन्य बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं को तेज गति मिलेगी.साथ ही ग्रामीण विकास, सिंचाई, स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक कल्याण योजनाओं पर भी अधिक खर्च किया जा सकेगा. यानी जिन परियोजनाओं का इंतजार लोग लंबे समय से कर रहे हैं, उनके आगे बढ़ने की संभावना मजबूत हुई है.

पूंजीगत निवेश में भी आएगी तेजी

सरकार का यह भी कहना है कि समय से पहले इतनी बड़ी राशि मिलने से राज्यों पर वित्तीय दबाव कम होगा. इससे विकास कार्यों के लिए धन की कमी नहीं होगी और पूंजीगत निवेश में तेजी आएगी.

बिहार में सड़क हादसा हुआ तो बस 112 पर करें कॉल, मिलेगा 1.5 लाख रुपये तक मुफ्त इलाज

एजेंसी

बिहार: बिहार में सड़क दुर्घटना के शिकार लोगों के लिए राहत भरी खबर है. अब हादसे के बाद इलाज के लिए अस्पतालों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं होगी. सिर्फ डायल 112 पर कॉल करना होगा. इसके बाद बिहार पुलिस घायल को नजदीकी अस्पताल पहुंचाने और एंबुलेंस की व्यवस्था कराने में मदद करेगी. इसके साथ ही पात्र मरीजों को 1.5 लाख रुपये तक मुफ्त इलाज की सुविधा भी मिलेगी.

क्या है नई व्यवस्था?

यह सुविधा इमरजेंसी रिस्पांस सपोर्ट सिस्टम (ERSS) के तहत शुरू की गई है. इसे नेशनल हाईवे अथॉरिटी (NHAI) और राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के

सिस्टम से जोड़ा गया है. इसका मकसद सड़क हादसे के बाद घायल व्यक्ति को बिना देरी के इलाज उपलब्ध कराना है. इससे समय पर इलाज मिलने से कई लोगों की जान बचाई जा सकेगी.

112 पर कॉल करते ही क्या होगा?

अगर सड़क हादसा होता है तो सबसे पहले 112 पर कॉल करें. कॉल मिलते ही सिस्टम नजदीकी अस्पताल और एंबुलेंस की जानकारी देगा. जरूरत पड़ने पर स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंचेगी. घायल को अस्पताल पहुंचाया जाएगा और इलाज तुरंत शुरू कराया जाएगा. पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन पोर्टल के जरिए पूरी होगी, ताकि मरीज को अनावश्यक परेशानी न हो.

1.5 लाख रुपये तक मिलेगा मुफ्त इलाज

योजना के तहत सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को प्रधानमंत्री राहत योजना के माध्यम से 1.5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिलेगा. इसके लिए मरीज या उसके परिवार को पहले पैसे जमा करने की जरूरत नहीं होगी. अस्पताल इलाज शुरू करेगा और बाद की प्रक्रिया तय व्यवस्था के अनुसार पूरी होगी.

'गोल्डन आवर' बचा सकता है जान

बिहार पुलिस के एडीजी (ट्रैफिक) सुधांशु कुमार के अनुसार, हादसे के बाद का पहला एक घंटा यानी 'गोल्डन आवर' सबसे महत्वपूर्ण होता है. अगर इस दौरान घायल को सही इलाज मिल जाए, तो उसकी जान बचने की संभावना काफी बढ़ जाती है. यही वजह है कि इस व्यवस्था को तेज और आसान बनाया गया है.

किसे मिलेगा योजना का लाभ?

इस योजना का लाभ सड़क दुर्घटना के हर पीड़ित को मिलेगा. इसमें पैदल चलने वाले, साइकिल सवार, बाइक चालक, कार सवार और अन्य किसी भी वाहन से हादसे का शिकार हुए लोग शामिल हैं.

फरवरी से लागू, लेकिन कम लोगों ने उठाया फायदा

पुलिस के अनुसार, यह योजना 13 फरवरी 2026 से लागू है. हालांकि, अब तक बिहार में केवल 82 लोगों ने इसका लाभ लिया है. अधिकारियों का मानना है कि इसकी सबसे बड़ी वजह लोगों में जागरूकता की कमी है.

मदद करने वालों को भी मिलेगी सुरक्षा

पुलिस ने लोगों से अपील की है कि सड़क हादसा होने पर घबराएं नहीं और तुरंत 112 पर कॉल करें. अगर कोई व्यक्ति घायल की मदद करता है, तो उसे किसी तरह की कानूनी कार्रवाई या पुलिस की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा. सरकार ने ऐसे गुड सेमेरिटन (Good Samaritan) को कानूनी सुरक्षा देने का प्रावधान किया है.

क्या है सबसे बड़ा फायदा?

इस नई व्यवस्था से सड़क हादसे के बाद इलाज शुरू होने में लगने वाला समय कम होगा. घायलों को समय पर अस्पताल पहुंचाया जाएगा, एंबुलेंस जल्दी मिलेगी और आर्थिक बोझ भी नहीं पड़ेगा. सरकार का मानना है कि इससे सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों की संख्या कम करने में मदद मिलेगी.

संक्षिप्त खबरें

पीएम आवास के लिए 40 लाख आवेदनों के छंटने के आसार, बिहार सरकार ने केंद्र को भेजी लिस्ट

बिहार: बिहार में गरीब और जरूरतमंदों को प्रधानमंत्री आवास देने के लिए किया जा रहा सर्वे पूरा कर केंद्र सरकार को भेज दिया गया है. सर्वे में कुल एक करोड़ 4 लाख 90 हजार 743 आवेदकों के आवेदन आए हैं. केंद्र सरकार को फाइनल लिस्ट भेज दी गई है. एक करोड़ 4 लाख में लगभग 40 लाख आवेदनों के छंटने के आसार हैं. राज्य में लगभग 60 लाख जरूरतमंदों और गरीब को आवास मिलेंगे. केंद्र सरकार अब बिहार सरकार की ओर से भेजी गई लिस्ट को एआई से फिर से चेक करेगी. इसमें भी कुछ आवेदनों के छंटने की संभावना है. अब नया नाम इसमें नहीं जुट सकेगा. केंद्र सरकार की ओर से बिहार को फाइनल लिस्ट भेजने के बाद ग्राम सभा होगी. ग्राम सभा में अगर आवेदक अयोग्य पाये जायेंगे तो, उनका दावा निरस्त कर दिया जाएगा. ग्राम सभा में भी केवल छंटनी ही होगी, यहां नाम नहीं जोड़ा जा सकेगा. जानकारी के मुताबिक, राज्यभर में संदिग्ध पाए गए 40 लाख आवेदनों की जांच कराई गई. इस जांच में भी गड़बड़ी की संभावना है. औरंगाबाद में 229104, बांका में 216557, बेगूसराय में 279648, भागलपुर 283822, भोजपुर में 319228, दरभंगा में 428058, गयाजी में 515581, कटिहार में 320275, मधुबनी में 577134, मुजफ्फरपुर में 444305, नालंदा में 255501, नवादा में 313245 आवेदन आये हैं. पश्चिम चंपारण में 406094, पटना में 396326, सहरसा में 213430, समस्तीपुर में 509741, सारण में 399483, सीवान में 242860, सुपौल में 271149 और वैशाली में 394513 लोगों ने आवास मांगा है. बताया जा रहा है कि पीएम आवास योजना के तहत 13 शर्तों को पूरा करने पर ही पक्का मकान मिलेगा. इसमें लाभुक के परिवार की वर्तमान आर्थिक स्थिति, कच्चे या पक्के मकान की स्थिति, जमीन की उपलब्धता, पेयजल सुविधा और पूर्व में किसी सरकारी आवास योजना का लाभ मिला है या नहीं समेत 13 मानकों को पूरा करना होगा.

अमित शाह सबसे असफल गृह मंत्री..', दरभंगा में कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने केंद्र सरकार को घेरा

दरभंगा: दिल्ली समेत बिहार और अन्य राज्यों में नीट परीक्षा को लेकर चल रहे प्रदर्शन के खिलाफ सरकार द्वारा छात्रों पर की गई कार्रवाई के विरोध में कांग्रेस की फैक्ट फाइंडिंग टीम बिहार के कई जिलों के दौरे पर रही. इस दौरान कांग्रेस की टीम लगातार अलग-अलग जिलों में जाकर प्रभावित छात्रों और स्थानीय पुलिस प्रशासन से सीधी बात कर रही है. कांग्रेस नेताओं ने इस आंदोलन के दौरान छात्रों के ऊपर दर्ज की गई सभी प्राथमिकियों को तुरंत वापस करने की मांग की है. इसी सिलसिले में शनिवार देर शाम नीट परीक्षा में कथित गड़बड़ी को लेकर देशभर में हुए छात्र आंदोलन के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई और छात्रों पर दर्ज एफआईआर के विरोध में कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत दरभंगा पहुंची हैं. उन्होंने जिला प्रशासन के अधिकारियों से मुलाकात कर आंदोलन में शामिल छात्रों पर हुई दंडात्मक कार्रवाई को वापस लेने और उन्हें पूरी तरह से राहत देने की मांग की. इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी के रील्स पर भी निशाना साधा. कहा कि मोदी जी के नेता उनसे रात 12 बजे रील्स बनवाते हैं. जिस नरेंद्र मोदी को देश से माफी मांगनी चाहिए, वे रील में छात्रों को माफ करने की बात करते हैं. जिस तरह से बिहार में छात्रों पर लाठीचार्ज किया गया. इसको लेकर सरकार से माफी मांगनी चाहिए. एके 47 से गोलियां चलायी गयी. इसको लेकर माफी कौन मांगेगा?

दरभंगा पहुंचीं कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने इस मौके पर जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में हुए आतंकी हमले की भी कड़ी निंदा की. केंद्र की मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि देश के जवानों और नागरिकों की शहादत बेहद दुखद और निंदनीय है तथा सरकार आतंकवाद पर प्रभावी नियंत्रण करने में पूरी तरह विफल है. जो लोग दावा करते थे कि आतंकवाद पर काबू पा लिया गया है, उनके दावे अब खोखले साबित हो रहे हैं. सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि मणिपुर लंबे समय से हिंसा की आग में जल रहा है, छात्रों पर लाठीचार्ज और पेललेट गन का इस्तेमाल किया जा रहा है. इसमें एक व्यक्ति की आंख चली गई है और एक बच्ची वेंटिलेटर पर जिंदगी और मौत से जूझ रही है.उन्होंने आगे कहा कि जम्मू-कश्मीर में लगातार आतंकी घटनाएं हो रही हैं और केंद्र सरकार वहां कानून-व्यवस्था बनाए रखने में नाकाम रही है. सुप्रिया श्रीनेत ने सवाल किया कि आखिर सरकार की जवाबदेही कहां है और जनता को सुरक्षा देने के उसके बड़े-बड़े दावे क्यों विफल हो रहे हैं.

बिहार में नगर परिषद के ईओ की पीट-पीटकर हत्या, पुलिस कस्टडी में ड्राइवर मिथिलेश

रोहतास: बिहार के रोहतास से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां डेहरी डालमियानगर नगर परिषद के एग्जीक्यूटिव ऑफिसर पर हमला कर पीट-पीटकर हत्या कर दी गई. घटना औरंगाबाद जिले के बारुण थाना क्षेत्र की है. घटना उस वक्त हुई जब कार्यपालक पदाधिकारी विमल कुमार अपने सरकारी वाहन से पटना जा रहे थे, तभी इस घटना को अंजाम दिया गया. घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस फिलहाल पूरे मामले की तफ्तीश कर रही है.घटना के संबंध में बताया जाता है कि शनिवार को डेहरी डालमियानगर नगर परिषद के एग्जीक्यूटिव ऑफिसर विमल कुमार आज डेहरी के ललन सिंह स्पोर्टिंग क्लब से 'एक शाम शहीदों के नाम' कार्यक्रम से लौटकर अपने सरकारी वाहन से पटना जा रहे थे. इसी दौरान वह बारुण थाना क्षेत्र में धनौती पुल के पास जैसे ही पहुंचे, तभी घात लगाए अपराधियों ने उनकी गाड़ी को कुछ देर तक ओवरटेक किया और फिर ड्राइवर की कनपटी पर पिस्तौल सटाकर वाहन को रुकवा दिया. इसी दौरान उन पर अपराधियों ने ताबड़तोड़ लाठी, डंडे और रॉड से हमला कर दिया. चर्चा यह भी है कि उन्हें गोली भी मारी गई है, पर फिलहाल इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है. घटना के बाद मौके की नजाकत को देखते हुए ड्राइवर फरार हो गया था. हालांकि ड्राइवर मिथिलेश कुमार को पुलिस ने कस्टडी में ले लिया है. पुलिस टीम द्वारा उसे हिरासत में रखकर फिलहाल गहन पूछताछ की जा रही है.इधर जैसे ही घटना की जानकारी स्थानीय लोगों को लगी, तो लोग मौके पर पहुंचे और फिर पुलिस को इसकी सूचना दी. मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों के सहयोग से उन्हें डेहरी के निजी अस्पताल लाया, जहां डॉक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें जमुहार स्थित नारायण मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया. बताया जाता है।

गाड़ी में विवाद के बाद लोहे की रॉड से हमला, ड्राइवर गिरफ्तार; डीएम बोले- मेडिकल टीम बनाई...

एजेंसी

औरंगाबाद : औरंगाबाद जिले में डेहरी-डालमियानगर नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी विमल कुमार की हत्या मामले में पुलिस ने तेजी दिखाते हुए खुलासा किया है. इस वारदात में पुलिस ने मृतक अधिकारी के ही चालक मिथिलेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया है. शुरूआती जांच में सामने आया है कि दोनों के बीच रास्ते में हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जिसके बाद चालक ने वारदात को अंजाम दिया. हालांकि पुलिस अब भी इस मामले को सिर्फ आपसी झगड़ा मानने के बजाय अन्य एंगल से भी जांच कर रही है.

पटना जाने के दौरान हुआ विवाद

मिली जानकारी के अनुसार, विमल कुमार अपनी स्कॉर्पियो गाड़ी से डेहरी से पटना जा रहे थे. वे बारुण थाना क्षेत्र के धनौती पुल और लख डीहरा के बीच नहर मार्ग से गुजर रहे थे. इसी दौरान सुनसान इलाके में किसी बात को लेकर अधिकारी

और चालक मिथिलेश कुमार के बीच कहासुनी शुरू हो गई. बताया जा रहा है कि विवाद धीरे-धीरे बढ़ता गया और देखते ही देखते हिंसक हो गया. आरोप है कि गुस्से में आकर चालक ने गाड़ी में रखी लोहे की रॉड उठा ली और विमल कुमार पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया. अचानक हुए इस हमले में अधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गए.

घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस

घटना की सूचना मिलते ही बारुण थानाध्यक्ष रंजीत कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे. पुलिस ने घटनास्थल की जांच शुरू की. घटना के बाद गंभीर रूप से घायल कार्यपालक पदाधिकारी विमल कुमार को आनन-फानन में इलाज के लिए रोहतास जिले के डेहरी प्रखंड स्थित जमुहार के नारायण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों की टीम ने तत्काल उनका उपचार शुरू किया. हालांकि उनकी हालत बेहद नाजुक बनी हुई थी. चिकित्सकों ने पूरी कोशिश की, लेकिन जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया गया. अस्पताल परिसर में इस खबर के फैलते ही अफरा-तफरी का माहौल बन गया और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ-साथ स्थानीय लोगों की भी भीड़ जुटने लगी.

परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल

चिकित्सकों द्वारा उन्हें मृत घोषित करने के बाद अस्पताल का माहौल बेहद गमगीन हो गया. पत्नी और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, उनकी चीख-पुकार ने हर किसी की आंखें नम कर दीं. अपनों को खोने का दर्द पूरे परिवार के चेहरे पर साफ दिखाई दे रहा है. इस हृदयविदारक घटना ने न सिर्फ परिवार, बल्कि पूरे प्रशासनिक महकमे को भी झकझोर दिया है.

3 लेयर की सुरक्षा में एश्ट, 100 जवानों की हुई तैनाती, काउंटिंग से पहले हाई अलर्ट में प्रशासन

एजेंसी

बांकीपुर: बांकीपुर उपचुनाव को लेकर 30 जुलाई को वोटिंग हुई. इसके बाद अब काउंटिंग की बारी है. 3 अगस्त को वोटों की गिनती की जाएगी. चुनाव में खड़े 25 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला होगा. काउंटिंग को लेकर जिला प्रशासन और निर्वाचन आयोग की तरफ से सभी तैयारियां कर ली गईं हैं.

25 केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की तैनाती

जानकारी के मुताबिक, एएन कॉलेज में कला भवन में काउंटिंग के लिए सारी व्यवस्थाएं की गई हैं. ईवीएम को तीन लेयर की सुरक्षा के साथ रखा गया है. 25 केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई है. साथ ही बीएसएपी के जवानों की भी तैनाती की गई है. तीन शिफ्ट में कुल 100 जवानों तैनाती है. हर एक शिफ्ट में 1 डीएसपी को लगाया गया है. इसके अलावा मतगणना के जगह पर सिर्फ अधिकृत

अधिकारियों, कर्मियों और प्रत्याशियों को जाने की अनुमति होगी.

सीसीटीवी कैमरे से होगी निगरानी

इस तरह से देखा जाए तो, स्ट्रॉन्ग रूम के आस-पास कड़ी सुरक्षा रहेगी और सीसीटीवी कैमरे से निगरानी की जाएगी. काउंटिंग शुरू होने से पहले स्ट्रॉन्ग रूम को प्रत्याशियों और उनके एजेंटों की मौजूदगी में ही खोला जाएगा. हर राउंड की गिनती के बाद रिजल्ट बताए जायेंगे. मुख्य रूप से उपचुनाव में मुकाबला बीजेपी, आरजेडी और जन सुराज के बीच माना जा रहा है.

30 राउंड में होगी गिनती

422 बूथों पर पड़े 1.30 लाख वोटों की गिनती 30 राउंड में होगी. वोटों की गिनती 14 टेबल पर होगी. दोपहर 12 बजे के बाद रुझान मिलना शुरू हो जाएगा. इसके बाद शाम चार बजे तक वोटों की गिनती की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी. सुबह आठ बजे वोटों की गिनती शुरू होगी. पहले पोस्टल बैलेट पेपर से डाले गये वोटों की गिनती के आधे घंटे बाद ईवीएम में पड़े वोटों की गिनती होगी.

क्यूआर कोड वाला पास होगा जारी

जानकारी के मुताबिक, एएन कॉलेज में प्रत्याशियों या उनके एजेंटों के लिए क्यूआर कोड वाला पास जारी होगा. क्यूआर कोड स्कैन करने के बाद ही प्रवेश और बाहर जाने की अनुमति होगी. बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के निवार्ची पदाधिकारी राघवेंद्र प्रताप सिंह पास जारी करेंगे. वोटों की गिनती के लिए 50 कर्मियों को लगाया जाएगा. इसके अतिरिक्त रिजर्व में भी कर्मी रहेंगे. सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहेंगे.

पूर्व रेलवे ने आरआरबी अभ्यर्थियों को दी बड़ी राहत, 16 दिनों चलेगी परीक्षा स्पेशल ट्रेन..पूरा शेड्यूल

एजेंसी

मुंगेर: रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) की लेवल-1 कंप्यूटर आधारित परीक्षा (CBT) में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए पूर्व रेलवे ने बड़ा कदम उठाया है. परीक्षा अवधि के दौरान यात्रियों और परीक्षार्थियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए भागलपुर और किऊल के बीच विशेष अनारक्षित परीक्षा स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है.

यहां के अभ्यर्थियों को मिलेगी राहत: इस ट्रेन के संचालन से बिहार के भागलपुर, जमालपुर, धरहरा, अभयपुर, कजरा, उरैन और किऊल रेलखंड के हजारों अभ्यर्थियों को समय पर परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में काफी सहूलियत मिलेगी.

इन तिथियों में चलेगी परीक्षा स्पेशल ट्रेन: सीपीआरओ शिबराम मांझी ने बताया कि गाड़ी संख्या 03409 भागलपुर-किऊल

परीक्षा स्पेशल (अनारक्षित) ट्रेन 3, 4, 5, 6, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 17, 18, 19, 20, 21 और 25 अगस्त 2026 को संचालित होगी। ट्रेन शाम 7:30 बजे (19:30 बजे) भागलपुर से रवाना होगी और रात 10:30 बजे (22:30 बजे) किऊल पहुंचेगी.

सभी स्टेशनों पर होगा ठहराव: सीपीआरओ ने जानकारी दी है कि यह परीक्षा स्पेशल ट्रेन दोनों दिशाओं में मार्ग के सभी स्टेशनों पर रुकेगी।इससे केवल भागलपुर और किऊल ही नहीं, बल्कि बीच के सभी छोटे-बड़े स्टेशनों से यात्रा करने वाले अभ्यर्थियों को भी सीधा लाभ मिलेगा. जिन छात्रों को देर रात या तड़के परीक्षा केंद्रों तक पहुंचना होता है, उनके लिए यह ट्रेन काफी उपयोगी साबित होगी.

हजारों अभ्यर्थियों को मिलेगा लाभ: सीपीआरओ ने बताया कि रेलवे भर्ती बोर्ड की लेवल-1 परीक्षा में बड़ी संख्या में अभ्यर्थी शामिल होते हैं।परीक्षा के दिनों में सामान्य ट्रेनों में अत्यधिक भीड़ होने के कारण छात्रों को यात्रा में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है. कई बार सीट नहीं मिलने और भीड़ के कारण समय पर परीक्षा केंद्र तक पहुंचना भी चुनौती बन जाता है. ऐसे में पूर्व रेलवे द्वारा चलाई जा रही यह विशेष अनारक्षित ट्रेन हजारों परीक्षार्थियों के लिए बड़ी राहत लेकर आई है.

भीड़ प्रबंधन के लिए रेलवे की विशेष तैयारी: उन्होंने बताया कि परीक्षा अवधि में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए आवश्यक परिचालन व्यवस्था की गई है. रेलवे अधिकारियों को भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा और ट्रेनों के समयबद्ध संचालन के निर्देश दिए गए हैं ताकि अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े.

समय से पहले पहुंचे स्टेशन: रेलवे ने परीक्षार्थियों से अपील की है कि वे समय से पहले स्टेशन पहुंचे, वैध टिकट लेकर यात्रा करें तथा अपने प्रवेश पत्र, पहचान पत्र और अन्य आवश्यक दस्तावेज साथ रखें. रेलवे प्रशासन ने उम्मीद जताई है कि इस विशेष ट्रेन के संचालन से परीक्षा अवधि में यात्रियों की आवाजाही अधिक सुगम होगी और अभ्यर्थी बिना किसी परेशानी के अपने परीक्षा केंद्र तक पहुंच सकेंगे.

जब शिक्षक बने केंद्रीय मंत्री, मुजफ्फरपुर के स्कूल में पढ़ाई मैथ, फिजिक्स और बायोलॉजी

एजेंसी

मुजफ्फरपुर: बिहार के मुजफ्फरपुर सांसद एवं केंद्रीय जलशक्ति राज्यमंत्री डॉ. राजभूषण चौधरी निषाद शनिवार को अचानक ब्रह्मपुरा के दाऊदपुर कोठी स्थित गवर्नमेंट एसएस स्कूल (जिला स्कूल) के निरीक्षण पर पहुंचे. उनके साथ जिला शिक्षा पदाधिकारी भी मौजूद थे.

क्लासरूम में पहुंचे सांसद: निरीक्षण के दौरान मंत्री जी सीधे कक्षा 10 में दाखिल हो गए और छात्रों से पढ़ाई को लेकर बातचीत शुरू की. इसके बाद उन्होंने खुद ब्लैकबोर्ड संभाला और शिक्षक की भूमिका निभाने लगे.

एक घंटे तक कराई पढ़ाई: करीब एक घंटे तक उन्होंने गणित के त्रिकोणमिति के सवाल हल कराए. साथ ही फिजिक्स और बायोलॉजी के महत्वपूर्ण विषयों को सरल भाषा में विद्यार्थियों को समझाया. छात्रों को यह देखकर काफी हैरानी हुई.

लक्ष्य और मेहनत की दी सलाह: विशेष कक्षा में मंत्री ने सिर्फ विषय ही नहीं पढ़ाए, बल्कि लक्ष्य निर्धारित

कर मेहनत से पढ़ाई करने, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और अनुशासित जीवन जीने की भी सलाह दी. उन्होंने भविष्य को लेकर गंभीर रहने पर जोर दिया.

छात्रों में दिखा उत्साह: केंद्रीय मंत्री को शिक्षक की तरह पढ़ाते देख छात्र-छात्राएं उत्साहित नजर आए. उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास नहीं हो रहा था कि एक केंद्रीय मंत्री इतने सहज और प्रभावी ढंग से पढ़ा सकते हैं. मंत्री ने जीवन में आगे बढ़ने के लिए कई प्रेरणादायक बातें भी बताई.

मंत्री ने कहा पढ़ना-पढ़ाना है पसंद: डॉ. राजभूषण चौधरी निषाद ने कहा कि उन्हें आज भी पढ़ना और पढ़ाना बेहद पसंद है. जब भी अवसर मिलता है, वे स्कूल जाकर बच्चों के बीच समय बिताते हैं. उन्होंने प्रधानमंत्री के आह्वान के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बच्चों को प्रेरित करने को सबकी जिम्मेदारी बताया.

बदल रही सोने-चांदी की चाल, क्या करें निवेशक

घबराएं नहीं, समझदारी से लें निवेश का फैसला ▸▸ अमेरिकी फेडरल रिजर्व के फैसले से पहले बढ़ी सतर्कता ▸▸ मजबूत डॉलर और वैश्विक दबाव से बुलियन बाजार में गिरावट

अलर्ट

सोने और चांदी की कीमतों में एक बार फिर तेज उतार-चढ़ाव ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना करीब 1.48 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 2.24 लाख रुपये प्रति किलोग्राम तक फिसल गई। इस गिरावट की प्रमुख वजह अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति बैठक से पहले बाजार में बढ़ी सतर्कता, डॉलर की मजबूती और अंतरराष्ट्रीय बुलियन बाजार में आई कमजोरी मानी जा रही है। हालांकि विशेषज्ञ इसे लंबी अवधि के नजरिए से बड़ी चिंता का विषय नहीं मान रहे हैं। उनका कहना है कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, केंद्रीय बैंकों की लगातार खरीद, गोल्ड ईटीएफ में बढ़ते निवेश और एशियाई देशों से मजबूत मांग जैसे कारक अब भी सोने को सहारा दे रहे हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या यह गिरावट निवेशकों के लिए खतरे की घंटी है या फिर लंबे समय के निवेशकों के लिए बेहतर खरीदारी का अवसर। आने वाले दिनों में फेड के फैसले पर बाजार की अगली दिशा काफी हद तक निर्भर करेगी। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या यह गिरावट निवेशकों के लिए चिंता का विषय है या फिर खरीदारी का अवसर?

गिरावट की सबसे बड़ी वजह

इस गिरावट की सबसे बड़ी वजह अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति बैठक से पहले बाजार में बढ़ी सतर्कता है। निवेशकों को उम्मीद है कि फेड के ब्याज दरों पर आने वाले फैसले से आने वाले महीनों में सोने और चांदी की दिशा तय होगी। इसके अलावा अमेरिकी डॉलर में मजबूती भी बुलियन बाजार पर दबाव बना रही है। डॉलर इंडेक्स एक महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गया है। चूंकि वैश्विक स्तर पर सोने और चांदी का कारोबार डॉलर में होता है, इसलिए डॉलर मजबूत होने पर अन्य देशों के खरीदारों के लिए ये धातुएं महंगी हो जाती हैं।

फेड का फैसला क्यों होता है इतना अहम?

सोना और चांदी ब्याज नहीं देते। इसलिए जब केंद्रीय बैंक ब्याज दरें ऊंची रखते हैं तो निवेशक अधिक रिटर्न देने वाले विकल्पों की ओर आकर्षित होते हैं। इससे बुलियन की मांग घटती है। इसके विपरीत यदि ब्याज दरों में कटौती की संभावना बनती है या फेड नरम रुख अपनाता है, तो सोना निवेशकों के लिए फिर आकर्षक बन जाता है। यही वजह है कि पूरी दुनिया के निवेशकों की नजर फेडरल रिजर्व की हर बैठक पर रहती है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि यदि फेड भविष्य में दरों में कटौती के संकेत देता है तो सोने और चांदी में फिर से तेजी लौट सकती है। वहीं अपेक्षा से अधिक सख्त रुख अपनाने पर कीमतों में कुछ और दबाव देखने को मिल सकता है।

विशेषज्ञ क्या कह रहे

एलकेपी सिक्योरिटीज के कमोडिटी एवं करेंसी रिसर्च विश्लेषकों का कहना है कि वैश्विक बुलियन बाजार में कमजोरी और भारतीय रुपये की मजबूती ने एमसीएक्स पर सोने की कीमतों को प्रभावित किया है। उनका मानना है कि फिलहाल निवेशक फेड के फैसले का इंतजार कर रहे हैं और उसी के आधार पर बाजार अगली दिशा तय करेगा। कोटक सिक्योरिटीज के अनुसार डॉलर इंडेक्स में मजबूती के कारण सोने और चांदी दोनों पर दबाव बना हुआ है। हालांकि उनका कहना है कि बाजार में उतार-चढ़ाव फिलहाल वैश्विक घटनाक्रमों पर निर्भर रहेगा।

क्या सोने की तेजी खत्म हुई

विश्लेषकों की राय इससे अलग है। उनका मानना है कि अल्पकालिक गिरावट के बावजूद सोने की लंबी अवधि की तस्वीर अभी भी सकारात्मक बनी हुई है। इसके पीछे कई मजबूत कारण हैं।

- वैश्विक स्तर पर आर्थिक अनिश्चितता।
- केंद्रीय बैंकों द्वारा लगातार सोने की खरीद।
- गोल्ड ईटीएफ में निवेश का बढ़ना।
- चीन और अन्य एशियाई देशों में मजबूत भौतिक मांग।
- भू-राजनीतिक तनाव की संभावना।
- इन सभी कारणों से सोने को लंबे समय में समर्थन मिलता रह सकता है।

चांदी में उतार-चढ़ाव ज्यादा क्यों

चांदी केवल निवेश धातु नहीं बल्कि औद्योगिक धातु भी है। इसका उपयोग सोलर पैनल, इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिक वाहन और विभिन्न औद्योगिक उत्पादों में तेजी से बढ़ रहा है। इस कारण चांदी की कीमतें सोने की तुलना में अधिक तेजी से ऊपर और नीचे जाती हैं। यदि वैश्विक अर्थव्यवस्था मजबूत रहती है तो औद्योगिक मांग बढ़ने से चांदी में फिर अच्छी तेजी देखने को मिल सकती है। मौजूदा गिरावट में घबराकर निवेश बेचने की जरूरत नहीं है। यदि आपका निवेश लंबी अवधि का है तो ऐसे उतार-चढ़ाव सामान्य माने जाते हैं।

निवेशकों के लिए कुछ महत्वपूर्ण सुझाव

- ▸▸ एकमुश्त बड़ी खरीदारी करने के बजाय चरणबद्ध निवेश करें।
- ▸▸ पोर्टफोलियो का सीमित हिस्सा ही सोने और चांदी में रखें।
- ▸▸ यदि कीमतों में और गिरावट आती है तो उसे खरीदारी के अवसर के रूप में देखा जा सकता है।
- ▸▸ फेडरल रिजर्व के फैसले और डॉलर की चाल पर नजर बनाए रखें।
- ▸▸ अल्पकालिक उतार-चढ़ाव के बजाय दीर्घकालिक लक्ष्य को प्राथमिकता दें।

केवल कमजोरी के रूप में नहीं

सोने और चांदी में आई मौजूदा गिरावट को केवल कमजोरी के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों और निवेशकों की सतर्कता का परिणाम है। विशेषज्ञों का मानना है कि लंबी अवधि में सोना अभी भी पोर्टफोलियो का महत्वपूर्ण हिस्सा बना रहेगा। ऐसे में घबराहट में फैसले लेने के बजाय बाजार की दिशा, वैश्विक संकेतों और अपने निवेश लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए रणनीति बनाना अधिक समझदारी होगी। फिलहाल फेडरल रिजर्व के फैसले के बाद ही बुलियन बाजार की अगली बड़ी चाल स्पष्ट होने की संभावना है।

आने वाले दिनों में अमेरिकी फेडरल रिजर्व का ब्याज दर संबंधी फैसला, डॉलर इंडेक्स की चाल, अमेरिका के महंगाई और रोजगार के आंकड़े, वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाक्रम तथा केंद्रीय बैंकों की खरीदारी बुलियन बाजार की दिशा तय करेंगे। यदि फेड नरम रुख अपनाता है तो सोना और चांदी दोबारा मजबूती दिखा सकते हैं। वहीं मजबूत डॉलर और ऊंची ब्याज दरें बनी रहीं तो कीमतों में कुछ समय तक दबाव जारी रह सकता है।

एफडी तोड़ें या उसी पर लोन लें? जरूरत के समय लें सही फैसला

अचानक पैसों की जरूरत में जल्दबाजी न करें

बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) आज भी निवेश का सबसे भरोसेमंद विकल्प माना जाता है। सुरक्षित रिटर्न, निश्चित ब्याज और पूंजी की सुरक्षा के कारण लाखों लोग अपनी बचत एफडी में निवेश करते हैं। लेकिन जीवन में कई बार ऐसी परिस्थितियां आ जाती हैं, जब अचानक बड़ी रकम की जरूरत पड़ जाती है। ऐसे समय में सबसे बड़ा सवाल होता है कि क्या एफडी को समय से पहले तोड़ दिया जाए या फिर उसी एफडी के बदले बैंक से लोन लिया जाए। वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि इसका कोई एक जवाब सभी पर लागू नहीं होता। सही विकल्प इस बात पर निर्भर करता है कि आपको कितने समय के लिए पैसे चाहिए, कितनी राशि की जरूरत है और आपकी लोन चुकाने की क्षमता कैसी है। यदि सही निर्णय लिया जाए तो ब्याज के नुकसान से बचा जा सकता है और निवेश भी सुरक्षित रह सकता है।

एफडी तोड़ने पर क्या होता है?

एफडी एक निश्चित अवधि के लिए किया गया निवेश होता है। यदि इसे मैच्योरिटी से पहले बंद कराया जाता है तो बैंक आमतौर पर तय ब्याज दर का पूरा लाभ नहीं देता। कई बैंक प्री-मैच्योर विदड्रॉल पर ब्याज दर कम कर देते हैं और साथ ही पेनाल्टी भी वसूलते हैं। इसका सीधा असर आपके कुल रिटर्न पर पड़ता है। मान लीजिए आपने पांच साल की एफडी कराई है और उसे दो साल बाद ही तोड़ना पड़ जाए। ऐसी स्थिति में बैंक आपको उसी अवधि के हिसाब से ब्याज देगा और उस पर भी जुर्माना काट सकता है। इससे आपकी अनुमानित कमाई कम हो जाती है। हालांकि यदि आपको लंबे समय तक पैसों की जरूरत है और लोन पर चुकाया जाने वाला ब्याज, एफडी तोड़ने से होने वाले नुकसान से अधिक है, तो एफडी बंद कराना बेहतर निर्णय हो सकता है। इससे भविष्य में ब्याज का अतिरिक्त बोझ नहीं उठाना पड़ेगा।

एफडी पर कैसे काम करता है लोन

अधिकांश बैंक अपनी एफडी के बदले लोन या ओवरड्राफ्ट की सुविधा देते हैं। आमतौर पर बैंक एफडी राशि का 75 से 90 प्रतिशत तक लोन उपलब्ध कराते हैं। इस दौरान आपकी एफडी जारी रहती है और उस पर पहले की तरह ब्याज मिलता रहता है। लोन पर ब्याज दर सामान्यतः एफडी की ब्याज दर से 1 से 2 प्रतिशत अधिक होती है। उदाहरण के लिए यदि एफडी पर 7 प्रतिशत ब्याज मिल रहा है तो बैंक लगभग 8 से 9 प्रतिशत की दर पर लोन दे सकता है। इसलिए यह पर्सनल लोन की तुलना में काफी सस्ता विकल्प माना जाता है।

कब लेना चाहिए एफडी पर लोन?

यदि पैसों की जरूरत कुछ महीनों या कम अवधि के लिए है और आपको भरोसा है कि समय पर राशि वापस कर देंगे, तो एफडी पर लोन लेना अधिक समझदारी भरा फैसला हो सकता है। इससे आपकी एफडी सुरक्षित रहती है, ब्याज मिलता रहता है और जरूरत के समय तुरंत नकदी भी उपलब्ध हो जाती है। इसके अलावा एफडी पर लोन लेने की प्रक्रिया भी अपेक्षाकृत आसान होती है। चूंकि बैंक के पास आपकी एफडी पहले से सुरक्षा के रूप में होती है, इसलिए दस्तावेज कम लगते हैं और लोन जल्दी स्वीकृत हो जाता है।

कब तोड़नी बेहतर रहेगी एफडी

यदि आपको लंबे समय के लिए बड़ी राशि की आवश्यकता है और निकट भविष्य में लोन चुकाने की संभावना नहीं है, तो केवल ब्याज का बोझ बढ़ाने के बजाय एफडी तोड़ना बेहतर हो सकता है। ऐसी स्थिति में हर महीने ईएमआई या ब्याज चुकाने का दबाव नहीं रहेगा। हालांकि एफडी तोड़ने से पहले यह जरूर पता कर लें कि बैंक कितना ब्याज काटेगा और प्री-मैच्योर पेनाल्टी कितनी होगी। कई बार नुकसान अपेक्षा से कम होता है और एफडी बंद करना ज्यादा लाभदायक साबित होता है।

दोनों विकल्पों की तुलना

एफडी तोड़ने का सबसे बड़ा नुकसान ब्याज में कमी और पेनाल्टी है, लेकिन इसके बाद किसी प्रकार की देनदारी नहीं रहती। दूसरी ओर एफडी पर लोन लेने से निवेश सुरक्षित रहता है और एफडी पर ब्याज भी मिलता रहता है, लेकिन लोन की राशि पर अतिरिक्त ब्याज देना पड़ता है। यानी यदि जरूरत अस्थायी है तो एफडी पर लोन बेहतर विकल्प हो सकता है, जबकि लंबी अवधि की जरूरत में एफडी तोड़ना अधिक व्यावहारिक साबित हो सकता है।

इन बातों पर करें विचार

■ पैसों की जरूरत कितने समय के लिए है? ■ एफडी तोड़ने पर कितना ब्याज और कितना जुर्माना कटेगा? ■ एफडी पर लोन लेने पर कुल कितना ब्याज देना होगा? ■ क्या आपकी आय इतनी है कि समय पर लोन चुका सकें? ■ क्या आपके पास कोई अन्य बचत या आपातकालीन फंड उपलब्ध है?

पहले बनाएं इमरजेंसी फंड

वित्तीय योजनाकारों का मानना है कि हर व्यक्ति के पास कम से कम छह महीने के खर्च के बराबर इमरजेंसी फंड होना चाहिए। यदि ऐसा फंड पहले से तैयार है तो अचानक पैसों की जरूरत पड़ने पर एफडी तोड़ने या लोन लेने की नौबत कम आएगी।

---

40 की उम्र में कैसे बनाएं मजबूत म्यूचुअल फंड पोर्टफोलियो

सही एसेट एलोकेशन और गलतियों से बचना है जरूरी

अक्सर माना जाता है कि 40 वर्ष की उम्र के बाद निवेश में जोखिम कम कर देना चाहिए, लेकिन वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि यह पूरी तरह सही सोच नहीं है। यदि रिटायरमेंट में अभी 15 से 20 वर्ष का समय बाकी है, तो यह लंबी अवधि में संपत्ति बनाने का अच्छा अवसर है। इस उम्र में सबसे जरूरी है कि निवेश को उम्र के बजाय वित्तीय लक्ष्यों और उनकी समयसीमा के अनुसार व्यवस्थित किया जाए। विशेषज्ञों के अनुसार, 40 वर्ष की उम्र तक अधिकांश लोगों के सामने बच्चों की उच्च शिक्षा, शादी, घर खरीदना और रिटायरमेंट जैसे कई लक्ष्य एक साथ होते हैं। ऐसे में हर लक्ष्य के लिए अलग निवेश रणनीति बनानी चाहिए। अल्पकालिक जरूरतों के लिए सुरक्षित निवेश और लंबी अवधि के लक्ष्यों के लिए इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंड बेहतर विकल्प हो सकते हैं।

रिटायरमेंट को दें अलग पहचान

बाजार के जानकारों का कहना है कि रिटायरमेंट को सामान्य निवेश का हिस्सा नहीं, बल्कि एक अलग दीर्घकालिक लक्ष्य मानना चाहिए। जिन लक्ष्यों की अवधि पांच वर्ष या उससे अधिक है, उनमें लगभग 80% निवेश इक्विटी और 20% डेट में रखा जा सकता है। वहीं, दो वर्ष से कम अवधि वाले लक्ष्यों के लिए पूरी राशि डेट फंड में रखना अधिक सुरक्षित माना जाता है। उनका कहना है कि सोना भी पोर्टफोलियो में शामिल किया जा सकता है। यह मुद्रास्फीति और आर्थिक अनिश्चितता के समय सुरक्षा कवच का काम करता है। लंबी अवधि के पोर्टफोलियो में डेट हिस्से का एक भाग गोल्ड से बदला जा सकता है।

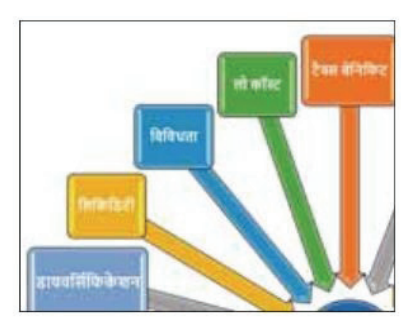

कितनी हो डेट की हिस्सेदारी

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के सीनियर इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजिस्ट गिबिन जॉन के अनुसार, यदि निवेशक की जोखिम उठाने की क्षमता अच्छी है और रिटायरमेंट में अभी लंबा समय है, तो 60 से 80 प्रतिशत तक निवेश इक्विटी आधारित योजनाओं में किया जा सकता है। हालांकि यदि निकट भविष्य में किसी बड़े खर्च की योजना है, तो इक्विटी का अनुपात कम रखना चाहिए।

किन श्रेणियों को दें प्राथमिकता

विशेषज्ञों का मानना है कि लंबी अवधि के निवेश के लिए पोर्टफोलियो में विभिन्न श्रेणियों के फंड शामिल होने चाहिए। इनमें प्रमुख हैं।

- फ्लेक्सी कैप फंड
- मल्टी कैप फंड
- लार्ज कैप फंड
- मिड कैप फंड
- स्मॉल कैप फंड
- डिविडेंड यील्ड फंड
- फोकस्ड फंड
- बाजार पूंजीकरण के आधार पर लगभग 50–55% लार्ज कैप, 20–25% मिड कैप और शेष स्मॉल कैप में निवेश रखने की सलाह दी गई है। इससे बाजार के विभिन्न चक्रों में संतुलित रिटर्न मिलने की संभावना रहती है।

हर साल बढ़ाएं एसआईपी

विशेषज्ञों का सुझाव है कि जैसे-जैसे आय बढ़े, वैसे-वैसे एसआईपी भी बढ़ानी चाहिए। यदि हर वर्ष 10 से 15 प्रतिशत की स्टेप-अप एसआईपी की जाए तो रिटायरमेंट के समय बनने वाला फंड काफी बड़ा हो सकता है।

हर वर्ष करें पोर्टफोलियो की समीक्षा

निवेशकों को वर्ष में कम से कम एक बार अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करनी चाहिए। यह देखना जरूरी है कि एसेट एलोकेशन तय लक्ष्य के अनुसार है या नहीं, वित्तीय लक्ष्य बदले हैं या नहीं और जोखिम उठाने की क्षमता में कोई बदलाव आया है या नहीं। यदि बाजार में उतार-चढ़ाव के कारण निवेश का अनुपात बदल गया है, तो रीबैलेंसिंग करनी चाहिए।

इन गलतियों से बचें

विशेषज्ञों के अनुसार 40 की उम्र में सबसे बड़ी गलती यह है कि लोग आय बढ़ने के बावजूद निवेश नहीं बढ़ाते। दूसरी बड़ी भूल रिटायरमेंट के लिए अलग रणनीति न बनाना है। कई लोग अपनी अधिकांश बचत अभी भी केवल फिक्स्ड डिपॉजिट जैसे पारंपरिक साधनों में रखते हैं, जो लंबे समय में महंगाई को मात देने में अक्सर सक्षम नहीं होते। इसके अलावा कम से कम छह महीने के खर्च के बराबर इमरजेंसी फंड, पर्याप्त स्वास्थ्य बीमा और टर्म इंश्योरेंस भी होना चाहिए, ताकि किसी आपात स्थिति में लंबी अवधि के निवेश को बीच में न तोड़ना पड़े।

यह रखें ध्यान

40 वर्ष की उम्र निवेश की दौड़ में देर नहीं है। यदि सही एसेट एलोकेशन, नियमित एसआईपी, वार्षिक पोर्टफोलियो समीक्षा और वित्तीय लक्ष्यों के अनुरूप निवेश रणनीति अपनाई जाए, तो अगले 15-20 वर्षों में मजबूत रिटायरमेंट कॉर्पस तैयार किया जा सकता है। उम्र से अधिक महत्वपूर्ण है अनुशासित निवेश और समय पर सही निर्णय।

---

10 साल में 1 लाख को 5 लाख से ज्यादा बनाने वाले टॉप म्यूचुअल फंड

लंबी अवधि के निवेश में स्मॉल और मिडकैप फंडों ने किया शानदार प्रदर्शन, रणनीतियां बेहतर परिणाम देने में मददगार

निवेश मंत्रा

म्यूचुअल फंड लंबे समय में संपत्ति बनाने का एक प्रभावी माध्यम माना जाता है। बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद यदि निवेशक धैर्य बनाए रखें और लंबी अवधि के लिए निवेश करें, तो अच्छे फंड बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखते हैं। पिछले 10 वर्षों के प्रदर्शन पर नजर डालें तो कई ऐसी म्यूचुअल फंड योजनाएं सामने आई हैं, जिन्होंने निवेशकों के 1 लाख रुपये के एकमुश्त निवेश को 5 लाख रुपये से अधिक में बदल दिया। खास बात यह है कि इन सभी योजनाओं का एक्सपेंस रेशियो 1 प्रतिशत से कम रहा, जिससे निवेशकों पर फंड प्रबंधन की लागत भी कम पड़ी। हालांकि वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी फंड का चयन केवल पिछले रिटर्न के आधार पर नहीं करना चाहिए, बल्कि निवेशक को अपने वित्तीय लक्ष्य, जोखिम उठाने की क्षमता और निवेश अवधि को भी ध्यान में रखना चाहिए।

किस फंड का कैसा रिटर्न

- पिछले 10 वर्षों के आंकड़ों के अनुसार निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप डायरेक्ट फंड ने करीब 21.27 प्रतिशत का वार्षिक रिटर्न दिया। इस प्रदर्शन के आधार पर 1 लाख का निवेश बढ़कर लगभग 6.87 लाख रुपये हो गया। यह फंड लंबे समय से स्मॉल कैप श्रेणी में बेहतर प्रदर्शन करने वाले फंडों में गिना जाता है।
- इनवेस्को इंडिया मिड कैप डायरेक्ट फंड दूसरे स्थान पर रहा। इसने लगभग 20.03 प्रतिशत का वार्षिक रिटर्न दिया और 1 लाख का निवेश करीब 6.20 लाख तक पहुंच गया।
- एक्सिस स्मॉल कैप फंड ने 19.51 प्रतिशत वार्षिक रिटर्न के साथ निवेश को लगभग 5.94 लाख, जबकि एडेलवाइस मिड कैप फंड ने 19.47 प्रतिशत रिटर्न देकर इसे 5.92 लाख रुपये तक पहुंचाया।

एसआईपी निवेशकों को लाभ

सिर्फ एकमुश्त निवेश ही नहीं, बल्कि नियमित निवेश यानी सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) करने वाले निवेशकों को भी इन योजनाओं से अच्छा लाभ मिला। यदि किसी निवेशक ने पिछले 10 वर्षों तक हर माह 10,000 की एसआईपी की होती, तो कई योजनाओं में उसका निवेश 35 लाख से 38 लाख रुपये के बीच पहुंच जाता।

- एसआईपी प्रदर्शन में क्वांट मल्टी एसेट एलोकेशन फंड सबसे आगे रहा। इसके बाद बैंक ऑफ इंडिया मैन्युफैक्चरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड, निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड, इनवेस्को इंडिया मिड कैप फंड, एडेलवाइस मिड कैप फंड, डीएसपी इंडिया टीआईजीईआर फंड, एलआईसी एमएफ इंफ्रास्ट्रक्चर फंड, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इंफ्रास्ट्रक्चर फंड, निप्पॉन इंडिया ग्रोथ मिड कैप फंड और एक्सिस स्मॉल कैप फंड का प्रदर्शन भी उल्लेखनीय रहा।

स्माल और मिडकैप फंडों का रहा दबदबा

टॉप 10 की सूची में सबसे अधिक फंड स्मॉल कैप और मिड कैप श्रेणी के हैं। इसका कारण यह है कि पिछले एक दशक में इन श्रेणियों की कई कंपनियों ने तेज विकास दर्ज किया, जिसका लाभ इन फंडों को मिला। हालांकि स्मॉल और मिडकैप फंडों में जोखिम भी अधिक होता है। बाजार में गिरावट आने पर इनमें उतार-चढ़ाव बड़े कैप फंडों की तुलना में ज्यादा देखा जाता है। इसलिए इनमें निवेश करने वालों को लंबी अवधि का नजरिया रखना चाहिए और अल्पकालिक उतार-चढ़ाव से घबराना नहीं चाहिए।

निवेश से पहले रखें इन बातों का ध्यान

किसी भी म्यूचुअल फंड में निवेश करने से पहले केवल पिछले रिटर्न पर भरोसा नहीं करना चाहिए। निवेशकों को फंड का निवेश उद्देश्य, पोर्टफोलियो, फंड मैनेजर का अनुभव, जोखिम स्तर, एक्सपेंस रेशियो और अपने वित्तीय लक्ष्य का आकलन करना चाहिए। इसके अलावा, निवेश को विभिन्न श्रेणियों में बांटकर जोखिम कम किया जा सकता है। नियमित अंतराल पर पोर्टफोलियो की समीक्षा करना भी जरूरी है ताकि बदलती बाजार परिस्थितियों के अनुसार निवेश रणनीति में आवश्यक बदलाव किए जा सकें।

एक्सपेंस रेशियो क्यों है महत्वपूर्ण

म्यूचुअल फंड में एक्सपेंस रेशियो वह शुल्क होता है, जो फंड हाउस निवेशकों के पैसे के प्रबंधन के लिए वसूलता है। यदि यह शुल्क कम होता है, तो निवेश का बड़ा हिस्सा बाजार में लगा रहता है और लंबे समय में निवेशक को बेहतर नेट रिटर्न मिल सकता है। यही कारण है कि विशेषज्ञ निवेशकों को रिटर्न के साथ-साथ एक्सपेंस रेशियो पर भी ध्यान देने की सलाह देते हैं। इस सूची में शामिल सभी फंडों का एक्सपेंस रेशियो 1 प्रतिशत से कम है, जो निवेशकों के लिए सकारात्मक संकेत माना जाता है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ

वित्तीय सलाहकारों के अनुसार, पिछले 10 वर्षों का शानदार प्रदर्शन भविष्य में भी उसी तरह के रिटर्न की गारंटी नहीं देता। बाजार की स्थिति, ब्याज दरों, आर्थिक विकास और वैश्विक परिस्थितियों के अनुसार फंडों का प्रदर्शन बदल सकता है। इसलिए निवेशकों को किसी एक फंड या एक ही श्रेणी पर पूरी तरह निर्भर रहने के बजाय विविधीकृत पोर्टफोलियो बनाना चाहिए। लंबी अवधि, अनुशासित निवेश और नियमित एसआईपी जैसी रणनीतियां बेहतर परिणाम देने में मदद कर सकती हैं।

पैरा स्पोर्ट्स: भारत का शानदार प्रदर्शन
3 गोल्ड, 2 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज मेडल

ग्लासगो

कॉमनवेल्थ गेम्स में अब तक के सबसे बेहतरीन प्रदर्शन के साथ भारत का 'पैरा इवेंट्स' में अभियान समाप्त हुआ, जिसमें देश ने कुल 7 मेडल जीते। इनमें 3 गोल्ड, 2 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज मेडल शामिल रहे। झंडू कुमार देश के लिए कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में मेडल का खाता खोलने वाले भारतीय रहे। दो ग्रुप वाले मुकाबले में झंडू ने 130.9 के बेस्ट रिजल्ट के साथ 'ग्रुप-बी' में टॉप किया। उन्होंने युगांडा के डेनिस म्बाजीरा (114.1) और ऑस्ट्रेलिया के बेन राइट (110.9) को आसानी से पीछे छोड़ते हुए मेडल की दौड़ में जगह बनाई।

तीन इवेंट्स में पोडियम पर दो भारतीय की मौजूदगी

इसके अलावा, तीन इवेंट्स में पोडियम पर दो भारतीय खिलाड़ियों की मौजूदगी रही। इसमें महिलाओं का शॉट पुट एफ57, पुरुषों का शॉट पुट एफ57 और पुरुषों की 100 मीटर एफ47 रेस शामिल रही। 'विमेंस शॉट पुट एफ57' प्रतियोगिता में देश को एक गोल्ड और एक ब्रॉन्ज मेडल हाथ लगा। पैरा एथलीट शर्मिला धनखड़ ने फाइनल में 9.81 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो करते हुए पहला स्थान हासिल किया। वहीं, शिल्पा कंचुगरकोप्पालु शायला ने 7.26 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ ब्रॉन्ज जीता।

पुरुषों की 100 मीटर टी47 दौड़ में भारत को गोल्ड के साथ सिल्वर

इसके बाद 'पुरुषों की 100 मीटर टी47 दौड़' में भारत ने गोल्ड के साथ सिल्वर मेडल हासिल किया। दिलीप महादु गावित ने 10.71 सेकंड के समय के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि मोहम्मद बासिल मोसिंगनाकथ ने 10.83 सेकंड के साथ सिल्वर अपने नाम किया। इस स्पर्धा का ब्रॉन्ज इंग्लैंड के केविन सैंटोस (10.85 सेकंड) ने हासिल किया।

सिर्फ 30 मिनट में 2 गोल्ड रिंग में प्रीति के बाद जैस्मिन ने दिखाया दम

भारतीय मुक्केबाज जैसमीन लंबोरिया और प्रीति पवार ने राष्ट्रमंडल खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं के क्रमशः 57 किग्रा और 54 किग्रा वर्ग के फाइनल मुकाबलों में स्वर्ण पदक अपने नाम किए लेकिन पुरुषों के 55 किग्रा वर्ग में जादूमणि सिंह को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। प्रीति ने महिलाओं के 54 किग्रा फाइनल में कनाडा की स्कारलेट डेलगाडो को एकतरफा मुकाबले में 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इसके बाद मौजूदा विश्व चैंपियन जैसमीन ने भी उत्तरी आयरलैंड की गत चैंपियन माइकेला वॉल्श को 5-0 के समान अंतर से मात देकर स्वर्ण पदक पर कब्जा किया। प्रीति के बाद जैसमीन ने गोल्ड मेडल अपने नाम किया, दोनों मुकाबले में 30 मिनट का अंतर रहा।

कड़े संघर्ष के बाद हारे जादूमणि

दिन के तीसरे भारतीय मुक्केबाजी मुकाबले में जादूमणि सिंह को ऑस्ट्रेलिया के जाई डिक्सन के खिलाफ कड़े संघर्ष के बाद 0-5 से हार का सामना करना पड़ा और उन्हें रजत पदक मिला।
लंबे कद के ऑस्ट्रेलियाई प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ शुरुआत में संघर्ष करने के बाद जादूमणि ने शानदार वापसी करते हुए पहला राउंड 3-2 से अपने नाम किया। डिक्सन ने हालांकि दूसरे राउंड में जोरदार वापसी की और सभी जज के सर्वसम्मत फैसले से 5-0 से जीत दर्ज की। ऑस्ट्रेलियाई मुक्केबाज ने इस बढ़त को बरकरार रखते हुए मुकाबला अपने नाम किया और भारत की स्वर्णिम लय को रोक दिया।

शॉट पुट एफ57

भारत ने गोल्ड के साथ जीता सिल्वर

कॉमनवेल्थ गेम्स में शनिवार को पैरा एथलेटिक्स में भारत ने इतिहास रच दिया। सोमन राणा ने पुरुषों के शॉट पुट एफ57 इवेंट में देश के लिए पहला गोल्ड मेडल जीता। वहीं, शुभम जुयाल ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया। कॉमनवेल्थ गेम्स में पुरुषों के शॉट पुट एफ57 इवेंट में यह भारत का पहला गोल्ड मेडल था और साथ ही इस इवेंट में देश की पहली 'डबल पोडियम' फिनिश भी थी। सोमन राणा ने अपने दूसरे प्रयास में 13.40 मीटर का विनिंग थ्रो किया, जिसे प्रतियोगिता के बाकी समय में कोई भी प्रतिद्वंद्वी पार नहीं कर सका। वहीं, शुभम ने अपने छठे और अंतिम प्रयास में 13.28 मीटर का थ्रो करते हुए सिल्वर मेडल की स्थिति हासिल की। सेड्रिक इड्रिस लेकेजो अजमदजी ने 12.57 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ कैमरून के लिए ब्रॉन्ज मेडल जीता।

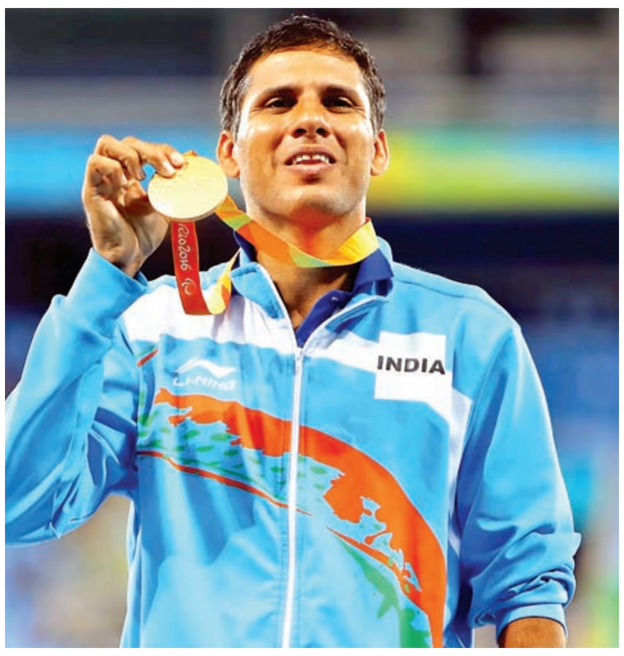

त्रिकूद : चित्रावेल ने रजत और प्रभु ने जीता कांस्य

भारत के त्रिकूद खिलाड़ियों प्रवीण चित्रावेल और सेल्वा प्रभु तिरुमरन ने ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में क्रमशः रजत और कांस्य पदक अपने नाम किए। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता प्रवीण चित्रावेल ने इस बार अपने प्रदर्शन में सुधार करते हुए 16.58 मीटर की कूद लगाकर रजत पदक जीता। उनके हमवतन सेल्वा प्रभु तिरुमरन ने 16.52 मीटर की छलांग से कांस्य पदक हासिल किया। यह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उनका पहला बड़ा पदक है। जमैका के जॉर्डन स्कॉट ने 16.72 मीटर की कूद लगाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इससे पहले पैरा एथलेटिक्स के पुरुषों की टी54 1500 मीटर फाइनल स्पर्धा में भारत के रमेश शनमुगम तीन मिनट 23.59 सेकेंड का समय लेकर सातवें स्थान पर रहे।

पाक का खुला खाता, मुक्केबाजी में फातिमा ने जीता कांस्य पदक

भारत की दिग्गज मुक्केबाज एमसी मैरी कॉम की प्रेरणा अब सरहदों के पार भी पहुंच चुकी है क्योंकि पाकिस्तान की पहली महिला राष्ट्रमंडल खेल पदक विजेता मुक्केबाज फातिमा जहरा ने अपनी सफलता का श्रेय छह बार की इस विश्व चैंपियन से मिली प्रेरणा को दिया है। बाइस वर्षीय फातिमा ने महिलाओं के 60 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। वह राष्ट्रमंडल खेलों में मुक्केबाजी में पदक जीतने वाली पाकिस्तान की पहली महिला खिलाड़ी बन गई हैं। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के सरगोधा शहर में पली-बढ़ीं फातिमा के पास अपने देश में महिला मुक्केबाजी का कोई बड़ा आदर्श नहीं था। ऐसे में उन्होंने भारत की महान मुक्केबाज मैरी कॉम को अपना प्रेरणास्रोत बनाया। फातिमा ने कहा, 'मैं भारत की मैरी कॉम से प्रेरित हूं।'

खबर संक्षेप

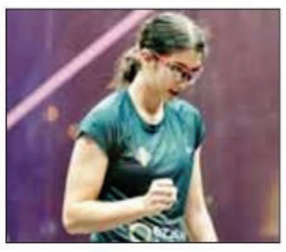

विश्व जूनियर स्क्वाश : पांचवें नंबर पर रही महिला टीम

ओंटारियो। भारतीय महिला टीम ने 5-6वें स्थान के प्लेऑफ में इंग्लैंड को 2-0 से हराकर विश्व स्क्वाश जूनियर टीम चैंपियनशिप में पांचवां स्थान हासिल किया। रुद्र सिंह ने रेखा केमेसी को 11-5, 8-11, 11-5, 11-6 से हराकर भारत को बढ़त दिलाई। इसके बाद सान्वी कलांकी ने ईव पार्किंस पर 11-6, 11-9, 11-9 से जीत हासिल की। इससे पहले भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराकर प्ले-ऑफ में जगह बनाई थी। इस मुकाबले में सान्वी ने टीना मा को 11-6, 11-9, 11-4 से और रुद्र ने सर्बनी मैत्रा को 10-12, 11-5, 11-1, 11-2 से हराया। भारतीय पुरुष टीम ने इस प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता था।

विरोध के बाद इन्फेंटिनो ने रद्द की योजना

जेनेवा। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने दुनिया के हर कोने से भारी विरोध के बाद विश्व कप के मुनाफे को निजी इक्विटी कंपनियों को बेचने की अपनी विवादास्पद योजना को रद्द कर दिया है। इन्फेंटिनो ने यह फैसला तब किया जब एशिया की फुटबॉल संस्था ने यूरोप और उत्तरी अमेरिका के साथ मिलकर इसका विरोध किया तथा व्हाइट हाउस की एक समिति में शामिल रहे उनके वरिष्ठ सलाहकार ने खुलकर इसका विरोध करते हुए इस्तीफा दे दिया था। इन्फेंटिनो ने कहा, ' सभी पक्षों के विचार जानने के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि इस योजना ने ऐसे विभाजन पैदा कर दिए हैं, जो मूल उद्देश्य के हित में नहीं हैं।' उन्होंने कहा, 'हमारा उद्देश्य हमेशा एकजुट रहना और सुधार करना रहा है और भविष्य में भी ऐसा ही होगा।

श्रीलंका दौरा : वॉर्मअप मैच का शेड्यूल बदला, अब 3 दिन का होगा मुकाबला

कोलंबों में अभ्यास मैच 7 से 9 अगस्त तक चलेगा

नई दिल्ली

टीम इंडिया अगस्त में दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए श्रीलंका का दौरा करेगी। टेस्ट सीरीज शुरू होने से पहले दोनों टीमों के बीच एक वॉर्मअप मैच खेला जाएगा। इस इकलौते वार्म-अप मैच के शेड्यूल में बड़ा बदलाव किया गया है।

पहले यह मुकाबला 4 दिन का तय हुआ था, लेकिन अब इसे घटाकर 3 दिन का कर दिया गया है। यह अभ्यास मैच कोलंबो के एनसीसी ग्राउंड में 7 अगस्त से शुरू होगा और 9 अगस्त तक चलेगा। इस टेस्ट सीरीज के लिए बीसीसीआई की सेलेक्शन कमेटी ने टीम इंडिया के स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है।

4 को कोलंबो के लिए रवाना होगी टीम इंडिया

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और टीम मैनेजमेंट को इस बदलाव की जानकारी दे दी गई है। हालांकि, मैच का समय कम करने की कोई ठोस वजह सामने नहीं आई है। भारतीय टीम 4 अगस्त को कोलंबो के लिए रवाना होगी। 3 दिन का यह अभ्यास मैच खत्म होने के बाद टीम गॉल के लिए रवाना होगी, जहां 15 अगस्त से पहला टेस्ट मैच खेला जाएगा। दूसरा टेस्ट मैच 23 अगस्त से कोलंबो के एसएससी स्टेडियम में होगा। फैंस के लिए अच्छी बात यह है कि इस वॉर्म-अप मैच का लाइव प्रसारण किया जाएगा।

साई सुदर्शन हो रहे तेजी से रिकवर

टेस्ट सीरीज की शुरुआत से पहले भारतीय टीम के लिए खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर कुछ अच्छी खबर आई है। चोट की समस्या से जूझ रहे साई सुदर्शन तेजी से रिकवर हो रहे हैं। पैर के अंगूठे में चोट के कारण सुदर्शन का टीम में चयन उनकी फिटनेस पर निर्भर था, लेकिन अब उन्होंने बेंगलुरु में अपना रीहैब पूरा कर लिया है और दोबारा बल्लेबाजी का अभ्यास भी शुरू कर दिया है। वहीं जसप्रीत गुमराह अब घुटने की चोट से पूरी तरह उबर चुके हैं और उन्होंने फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है।

दलीप ट्रॉफी : सेंट्रल जोन के कप्तान बने पाटीदार, रिंकू सिंह संभालेंगे उपकप्तानी

नई दिल्ली

अपनी कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को लगातार 2 बार आईपीएल का खिताब जिताने वाले रजत पादीटार को दलीप ट्रॉफी में सेंट्रल जोन का कप्तान बनाया गया है।

वहीं, बाएं हाथ के विस्फोटक बल्लेबाज रिंकू सिंह को उपकप्तान बनाया गया है। दलीप ट्रॉफी की शुरुआत 23 अगस्त से बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में होगी।

स्टैंड-बाय में छह खिलाड़ी

सेंट्रल जोन चयन समिति ने टूर्नामेंट के दौरान किसी भी मेन स्क्वाड सदस्य को होने वाली किसी भी संभावित चोट को कवर करने के लिए अमनदीप खरे, मयंक मिश्रा, सौरभ रावत, भार्गव मेराई, कुणाल यादव और कुमार कार्तिकेय की छह सदस्यीय खिलाड़ियों की स्टैंड-बाय सूची भी बनाई है।

गत चैंपियन हैं सेंट्रल जोन

सेंट्रल जोन गत चैंपियन है। टीम ने पिछला संस्करण फाइनल में साउथ जोन को हराकर जीता था। यह टीम का सातवां खिताब है। दिलीप ट्रॉफी के लिए सेंट्रल जोन की 15 सदस्यीय मजबूत दल का ऐलान किया गया है। बल्लेबाजी में पाटीदार, रिंकू सिंह, अमन मोखाड़े, कुणाल चंदेला, आयुष पांडे, आर्यन जुयाल और यश राठौड़ जैसे खिलाड़ी हैं। वहीं, गेंदबाजी में तेज और स्पिन गेंदबाजों का बेहतरीन मिश्रण है। तेज गेंदबाजी में यश ठाकुर, अरशद खान, आर्यन पांडे और नचिकेत भूटे को मौका दिया गया है। वहीं, स्पिन गेंदबाजी की जिम्मेदारी सारांश जैन, हर्ष दुबे और जीशान अंसारी को सौंपी गई है।

एडवर्ड्स ने छोड़ी नीदरलैंड्स टीम की कप्तानी, बास डी लीडे संभालेंगे कमान

नई दिल्ली

स्कॉट एडवर्ड्स ने नीदरलैंड्स क्रिकेट टीम की कप्तानी छोड़ दी है। उन्होंने 56 वनडे इंटरनेशनल मुकाबलों में टीम की कप्तानी की। एडवर्ड्स की जगह पर ऑलराउंडर बास डी लीडे आईसीसी पुरुष क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 कैंपेन के बाकी मैचों के लिए टीम की कमान संभालेंगे।

यूट्रेक्ट में लीग 2 के मैच खत्म होने के बाद, एडवर्ड्स ने अपनी टीम के साथियों को अपने फैसले के बारे में बताया। एडवर्ड्स ने कहा कि अब लीडरशिप की भूमिका छोड़ने और एक खिलाड़ी के तौर पर बड़ी भूमिका निभाने पर ध्यान देने का सही समय है। एडवर्ड्स ने अपनी टीम के साथियों से कहा, मुझे खेद है कि मैं आप लोगों के सामने यह बात अचानक रख रहा हूं, लेकिन मैं अब से कप्तान का पद छोड़ रहा हूं। मेरा मानना है कि यह एक ऐसा मामला है जिस पर रयान कुक और मैंने बात की है और मैंने कई अन्य लोगों से भी इस बारे में चर्चा की है, और अब मुझे यह सही समय लग रहा है। एडवर्ड्स ने आगे कहा, मुझे लगता है कि एक खिलाड़ी के तौर पर मेरा योगदान अभी बहुत बाकी है और भविष्य के लिए निश्चित रूप से मेरा यही लक्ष्य है, दोस्तों।

आशुतोष ने खोला पंजा

लंदन में चला कुलदीप का जादू स्टोक्स को भेजा पवेलियन

लंदन

भारत के बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स को आउट किया और यॉर्कशर की वनडे कप में डरहम पर जीत में अहम भूमिका निभाई।

- कुलदीप ने यॉर्कशर की वनडे कप में जीत में निभाई अहम भूमिका

कुलदीप ने स्टोक्स (12) को जॉर्ज हिल के हाथों कैच आउट कराने के बाद सीमित ओवरों की क्रिकेट के विशेषज्ञ कॉलिन एकरमैन (26) को भी आउट किया। कुलदीप ने 10 ओवर में 23 रन देकर दो विकेट लिए, जिससे यॉर्कशर ने डरहम को 48.1 ओवरों में केवल 165 रन पर ढेर कर दिया। जेम्स व्हार्टन (नाबाद 68) और सैम व्हाइटमैन (नाबाद 52) ने अर्धशतक बनाए और यॉर्कशर ने 41 ओवर में लक्ष्य को हासिल कर लिया।

आशुतोष ने 51 रन देकर चटकाए 5 विकेट

एक अन्य मैच में भारतीय ऑलराउंडर आशुतोष शर्मा (51 रन देकर 5 विकेट) ने लिस्ट ए क्रिकेट में पहली बार पांच विकेट लेने का कारनामा किया, जिससे हैम्पशर ने एसेक्स को तीन विकेट से हरा दिया। आशुतोष की शानदार गेंदबाजी से हैम्पशर ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी कर रही एसेक्स को 49 ओवर में 317 रन पर रोक दिया। इसके जवाब में जेम्स फुलर (नाबाद 58), कप्तान निक गुबिन्स (53) और टॉम प्रेस्ट (51) के अर्धशतकों की बदौलत हैम्पशर ने 47.4 ओवरों में लक्ष्य हासिल कर लिया।

ताइपे ओपनः हुआंग यु सुन को सीधे गेम में हराकर फाइनल में तन्वी

17 साल की तन्वी ने सिर्फ 33 मिनट में जीता मुकाबला

ताइपे सिटी

भारतीय शटलर तन्वी शर्मा ने चीनी ताइपे की हुआंग यु सुन पर सीधे गेम में जीत दर्ज करके ताइपे ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल के फाइनल में प्रवेश किया।

17 वर्षीय खिलाड़ी तन्वी ने सेमीफाइनल में यु सुन को केवल 33 मिनट में 21-17, 21-11 से पराजित किया। यहां फाइनल मुकाबला दो भारतीय खिलाड़ियों के बीच होने की संभावना थी लेकिन महिला एकल के दूसरे सेमीफाइनल में उन्नति हुडा को वियतनाम की विश्व में नंबर 21 थूई लिन्ह गुयेन से 15-21 18-21 से हार का सामना करना पड़ा। इस तरह से विश्व जूनियर चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता तन्वी रविवार को होने वाले फाइनल में वियतनाम की छठी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी से भिड़ेंगी।

तन्वी ने की दो वर्षों में काफी प्रगति

तन्वी 2024 में बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप में भारत की स्वर्ण पदक विजेता टीम का हिस्सा थीं। उन्होंने पिछले दो वर्षों में काफी प्रगति की है। तन्वी ने 2025 में ओडिशा मास्टर्स सुपर 100 और गुवाहाटी मास्टर्स सुपर 100 में उपविजेता रहने के अलावा 2024 में बॉन इंटरनेशनल और 2025 में डेनमार्क चैलेंज जीता था।

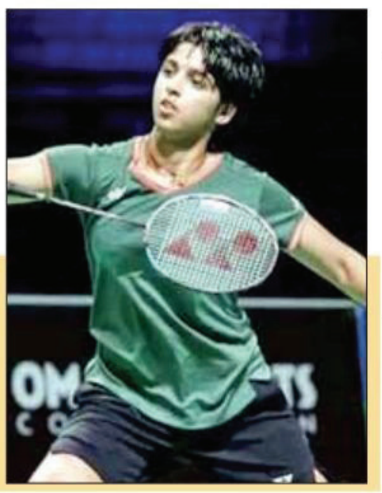

पुश शॉट्स से हुआंग को किया परेशान

तन्वी ने शुरू से आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया तथा अपने तेज क्रॉस-कोर्ट स्मैश और पुश शॉट्स से हुआंग को बार-बार परेशान किया। पहले गेम में स्कोर 3-3 से बढ़कर 7-6 हो गया। तन्वी ने इसके बाद पूरे गेम में मामूली बढ़त बनाए रखी और 14-10 से 17-11 तक पहुंच गई। स्थानीय खिलाड़ी ने स्कोर को 15-17 तक कम कर दिया, जिसके बाद तन्वी ने आक्रामक खेल दिखाया और पहला गेम अपने नाम कर दिया।

दूसरे गेम में हावी रही तन्वी

दूसरे गेम में हुआंग ने स्कोर 9-9 से बराबर कर दिया, लेकिन तन्वी इसके बाद हावी हो गई। उन्होंने बैक कोर्ट से सटीक शॉट लगाते हुए नेट पर चतुराई से ड्रॉप शॉट भी मारे। भारतीय खिलाड़ी ने आखिरी 14 में से 12 अंक अपने नाम किए और लगातार गेम में जीत दर्ज करके फाइनल में प्रवेश किया।

पेरू में पर्यटकों का विमान क्रैश, 13 की मौत; नाजका लाइन्स देखने जा रहे यात्रियों में मची चीख-पुकार!

एजेंसी

पेरू। दक्षिण अमेरिकी देश पेरू में शनिवार को एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें 11 पर्यटकों और 2 पायलटों समेत कुल 13 लोगों की मौत हो गई। अल जजीरा और स्थानीय पुलिस के अनुसार, विमान पर्यटकों को प्रसिद्ध यूनेस्को धरोहर नाजका लाइन्स दिखाने ले जा रहा था।

पिस्को से उड़ान भरते ही हुआ हादसा, आग की लपटों में घिरा विमान

स्थानीय पुलिस अधिकारी मेजर जॉर्ज एंड्रेडे और समाचार एजेंसी अल जजीरा के अनुसार, यह दर्दनाक हादसा इका विभाग के पिस्को शहर से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद हुआ। विमान जैसे ही नाजका लाइन्स के हवाई क्षेत्र की ओर बढ़ा, अचानक दुर्घटनाग्रस्त होकर जमीन पर गिर पड़ा। स्थानीय मीडिया की रिपोर्टों के मुताबिक, क्रैश होते ही विमान में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि मौके पर पहुंचे राहत और बचाव दल के लिए तुरंत किसी को बचा पाना या अग्निशमन अभियान चलाना लगभग असंभव हो गया।

'एरोडियाना' ऑपरेटर का था विमान, कारणों का अब तक खुलासा नहीं

हादसे का शिकार हुआ विमान पेरू के प्रसिद्ध और दर्शनीय स्थलों का हवाई भ्रमण कराने वाली ऑपरेटर कंपनी 'एरोडियाना' के बेड़े का हिस्सा था। फिलहाल पेरू की नागरिक उड्डयन प्राधिकरण और स्थानीय पुलिस हादसे की मुख्य वजह तलाशने में जुटी हुई है। विमान में तकनीकी खराबी आई थी या खराब मौसम के कारण नियंत्रण खो गया, इसके बारे में अधिकारियों द्वारा अभी कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की गई है।

नाजका लाइन्स का ऐतिहासिक महत्व और पर्यटकों का आकर्षण

नाजका लाइन्स पेरू के दक्षिणी तट के पास रेगिस्तानी क्षेत्र में स्थित प्राचीन भू-आकृतियां हैं, जिन्हें यूनेस्को ने विश्व विरासत स्थल घोषित किया हुआ है। 500 ईसा पूर्व से 500 ईस्वी के बीच बनी इन आकृतियों में बंदर, हमिंगबर्ड और बिल्ली जैसे जानवरों के विशाल चित्र बने हैं। इन रहस्यमयी और विशाल ज्यामितीय आकृतियों की सुंदरता केवल आसमान से ही स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। इसी वजह से हर साल हजारों अंतरराष्ट्रीय पर्यटक छोटे विमानों के जरिए नाजका लाइन्स की सैर करते हैं, लेकिन इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना ने सभी को स्तब्ध कर दिया है।

ट्रंप ने कहा, खाड़ी देशों के अनुरोध पर ईरान पर हमले रोके, समझौते पर सहमति बनी

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान पर अमेरिकी हमलों पर रोक लगाने की बात कहते हुए मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर दावा कि ईरान के साथ समझौते पर सहमति बन गयी है. इस डील में होर्मुज को अलिवंब बिना किसी प्रतिबंध के पूरी तरह खोलने की बात कही गयी है, इसमें ईरान के परमाणु खतरे को खत्म करना भी शामिल है डील को लेकर ट्रंप ने स्पष्ट किया कि ईरान और मध्य-पूर्व के अन्य देशों ने हमले रोकने का अनुरोध किया था. बताया कि समझौते (ईरान के साथ) के लिए जरूरी बिंदुओं पर सहमति बन चुकी है. ट्रंप ने कहा कि भविष्य और समृद्ध ईरान के अस्तित्व के

हित में मैंने इस शर्त पर हमले रोकने पर सहमति जताई है कि इस डील को अंतिम रूप दिया जाये. ट्रंप ने यह भी कहा कि इजरायल भी अमेरिका के साथ ईरान के साथ समझौता पूरा करने की कोशिश करने पर सहमत हो गया है. इससे पांच महीने से जारी युद्ध समाप्त किया जा सकेगा. हालांकि इजरायल ने ट्रंप की घोषणा पर अभी कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की है. डील पर मुहर लगने से इतर ईरान ने अमेरिका को चेतावनी दी है कि उसकी किसी भी साहसिक कार्रवाई का ईरान निर्णायक जवाब देगा.ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने तुर्की, पाकिस्तान और सऊदी अरब के वरिष्ठ अधिकारियों से हुई बातचीत में अपना इरादा जाहिर किया अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने शनिवार को ट्रंप से बातचीत कर ईरान के संदर्भ में अमेरिकी योजनाओं पर चिंता जताई थी. दरअतल ईरान से जुड़े एक मीडिया ने चेताया था कि यदि अमेरिका ने ईरान के ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमला किया तो ईरान सऊदी अरब और यूएई के तेल क्षेत्रों सहित कतर और इजरायल के गैस क्षेत्रों को निशाने पर लेगा.

पंजाब कांग्रेस में अंतर्कलह : पूर्व सीएम चरणजीत चन्नी को मुख्यमंत्री का चेहरा बनाने की मांग, समर्थकों का हंगामा

एजेंसी

संगरूर। पंजाब कांग्रेस के भीतर चल रही खींचतान एक बार फिर सामने आ गई है. पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के समर्थकों और पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग के बीच मतभेद गहराते जा रहे हैं. संगरूर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं ने राजा वडिंग के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है और मांग की है कि आगामी विधानसभा चुनाव के लिए चरणजीत चन्नी को मुख्यमंत्री का चेहरा बनाया जाए. संगरूर में जमा हुए कांग्रेस नेताओं ने प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है. कांग्रेस नेता चमकौर सिंह और दूसरे कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि ₹राजा वडिंग चन्नी के

समर्थकों को भगवंत मान द्वारा खरीदा हुआ बता रहे हैं, जिससे कार्यकर्ताओं में भारी गुस्सा है. 'चन्नी जिंदाबाद' के नारे सिर्फ कार्यकर्ताओं की नहीं, बल्कि पूरे पंजाब की आवाज हैं. चमकौर सिंह ने कहा, सिर्फ कांग्रेस पार्टी ही चन्नी जिंदाबाद के नारे नहीं लगा रही है, पूरा पंजाब चन्नी जिंदाबाद कह रहा है, लेकिन बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण बयान हमारे पंजाब कांग्रेस के मौजूदा अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग जी का है. वे कहते हैं कि उन्हें भगवंत मान ने खरीद लिया है. आप मुझे बताइए, कोई चार पीढ़ियों से कांग्रेसी है, कोई तीन पीढ़ियों से कांग्रेसी है. कांग्रेस नेताओं ने वडिंग के खिलाफ हंगामा शुरू कर दिया. मामला यहीं खत्म नहीं हुआ. संगरूर जिला परिषद के सदस्य हरि सिंह फग्गूवाला ने भी राजा वडिंग और पंजाब कांग्रेस के प्रभारी भूपेश बघेल पर निशाना साधा. उन्होंने यहां तक कहा कि ₹राजा वडिंग को हटाकर पंजाब के किसी दूसरे नेता को प्रदेश अध्यक्ष बना देना चाहिए, क्योंकि वडिंग के बयानों की वजह से दलित समुदाय में बहुत गुस्सा है और पार्टी लगातार गर्त में जा रही है. फग्गूवाला ने कहा, पहले पंजाब के लोगों को लगता था कि बघेल साहब कांग्रेस सरकार में अहम भूमिका निभाएंगे, लेकिन वे राजे वडिंग का मोहरा बन गए. एक साल हो गया है, राजे वडिंग ने डॉ. मनमोहन सिंह, बूटा सिंह और अनुसूचित जाति समुदाय के बारे में गलत बातें कही हैं. हमारी मानना है कि राजा वडिंग की जगह पंजाब के किसी दूसरे व्यक्ति को अध्यक्ष बनाया जाना चाहिए, लेकिन लोगों को लगता है कि चन्नी को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित किया जाना चाहिए.

राजा वडिंग और भूपेश बघेल की प्रेस कॉन्फ्रेंस

संगरूर में राजा वडिंग और भूपेश बघेल ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की और कांग्रेस के कार्यक्रम के दौरान हुए हंगामे पर अपनी बात रखी. दोनों नेताओं ने आरोप लगाया कि कार्यक्रम में बाधा डालने वाले लोगों को पंजाब सरकार ने भेजा था. कुछ लोगों की नारेबाजी कांग्रेस जैसी बड़ी पार्टी का कार्यक्रम खराब नहीं कर सकती और मामले की जांच की जाएगी.

50 पैसे वाले लोगों ने हंगामा किया

राजा वडिंग ने कहा, अगर 50 लोग किसी की मीटिंग में आकर नुकसान करते हैं, तो मुझे पता चला है कि ये भगवंत मान के भेजे हुए लोग हैं जिन्होंने मीटिंग का माहौल खराब करने की कोशिश की है. क्योंकि मीटिंग में कांग्रेस के नेता और बाकी सब लोग मौजूद थे. सब ठीक चल रहा था. भाषण सुने जा रहे थे. लेकिन 50 पैसे वाले लोग हैं जिन्होंने हंगामा किया है. अगर मुख्यमंत्री को लगता है कि डरा-धमकाकर कांग्रेस का यह अभियान रोक दिया जाएगा, तो ऐसे नहीं रुकेगा. मैंने एक 40 साल के व्यक्ति को आम आदमी पार्टी में शामिल होते देखा है. रवनीत सिंह बिट्टू जैसे लोग यहां 15 साल तक सांसद रहे, लेकिन वे अंदर से बीजेपी से जुड़े हुए थे. सुनील जाखड़ हमारी प्रचार समिति के चेयरमैन थे. वे हर दिन चन्नी साहब की बुराई करते थे.

लीक प्रूफ परीक्षा की योजना, सुरक्षा के लिए एनटीए प्राइवेट एजेंसी को नियुक्त करेगी, टेंडर जारी

एजेंसी

नयी दिल्ली। नीट-यूजी 2026 पेपर लीक विवाद के बीच अहम खबर आ रही है. परीक्षा संचालित करने वाली एजेंसी एनटीए ने परीक्षा सुरक्षा को मजबूत करने की कवायद शुरू कर दी है. एनटीए ने प्राइवेट एजेंसी को नियुक्त करने का फैसला किया है. इस क्रम में 7.5 करोड़ रुपये का टेंडर जारी किये जाने की सूचना है. 25 जुलाई को टेंडर जारी किया गया है. प्राइवेट एजेंसी एनटीए मुख्यालय, क्षेत्रीय कार्यालयों सहित अन्य संवेदनशील जगहों पर 24 घंटे सुरक्षा व्यवस्था का जिम्मा संभालेगी. इसके अलावा एनटीए ने कार्यालयों की साफ-सफाई और प्रश्नपत्रों की सुरक्षित छपाई के लिए भी नयी एजेंसियों से आवेदन मांगे हैं. जारी टेंडर के अनुसार चयनित सुरक्षा एजेंसी दिल्ली के मिंटो रोड स्थित एनटीए मुख्यालय, ओखला क्षेत्रीय कार्यालय और अन्य महत्वपूर्ण

जगहों पर सुरक्षा व्यवस्था देखेगी, एजेंसी का काम संस्था के कर्मचारियों और आने वाले लोगों पर नजर रखेगी, एजेंसी गोपनीय परीक्षा सामग्री, सर्वर रूम, तिजोरी, स्टोर रूम और जरूरी दस्तावेजों की सुरक्षा करेगी.

टेंडर के अनुसार एजेंसी के साथ सुरक्षा अनुबंध शुरूआत में दो साल के लिए होगा. अच्छे काम के आधार पर आगे दो बार एक-एक साल के लिए अनुबंध बढ़ाया जा सकेगा. एजेंसियां 17 अगस्त दोपहर 3 बजे तक आवेदन कर सकती हैं. प्रिंटिंग सेवाओं के लिए टेंडर जमा करने की अंतिम तिथि 20 अगस्त है. सूत्रों के अनुसार एनटीए ने सुरक्षा सेवाओं के लिए सबसे कम कीमत वाली बोली को प्राथमिकता देने के बजाय गुणवत्ता और लागत आधारित चयन प्रणाली अपनायेगी. क्यूसीबीएस प्रणाली के तहत तकनीकी प्रस्ताव को 70फीसदी और कीमत वाली बोली को 30फीसदी अंक मिलेंगे. तकनीकी जांच में कम से कम 70 अंक हासिल नहीं करने वाली एजेंसियां आगे की प्रक्रिया से बाहर हो जायेगी.

नियम व शर्तें : आवेदन करने वाली एजेंसी के पास सुरक्षा क्षेत्र में कम से कम 5 साल का अनुभव होना चाहिए.पिछले तीन वित्तीय वर्षों में औसतन 10 करोड़ रुपये का सालाना टर्नओवर होना चाहिए. एजेंसी के पास सरकारी संस्थानों, परीक्षा एजेंसियों, विश्वविद्यालयों, एयरपोर्ट, अस्पताल या मेट्रो आदि संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था का काम संभालने का अनुभव होना चाहिए.

पीएम मोदी को आपत्तिजनक शब्द कहने वाली छात्रा की मां बोलीं- हम शर्मिंदा हैं, माफी से बेटी को नई जिंदगी मिली

एजेंसी

नयी दिल्ली। जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल करने वाली छात्रा की मां ने पीएम मोदी का आभार जताया है. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने बदले की भावना के बजाय माफी का रास्ता चुनकर उनकी बेटी को नई जिंदगी दी है. लड़की की मां ने भावुक होकर कहा, आज मेरी बेटी का जन्मदिन है और पीएम मोदी ने उसे सबसे बड़ा तोहफा दिया है. यह उसका दोबारा जन्म है.

बच्चों के लिए इंस्टाग्राम बैन करने की अपील

लड़की की मां ने पीएम मोदी से अपील की है कि नाबालिग बच्चों के लिए इंस्टाग्राम बैन कर दिया जाए. उन्होंने कहा कि इन बच्चों को किससे क्या कहना चाहिए इसकी समझ नहीं होती, ऐसे में वे इससे दूर रहें तो ही इनके लिए अच्छा है. न्यूज

एजेंसी से बात करते हुए लड़की की मां ने कहा कि हम कई बार माफी मांग चुके हैं. जो कुछ हुआ उसपर हम शर्मिंदा हैं. अब क्या करें कैसे माफी मांगें. पुलिस की गाड़ियां आती हैं, हम समझ रहे हैं कि गलती हुई, पर माफ करें.

एफआईआर बरकरार, अभिजीत दीपके ने उठाए सवाल

माफी के बावजूद छात्रा के खिलाफ दर्ज जीरो एफआईआर संसद मार्ग थाने को ट्रांसफर किया जा चुका है. छात्रा की मां का दावा है कि उनकी बेटी नाबालिग है, लेकिन एफआईआर में उसकी उम्र 25 साल दर्ज की गई है. उन्होंने सरकार से नाबालिगों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर सख्त नियम बनाने की भी अपील की. वहीं, उखढ के संस्थापक अभिजीत दिपके ने सवाल उठाया कि अगर प्रधानमंत्री ने माफ कर दिया है, तो छात्रा के खिलाफ दर्ज केस भी वापस लिया जाना चाहिए. प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर साझा किए गए वीडियो में प्रदर्शन के दौरान अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने वाले बच्चों को भटका हुआ बताते हुए कहा था कि वे उन्हें माफ करते हैं और नहीं चाहते कि बच्चों को कोर्ट-कचहरी के चक्कर लगाने पड़ें. इसके बाद छात्रा ने भी वीडियो जारी कर सार्वजनिक माफी मांगी.

सीबीआई ने आरसीएल और अनिल अंबानी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की

एजेंसी

नयी दिल्ली। सीओआई द्वारा रिलायंस कैपिटल लिमिटेड और उसके पूर्व अध्यक्ष अनिल अंबानी के खिलाफ एफआईआर दर्ज किये जाने की खबर है. अनिल अंबानी पर आरोप है कि उसकी कंपनी ने अपने नॉन-चेंज डिबेंचर में निवेश के माध्यआम से कर्मचारी भविष्यन निधि संगठन को 1,816.22 करोड़ का नुकसान पहुंचाया. दरअसल केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्रालय ने 21 जुलाई को रिलायंस कैपिटल लिमिटेड के खिलाफ शिकायत दर्ज की थी. मंत्रालय ने अपना शिकायत में कंपनी पर धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश और ईपीएफओ को गलत तरीके से नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है. हालांकि अनिल अंबानी ने मंत्रालय के आरोपों को गलत करार दिया है. मंत्रालय द्वारा की गयी शिकायत में कहा गया है कि रिलायंस कैपिटल ने 2013-2014 के दौरान सुरक्षित नॉन-चेंज डिबेंचर जारी किये. पोर्टफोलियो मैनेजर्स ने बाद में इन डिबेंचरों में ईपीएफओ फंड से 2,500 करोड़ का निवेश किया.

दोनों क्रमशः 2023 और 2024 में मैच्योर होने वाले थे. मंत्रालय का आरोप है कि इन निवेशों पर ईपीएफओ को 1,816.22 करोड़ का नुकसान हुआ. मंत्रालय के अनुसार ईपीएफओ की ओर से उसके अधिकृत अधिकारी के माध्यम से सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति के बाद रिलायंस कैपिटल लिमिटेड द्वारा जारी सुरक्षित गैर-परिवर्तनीय डिबेंचरों में निवेश के कारण ईपीएफओ को भारी नुकसान हुआ. इसके सबूत मिलने के बाद शिकायत दर्ज की जा रही है. श्रम मंत्रालय के अनुसार ईडी द्वारा दी जानकारी के बाद उसने शिकायत दर्ज कराई. शिकायत में जानकारी दी गयी है कि उसे बीडीओ इंडिया एलएलपी द्वारा किये गये ट्रांजेक्शजन के साथ-साथ दस्तौवेजों से सबूत मिले हैं.

अभिजीत दिपके की अमेरिका में पढ़ाई का खर्च कहां से आया? आरटीआई एक्टिविस्ट ने उठाए सवाल, जांच की मांग

एजेंसी

अहमदाबाद। सूरत के आरटीआई एक्टिविस्ट अमित तिवारी ने कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके के पिता भगवानराव दिपके के वित्तीय मामलों की जांच की मांग की है. उन्होंने महाराष्ट्र सरकार से उनकी संपत्तियों और आय के स्रोतों की जांच करने की अपील की है. अमित तिवारी का कहना है कि जूनियर इंजीनियर के वेतन से अमेरिका में बच्चों की उच्च शिक्षा का खर्च उठाना कई सवाल खड़े करता है.

तीन अलग-अलग जगहों पर दर्ज कराई शिकायत

अमित तिवारी ने बताया कि उन्होंने मामले को लेकर तीन संस्थानों में शिकायत की हैं. उन्होंने भारतीय चुनाव आयोग, केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड और महाराष्ट्र सरकार से जांच की मांग की है. कपिल सिब्बल द्वारा दिए गए 1 करोड़ रुपये के फंड को

लेकर उन्होंने केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड से शिकायत की है और इस पर 18% जीएसटी लगाने की मांग की है. मैंने तीन अलग-अलग जगहों पर शिकायत दर्ज कराई है. सीजेपी के खिलाफ ईसीआई में शिकायत की गई है. वहीं, कपिल सिबल की ओर से दिए गए 1 करोड़ रुपये के फंड पर जीएसटी को लेकर सीबीआईसी से जांच की मांग की गई है।

सीजेपी के चंदे और पंजीकरण पर सवाल

अमित तिवारी ने आरोप लगाया कि सीजेपी राजनीतिक दल के रूप में पंजीकृत नहीं है, फिर भी चंदा स्वीकार कर रही है. उन्होंने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29ए का हवाला देते हुए कहा कि राजनीतिक गतिविधियां चलाने वाले संगठन को नियमानुसार पंजीकरण कराना चाहिए. अगर कोई संगठन राजनीतिक दल की तरह काम कर रहा है और चंदा ले रहा है, तो उसे कानून के तहत पंजीकरण कराना जरूरी है. हमने इस मामले में कार्रवाई की मांग की है.

भगवानराव दिपके की संपत्ति जांच की मांग

आरटीआई कार्यकर्ता ने दावा किया कि भगवानराव दिपके महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम में जूनियर इंजीनियर थे. उन्होंने सवाल उठाया कि सीमित वेतन में अमेरिका में बच्चों की पढ़ाई का खर्च कैसे संभव हुआ. उन्होंने इसे संभावित रूप से आय से अधिक संपत्ति का मामला बताते हुए जांच की मांग की है.

सीजेपी के आंदोलन और टिप्पणियों पर आपत्ति

अमित तिवारी ने सीजेपी के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शनों की भी आलोचना की है. उन्होंने कहा कि आंदोलन की शुरूआत नीट पेपर लीक मुद्दे से हुई थी, लेकिन बाद में इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत मां को लेकर की गई टिप्पणियां भी शामिल हो गईं, जिनके खिलाफ उन्होंने शिकायत दर्ज कराई है.

संक्षिप्त खबर

गुजरात, असम, केरल सहित कई राज्य भारी बारिश से त्राहिमाम, अल नीनो का प्रभाव नहीं

नयी दिल्ली। देश में मानसून अपने रौद्र रूप में है. पश्चिम और पूर्वोत्तर की बात करें तो गुजरात और असम में भारी बारिश के कारण त्राहिमाम है. दक्षिण में केरल तक भारी बारिश से जनजीवन हलकान है. इन राज्यों में नदियां उफान पर हैं, शहर दर शहर पानी पानी है. पहाड़ी इलाकों पर नजर डालें तो यहां भूस्खलन की घटनाएं बढ़ी हैं. असम में 82 लोगों की मौत हो जाने की खबर है. राज्य में लगभग 2 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं. गुजरात की बात करें तो यहां 40 लोगों की मौत बाढ़ और बारिश में फंसने के कारण हो चुकी है, केरल में 8 लोगों मारे जा चुके हैं. भारी संख्या में लोग प्रभावित हुए हैं. गुजरात में लगातार बारिश के कारण कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं. निचले इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बने हुए है. असम में ब्रह्मपुत्र और उसकी सहायक नदियां उफन रही हैं .कई जिलों में बाढ़ का संकट गहरा गया है. केरल में भारी बारिश और भूस्खलन के कारण जनजीवन प्रभावित है. राहत कार्य में बाधा आ रही है. विशेषज्ञों की मानें तो अलग-अलग क्षेत्रों में सक्रिय मानसूनी सिस्टम एक साथ काम कर रहे हैं, इसलिए देश के अलग-अलग हिस्सों में एक ही समय पर भारी बारिश देखने को मिल रही है. मौसम वैज्ञानिक इस बात का आकलन कर रहे हैं कि जब अल नीनो की स्थिति बनी हुई है, तो फिर इन राज्यों में मूसलाधार बारिश क्यों हो रही है? मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार इस साल हिंद महासागर का तापमान सामान्य से अधिक है. जानकारी दी कि गर्म समुद्र अधिक जलवाष्प छोड़ता है, जिससे वातावरण में नमी बढ़ जाती है. इस साल एमजीओ भी सक्रिय है.

राहुल गांधी तमिलनाडु में बोले, परिसीमन का समर्थन करने वाला व्यक्ति 21वीं सदी का एट्टप्पन

चेन्नई। केंद्र सरकार द्वारा संसद में परिसीमन बिल लाये जाने की संभावना के बीच लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि भाजपा पूरे देश में परिसीमन लागू करने की कोशिश कर रही है. कहा कि परिसीमन का मकसद लोगों को उनके अधिकारों से वंचित करना है. राहुल कल शनिवार को तमिलनाडु पहुंचे थे. तमिलनाडु के संदर्भ में परिसीमन को लेकर कहा कि इसका मतलब लोगों की राजनीतिक ताकत छीन लेना है. राहुल गांधी ने इसे यह भाजपा की साजिश करार दिया. कहा कि जो कोई भी परिसीमन का समर्थन करता है, वह तमिलनाडु और उसके भविष्य के साथ धोखा कर रहा है. राहुल ने कहा, वह आरएसएस व भाजपा को तमिलनाडु के लोगों और उनके भविष्य पर हमला करने का मौका दे रहा है. राहुल ने कहा कि राज्य में परिसीमन का समर्थन करने वाला व्यक्ति 21वीं सदी का एट्टप्पन (गद्दार) है. किसी भी तमिल व्यक्ति को परिसीमन का समर्थन नहीं करना चाहिए. राहुल गांधी ने आग्रह किया कि हर तमिल व्यक्ति को परिसीमन का विरोध करना चाहिए. सभी तमिल पार्टियों और हर राष्ट्रीय पार्टी को सदन में परिसीमन का विरोध करना चाहिए. कांग्रेस महासचिव एवं तमिलनाडु प्रभारी गुलाम अहमद मीर और पार्टी की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष बी मणिक्कम टैगोर ने चेन्नई में जानकारी दी कि राहुल ने मामल्लापुरम में जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्षों के लिए 23 जुलाई से एक अगस्त तक आयोजित 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोह को संबोधित किया.

इंडोनेशिया के मदुरा द्वीप के पास नौका में लगी आग, 5 लोगों की मौत और 41 लापता

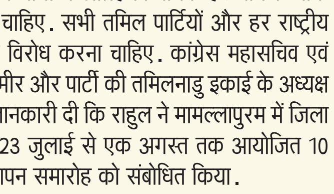

इंडोनेशिया। 'केएमपी मुटियारा सेंटोसा 2' नाम की यह नौका सुराबाया के तंजुंग पेराक बंदरगाह से रवाना होकर मकासार जा रही थी. यात्रा शुरू होने के कुछ ही घंटों बाद कप्तान ने जहाज में आग लगने की सूचना आपातकालीन नियंत्रण कक्ष को दी. इसके तुरंत बाद ही जहाज से संपर्क टूट गया. सुराबाया खोज एवं बचाव कार्यालय के मुताबिक, घटना के समय नौका सपुदी द्वीप से लगभग 19 समुद्री मील उत्तर में मौजूद थी. सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि देखते ही देखते आग ने नौका को अपनी चपेट में ले लिया और उससे घना काला धुआं उठने लगा. दहशत के माहौल में लाइफ जैकेट पहने यात्री जहाज के एक कोने में सिमट गए. खुद को बचाने के लिए कई यात्री जलती नौका से सीधे समुद्र में कूद गए. हादसे की जानकारी मिलते ही आसपास के कई जहाज मदद के लिए आगे आए. सुराबाया खोज एवं बचाव कार्यालय के प्रमुख नानंग सिगिट ने बताया.

बसपा परिवार में घमासान : मायावती ने भतीजे आकाश आनंद के ससुर अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से निकाला

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से ठीक पहले बहुजन समाज पार्टी के भीतर अंदरूनी कलह एक बार फिर खुलकर सामने आ गई है. पार्टी प्रमुख मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद के ससुर अशोक सिद्धार्थ को अनुशासनहीनता के आरोप में पार्टी से निष्कासित कर दिया है. सिद्धार्थ के पास पहले चार राज्यों की कमान थी, जिसे शनिवार को ही वापस ले लिया गया था. मायावती ने साफ कर दिया कि अब सिद्धार्थ की बसपा में वापसी का कोई रास्ता नहीं बचा है. बसपा सुप्रीमो ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि अशोक सिद्धार्थ को पहले भी महाराष्ट्र चुनाव के समय टिकट वितरण में गड़बड़ी करने और प्रदेश अध्यक्ष से तालमेल न रखने के कारण बाहर किया गया था. तब उन्हें इस शर्त पर वापस लिया गया था कि वे दोबारा गलती नहीं दोहराएंगे. उन्हें केवल दूसरे राज्यों का काम सौंपा गया था, लेकिन कर्नाटक, ओडिशा और पश्चिम बंगाल से भी उनके खिलाफ लगातार अनुशासनहीनता की शिकायतें मिलती रहीं. मायावती ने यह आरोप भी लगाया कि जिम्मेदारियों से मुक्त किए जाने के बाद अशोक सिद्धार्थ को उत्तर प्रदेश में नई जिम्मेदारी मिलने की झूठी खबरें जानबूझकर मीडिया में फैलाई गईं. उनका मानना है कि यह पार्टी कार्यकर्ताओं में भ्रम पैदा करने और आगामी यूपी विधानसभा चुनाव के अभियान को कमजोर करने की एक सोची-समझी साजिश थी. इसी कारण आंदोलन के व्यापक हित को ध्यान में रखते हुए उन्हें तत्काल प्रभाव से पार्टी से निष्कासित करने का कड़ा कदम उठाना पड़ा.

नेटफ्लिक्स की सीरीज 'चुंबक' देने आ रही हंसी की डोज...

मुंबई। नेटफ्लिक्स ने साल की शुरुआत में अपने पारिवारिक कॉमेडी ड्रामा 'चुंबक' का ऐलान किया था। आतिश कपाड़िया द्वारा लिखित और निर्देशित इस सीरीज का निर्माण जमनादास मजीठिया और आतिश कपाड़िया ने अपने बैनर हैट्स ऑफ प्रोडक्शंस के तहत किया है। इसमें दिग्गज अभिनेत्री नीना गुप्ता, देवेन भोजानी, अमायरा दस्तूर, अर्जुन बिजलानी, अनंत वी जोशी और हेली शाह समेत कई कलाकार मौजूद हैं। 'चुंबक' की कहानी मुंबई के एक पुराने रो-हाउस में रहने वाले 5 अलग-अलग परिवारों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अप्रत्याशित हालातों में फंसकर एक परिवार बन जाते हैं।

लाइफ Style

रश्मिका

हुईं चोटिल, 6 हफ्ते के लिए बेड रेस्ट पर गईं

फिल्म इंडस्ट्री में शूटिंग के दौरान कलाकारों के चोटिल होने का सिलसिला थम नहीं रहा है। हाल ही में जूनियर एनटीआर, राम चरण और बालकृष्ण के घायल होने के बाद अब रश्मिका मंदाना के चोटिल होने की खबर सामने आ रही है।

अपनी आगामी फिल्म के सेट पर वो एक गंभीर हादसे का शिकार हो गईं, जिसके बाद डॉक्टरों ने उन्हें काम से ब्रेक लेकर पूरी तरह आराम करने की सलाह दी है। इस खबर से फैंस काफी चिंतित हैं। रश्मिका फिल्म 'मैसा' के सबसे खास और मुख्य डांस सीक्वेंस के लिए जमकर प्रैक्टिस कर रही थीं। हैदराबाद में पिछले कुछ दिनों से एक मशहूर कोरियोग्राफर की देखरेख में इस गाने का रिहर्सल चल रहा था। हालांकि, 31 जुलाई को डांस प्रैक्टिस के दौरान पैर फिसलने की वजह से उनके कूल्हे में गंभीर चोट लग गई। कूल्हे की हड्डी फ्रैक्चर होने के कारण वो मौके पर ही हिलने-डुलने में असमर्थ हो गईं। इसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में एक्स-रे और स्कैन के बाद डॉक्टरों ने रश्मिका की चोट को काफी गंभीर बताया है। उनकी पीआर टीम के मुताबिक, जांघ की मांसपेशी को हड्डी से जोड़ने वाली नस (टेंडन) खिंचकर पूरी तरह अलग हो गई है। डॉक्टरों का कहना है कि ऐसी चोटें आमतौर पर खिलाड़ियों को ही लगती हैं। इसे ठीक करने के लिए रश्मिका को कम से कम 6 हफ्ते का बेड रेस्ट, फिजियोथेरेपी और थेरेपी की सख्त जरूरत है।

हॉलीवुड मसाला

हॉलीवुड में खुद को दी सबसे बड़ी चुनौती

लॉस एंजिल्स। दिशा पटानी ने 'हॉलिगाड्र्स सागा- द पोर्टल ऑफ फोर्स' से अपना हॉलीवुड सफर शुरू किया है। उन्होंने बताया कि यह अनुभव उन्हें उनके कंफर्ट जोन से बाहर ले गया और उन्हें एक अभिनेता के रूप में बढ़ने का मौका मिला। कई ऑडिशन के बाद, उन्हें यह भूमिका पाकर बहुत खुशी हुई और उन्होंने अपना पूरा ध्यान इस पर लगाया। अंतर्राष्ट्रीय कास्ट के साथ काम करके खुश हैं दिशा पटानी- अंतर्राष्ट्रीय कास्ट और क्रू के साथ काम करना दिशा के लिए एक बिल्कुल नया अहसास था।

'स्पाइडर-मैन' को अलविदा कहेंगे टॉम हॉलैंड...

लॉस एंजिल्स। मार्वल की फिल्म 'स्पाइडर-मैनः ब्रांड न्यू डे' के जरिए टॉम हॉलैंड ने 'पीटर पार्कर' के रूप में वापसी की है। हाल ही में, उन्होंने बताया कि 'स्पाइडर-मैन' के भविष्य के लिए मार्वल स्टूडियोज और सोनी पिक्चर्स के पास उनके किरदार की विदाई को लेकर पहले से योजना तैयार है। अभिनेता ने खुशी जताई कि उनकी जगह भविष्य में कोई और 'स्पाइडर-मैन' के किरदार को आगे लेकर जाएगा। टॉम ने यह भी बताया कि वह किसे इस किरदार में देखना चाहेंगे। हैप्पी सैड कन्फ्यूज्ड पॉडकास्ट से बातचीत में, टॉम ने कहा, स्पाइडर-मैनः नो वे होम की शूटिंग खत्म होने के बाद से ही हम एक पूरी योजना पर काम कर रहे हैं। यह योजना तैयार है। इसमें कुछ बदलाव जरूर होंगे, लेकिन कमान सौंपने को लेकर मेरा नजरिया बिल्कुल स्पष्ट है।

सीता के रूप में नजर आईं कंगना...

मुंबई। नमित मल्होत्रा की पौराणिक फिल्म 'रामायण' का ट्रेलर 30 जुलाई को रिलीज किया गया था। फिल्म में साई पल्लवी 'माता सीता' के किरदार में हैं। उनके लुक को सोशल मीडिया पर खूब प्यार मिल रहा है। इस बीच, अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत ने अपने बचपन की कुछ तस्वीरें साझा की हैं, जिसमें वह स्कूल के दौरान 'सीता' के किरदार में दिखाई दे रही हैं। इस तस्वीर के साथ-साथ उनका कैप्शन लोगों का ध्यान खींच रहा है।

तस्वीर में सीता के रूप में नजर आईं कंगना

कंगना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर 2 तस्वीरें साझा की हैं। एक तस्वीर में उन्हें लाल रंग की साड़ी पहने 'माता सीता' के अवतार में देखा जा सकता है। वह एक हाथ से आशीर्वाद वाली मुद्रा बनाए हुए हैं।

किंग में विलेन बनकर टक्कर देंगे राघव

मुंबई। शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' इस साल क्रिसमस पर तहलका मचाने आ रही है। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बनी रही इस एक्शन थ्रिलर में राघव जुयाल भी मौजूद हैं, जिन्हें लेकर कहा जा रहा था कि वह इसमें युवा विलेन के किरदार में नजर आएंगे। हालांकि, अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' के प्रमोशन के दौरान राघव ने इन चर्चाओं पर चुप्पी तोड़ी। उन्होंने बताया कि फिल्म को अनोखे तरीके से फिल्माया जा रहा है। 'किंग' में सुहाना खान, दीपिका पादुकोण, अभिषेक बच्चन, रानी मुखर्जी, जयदीप अहलावत, अनिल कपूर, अरशद वारसी और अभय वर्मा जैसे कलाकार भी शामिल हैं। ये 24 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। जब राघव से 'किंग' में विलेन का किरदार निभाने की अफवाहों के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, ये बिल्कुल, सारा झूठ बोल रहे हैं।

फिल्मी मसाला

रामानंद सागर की 'रामायण' में जुगाड़ से बनाई ज्वैलरी

मुंबई। नितेश तिवारी और नमित मल्होत्रा की रामायण को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त बज बना हुआ है। चार हजार करोड़ के भारी-भरकम बजट में बनी इस फिल्म की रामानंद सागर की 'रामायण' से तुलना हो रही है जिसकी मेकर्स को शायद उम्मीद भी रही होगी। रामानंद सागर ने अपनी 'रामायण' से इस महाकाव्य को टीवी पर कुछ ऐसे पेश किया जिसकी आज तक कोई बराबरी नहीं कर पाया है।

'टॉक्सिक' में अपनी भूमिका पर की बात, किया बड़ा खुलासा...

मुंबई। कियारा अडवाणी ने बताया है कि आने वाली फिल्म 'टॉक्सिकः अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' में नदिया का उनका किरदार अब तक का सबसे ज्यादा संतुष्टि देने वाला रहा है। इस फिल्म को गीतू मोहंदास ने निर्देशित किया है और इसमें यश दौहरी भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म की कहानी और गीतू के नरेशन ने कियारा को तुरंत अपनी ओर खींच लिया। दरअसल, उनके किरदार (नदिया) में जो गहराई थी, उसी ने कियारा को सबसे ज्यादा प्रभावित किया। कियारा बताती हैं कि गीतू के नरेशन ने उन्हें सचमुच मंत्रमुग्ध कर दिया था।

'टॉक्सिक' में नदिया की जटिलताओं को समझाया : कियारा ने नदिया के किरदार को ताकत, कमजोरी, पागलपन और अलगाव का मिला-जुला रूप बताया। उनके मुताबिक, 'यह ऐसा किरदार था जिसके लिए कोई भी अभिनेता तरसता है'। इस किरदार की तैयारी के लिए कियारा ने सबसे पहले नदिया के जज्बातों को समझा, उसके बाद उन्होंने अपने हाव-भाव और आवाज पर काम किया। कियारा ने अपनी सह-कलाकारों नयनतारा,

हुमा कुरैशी, तारा सूतारिया और रुक्मिणी वासंथ की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि इन सभी ने फिल्म के सिनेमैटिक यूनिवर्स में कुछ अनोखा योगदान दिया है। फिल्म 'टॉक्सिक' को वैसे तो कन्नड़ और इंग्लिश में शूट किया गया है, लेकिन यह हिंदी, तमिल, तेलुगू और मलयालम भाषाओं में भी सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

एक बार फिर साथ दिखेंगी ये सुपरहिट जोड़ियां

मुंबई। मोहित सूरी की अगली फिल्म में अहान पांडे और अनीत पड्डा की जोड़ी एक बार फिर साथ नजर आएगी। वहीं, इम्तियाज अली की आगामी फिल्म में वेदांग रैना और शरवरी भी दोबारा स्क्रीन साझा करते हुए नजर आएंगे। इन लोकप्रिय जोड़ियों की वापसी ने फैंस की उत्सुकता बढ़ा दी है। ऐसे में आइए जानते हैं बॉलीवुड की उन चर्चित ऑन-स्क्रीन जोड़ियों के बारे में, जो जल्द ही फिर एक साथ नजर आएंगी।

अहान पांडे-अनीत पड्डा

अहान और अनीत ने मोहित की रोमांटिक म्यूजिकल फिल्म 'सैयारा' से एक साथ बॉलीवुड में कदम रखा और अपनी शानदार ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री से दर्शकों का दिल जीत लिया था। फिल्म के भावनात्मक अंदाज और लोकप्रिय गानों ने इसे बड़ी रोमांटिक हिट बना दिया। अब खबर है कि यह लोकप्रिय जोड़ी एक बार फिर मोहित की अगली रोमांटिक फिल्म में साथ नजर आएगी, जिसकी शूटिंग अक्टूबर-नवंबर 2026 में शुरू होने की संभावना है।

शरवरी-वेदांग रैना

इम्तियाज के पीरियड ड्रामा 'मैं वापस आऊंगा' में नजर आए शरवरी और वेदांग ने अपने शानदार अभिनय के लिए खूब तारीफें बटोरी थीं। अब फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' की सफलता के बाद, यह ऑन-स्क्रीन जोड़ी कथित तौर पर इम्तियाज की एक और फिल्म के लिए फिर से साथ नजर आने वाली है, जिसकी शूटिंग इसी साल नवंबर में शुरू होगी। हालांकि, इसकी रिलीज की तारीख का अभी तक खुलासा नहीं हुआ है।

शाहरुख खान-दीपिका पादुकोण

2007 में आई फिल्म 'ओम शांति ओम' में शाहरुख खान के साथ डेब्यू करने के बाद से ही दीपिका पादुकोण ने उनके साथ कई रिकॉर्ड तोड़ने वाली ब्लॉकबस्टर फिल्में में काम किया, जैसे 'चेन्नई एक्सप्रेस', 'हैप्पी न्यू ईयर', 'पठान' और 'जवान'। अब वो दोनों जल्द ही फिल्म 'किंग' में साथ नजर आएंगे। इस फिल्म के जरिए शाहरुख की बेटी सुहाना बॉलीवुड डेब्यू करेगी।

सनी देओल-प्रीति जिंटा

सनी देओल और प्रीति जिंटा फिल्म 'द हीरोः लव स्टोरी ऑफ अ स्पाई' और 'फर्ज' में साथ नजर आए थे। वहीं अब यह लोकप्रिय जोड़ी एक बार फिर 'बटवारा 1947' में एक साथ नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन राजकुमार संतोषी कर रहे हैं और इसे आमिर खान निर्मित कर रहे हैं। यह फिल्म लंबे समय बाद सनी और प्रीति की बड़े पर्दे पर वापसी को लेकर चर्चा में है।

हिंदी दैनिक झारखण्ड उजाला के लिए प्रकाशक एवं स्वामित्व सचिन कुमार सिंह द्वारा मकान संख्या 01, सिंह मेंशन, शांति नगर, नियर हटिया टोंको ब्रिज, ओबरिया रोड, पोस्ट : हटिया, थाना : जगन्नाथपुर, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 834003. से प्रकाशित एवं सचिन कुमार सिंह द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, पता : काठीटांड, नियर टेंडर बगीचा, पोस्ट- रातू, थाना - रातू, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 835222 से मुद्रित, संस्थापक : रनेश नारायण सिंह, संपादक : सचिन कुमार सिंह *(पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार), epaper.jharkhandujala.com, E-mail -jharkhandujala@gmail.com / hr.jharkhandujala@gmail.com / desk.jharkhandujala@gmail.com (M) +91 9431360101, (O) 0651-2290101, (fax) 0651-2290101.